শৰ্মা হাৰ্ডৱেৰ
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947
70025-06581

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 09 | अंक : 218 | गुवाहाटी | गुरुवार, 2 मार्च, 2023 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 12 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

अब दीपर बिल में बेदखली : मंत्री सिंघल पेज 3
बजट में शहरी नियोजन और बुनियादी ढाचे के विकास पर विशेष ... पेज 4
मायावती दलित व महिला विरोधी, दोहरे चेहरे का समझ चुकी है जनता : स्वाती सिंह पेज 5
प्रदेश के 17 शहरों में 27 आवासीय और एक व्यवसायिक योजना लॉन्च पेज 8

পূৰ্বাঞ্চল কেশৰী
(অসমীয়া দৈনিক)
PURVANCHAL KESARI
(ASSAMESE DAILY)
GOOD LUCK PUBLICATIONS
House No. 30, D. Neog Path, ABC, Guwahati - 781005
Mob: 94350 14771, 97070 14771

door graph Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

सुप्रभात

अगर कोई पाप हैं.., तो वो सिर्फ और सिर्फ अपने आपको या दूसरों को कमजोर मानना हैं।

स्वामी विवेकानंद

त्रिपुरा, मेघालय और नगालैंड विधानसभा चुनाव परिणाम आज

अगरतला/शिलांग/कोहिमा। पूर्वोत्तर के तीन चुनावी राज्यों में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के लिए काफी कुछ दांव पर लगा हुआ है। इन राज्यों के चुनावी परिणाम गुरुवार को सामने आ जाएंगे जो इस बात का संकेत देंगे कि भाजपा ने 2018 में वाम दलों से उनके गढ़ त्रिपुरा को छीनने के बाद से वहां अपनी जड़ें मजबूत की हैं या नहीं। चुनावी परिणामों से यह भी स्पष्ट होगा कि पूर्वोत्तर के अधिकांश राज्यों की सत्ता पर काबिज भाजपा मेघालय तथा नगालैंड में अपनी पैठ और मजबूत करने में सफल हुई है या नहीं या फिर विपक्ष उसके प्रभाव में सेंध लगाने में कामयाब रहा है। तीन राज्यों में त्रिपुरा ऐसा राज्य है जिस पर राष्ट्रीय स्तर पर सबकी निगाहे हैं क्योंकि वैचारिक रूप से यहां जीत दर्ज करना भाजपा के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण माना जा रहा है। यह महत्वपूर्ण इसलिए भी है कि क्योंकि पारंपरिक प्रतिद्वंद्वियों कांग्रेस और वाम दलों ने राज्य की 60 सदस्यीय विधानसभा के चुनाव में भाजपा को चुनौती देने के लिए पहली बार हाथ मिलाया है। राष्ट्रीय दलों के बीच इस लड़ाई में प्रद्योत देबबर्मा के नेतृत्व वाला तीपरा मोथा भी है जो एक प्रदेश की राजनीति में एक प्रभावी ताकत के रूप में उभरा है। जनजातीय आबादी के एक बड़े हिस्से के बीच इसके प्रभाव ने पारंपरिक पार्टियों को परेशान किया है। इसके संस्थापक देबबर्मा पूर्ववर्ती शाही परिवार के वंशज हैं और राज्य की जनजातीय आबादी में उनका खासा प्रभाव माना जाता है। पिछले चुनाव में भाजपा

और उसके सहयोगी इंडिजिनस पीपुल्स फ्रंट ऑफ त्रिपुरा (आईपीएफटी) ने जनजातीय क्षेत्रों में अच्छा प्रदर्शन किया था। पिछली बार के चुनाव में भाजपा ने 36 और आईपीएफटी ने आठ सीटें जीती थीं। आईपीएफटी के संस्थापक एन सी देबबर्मा के निधन के बाद माना जा रहा है कि पार्टी की प्रभाव कम हुआ है। ऐसे में बहुमत हासिल करने का भार काफी हद तक भाजपा के कंधों पर है जबकि उसके दो मुख्य प्रतिद्वंद्वी एकजुट हो गए हैं। दो दशक तक वाम दलों का गढ़ रहे त्रिपुरा में भाजपा ने 2018 में शानदार जीत दर्ज की थी और उसके इस किले को उसने छीन लिया था। इससे पहले हुए 2013 के चुनाव में भाजपा एक भी सीट नहीं जीत सकी थी। अलबत्ता, 2018 में भाजपा की आश्चर्यजनक वृद्धि को पार्टी ने अपने प्रतिद्वंद्वियों पर अपनी वैचारिक जीत के रूप में पेश किया था। ऐसे में भाजपा यदि यहां हारती है तो उसे एक झटके के रूप में देखा जाएगा। भले ही राष्ट्रीय फलक पर त्रिपुरा का अपेक्षाकृत मामूली प्रभाव हो। मेघालय और नगालैंड, दोनों में क्षेत्रीय दल बड़े खिलाड़ी बने हुए हैं, वहीं भाजपा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह सहित अपने सभी बड़े नेताओं के साथ राज्यों में अपनी पैठ बढ़ाने के लिए एक धारादार अभियान चलाया। पहली बार भाजपा मेघालय की सभी 60 सीटों पर चुनाव लड़ रही है और लगातार नेशनल पीपुल्स पार्टी के नेता और मुख्यमंत्री कोनराड सांग्मा पर देश की *सबसे भ्रष्ट* राज्य सरकार चलाने के लिए निशाना साध रही है। मेघालय में भाजपा सांग्मा के नेतृत्व वाली सरकार में साझेदार थी, लेकिन चुनाव से पहले उसने गठबंधन तोड़ लिया था। पार्टी को उम्मीद है कि विधानसभा में उसकी ताकत बढ़ेगी और विधायकों की संख्या में चार गुना से अधिक की *-शेष पृष्ठ दो पर*

मेघालय : गोपनीयता टूटने के आरोप की जांच का आदेश

शिलांग। मेघालय के मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने एक वायरल तस्वीर सामने आने के बाद नोंगपोह के जिला निर्वाचन अधिकारी को जांच का आदेश देने का निर्देश दिया है। दरअसल, 35-मव्हाटी विधानसभा क्षेत्र के तहत 8-शिलियांग उमदोह मतदान केंद्र में मतदान की गोपनीयता के कथित उल्लंघन का संकेत देने वाली एक तस्वीर वायरल हो रही है। मेघालय के मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने कहा कि जांच के बाद 8-मव्हाटी के अंतर्गत आने वाले संबंधित मतदान केंद्र के दोषी मतदान अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। कार्रवाई रिपोर्ट 3 मार्च से पहले प्रस्तुत की जानी है।

सांग्मा और डॉ. शर्मा के बीच सरकार गठन को लेकर वार्ता

गुवाहाटी (हि.स.)। मेघालय के मुख्यमंत्री और नेशनल पीपुल्स पार्टी (एनपीपी) के प्रमुख कोनराड के सांग्मा ने नॉर्थ-ईस्ट डेमोक्रेटिक अलायंस (नेडा) के संयोजक और असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा के साथ बंद कमरे में वार्ता की। माना जा रहा है कि मेघायल में नेडा सरकार के गठन को लेकर विमर्श किया। मंगलवार रात मेघालय के मुख्यमंत्री सांग्मा गुवाहाटी पहुंचे और नेडा के संयोजक डॉ. शर्मा से मुलाकात की। मुलाकात के दौरान दोनों नेताओं के बीच क्या चर्चा हुई, इसकी पूरी जानकारी नहीं मिल पाई है। हालांकि, एक विशेष सूत्र के अनुसार, सांग्मा ने चुनाव के नतीजों के बाद राज्य में सरकार के गठन में डॉ. शर्मा के *-शेष पृष्ठ दो पर*

सिलसाको बिल की अतिक्रमण मुक्ति : सरकार ने उठाए कदम

गुवाहाटी (हि.स.)। गुवाहाटी के मध्य स्थित सिलसाको बिल (झील) के सौंदर्यीकरण के लिए उसके किनारों को अतिक्रमण मुक्त कराने के लिए सरकार ने कड़े कदम उठाने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने इस संबंध में एक संवाददाता सम्मेलन में साफ तौर पर कदम उठाने के संकेत दिए थे। इसी कड़ी में बुधवार को मुख्यमंत्री डॉ. शर्मा ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर करते हुए लिखा है कि मैंने कामरूप (मेट्रो) जिला उपायुक्त को निर्देश दिया है कि होटल जिंजर, ओकेडी इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल चेंज एंड *-शेष पृष्ठ दो पर*

न्यूज गैलरी

नगालैंड : चुनाव के बाद हिंसा में एक की मौत

कोहिमा (हि.स.)। नगालैंड के नकला में चुनाव के बाद भड़की हिंसा थम नहीं रही है। पुलिस फायरिंग में एक व्यक्ति की मौत के बाद हिंसा तेज हो गई। इस क्षेत्र में चुनाव पूर्व भी हिंसा हुई थी। बुधवार को दोपहर 12 से 1 बजे के बीच नकला स्थित जिला उपायुक्त के गेट के पास हिंसा की ताजा घटना हुई। चुनाव आयोग के निर्देश पर चार क्षेत्रों के चार केंद्रों पर आज पुनर्मतदान हो रहा है। खबरों के मुताबिक, भाजपा ने 27 फरवरी को नकला के जिला *-शेष पृष्ठ दो पर*

जागीरोड में रिजिजू

मोरीगांव (हि.स.)। केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने बुधवार को मोरीगांव जिले के जागीरोड में कई कार्यक्रमों में भाग लिया। केंद्रीय मंत्री आगामी लोकसभा चुनाव की तैयारियों के मद्देनजर असम के विभिन्न क्षेत्रों में लगातार दौरा कर स्थानीय कार्यकर्ताओं के साथ संवाद करने में जुटे हैं। केंद्रीय मंत्री ने निर्वाचन क्षेत्र के कई स्थानों का दौरा किया। इसी कड़ी में उन्होंने जागीरोड में रेलवे विभाग के निर्माण फ्लाईओवर के कार्य की प्रगति का जायजा लिया और जागीरोड कॉलेज पहुंचकर छात्रों से बातचीत की। यहां केंद्रीय मंत्री ने विद्यार्थियों से अपनी भाषा और संस्कृति के बारे में *-शेष पृष्ठ दो पर*

राज्यपाल और आईआईटी छात्रों के बीच बातचीत

गुवाहाटी (हि.स.)। असम के राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया ने कहा कि आज की युवा पीढ़ी को लोकतंत्र और स्वतंत्रता संग्राम के सार और महत्व को जानने की जरूरत है, जिसने देशवासियों को दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र दिया है। राज्यपाल बुधवार को राजभवन में *एक भारत श्रेष्ठ भारत* के युवा संगम कार्यक्रम के तहत आयोजित इंटरएक्टिव कार्यक्रम में छात्रों के एक समूह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि हमारी युवा पीढ़ी को हमारे समृद्ध इतिहास से जोड़ना आवश्यक है ताकि वे देश को बेहतर ढंग से समझ सकें और इसके विकास में योगदान कर सकें। राज्यपाल ने कहा कि अमृतकाल हमारे लिए अधिक ज्ञान, अनुसंधान और नवाचार की मांग करने का *-शेष पृष्ठ दो पर*

हरियाणा में सरपंचों पर पुलिस का लाठीचार्ज

चंडीगढ़। हरियाणा में बुधवार को ई-टेंडरिंग का विरोध करने चंडीगढ़ जा रहे सरपंचों को पुलिस ने पंचकूला में ही रोक लिया। सरपंच पुलिस द्वारा लगाए गए बैरिकेड्स पर चढ़ गए। पुलिस ने उन्हें रोकने की कोशिश की तो सरपंचों ने धक्का-मुक्की कर दी। सरपंचों ने बैरिकेड तोड़ दिए। जिसके बाद प्रदर्शनकारियों को रोकने के लिए पुलिस ने वाटर कैनन से पानी की बौछारें मारी और जमकर लाठीचार्ज कर दिया। जिसमें 10 सरपंच घायल हुए हैं। हंगामा बढ़ता देख सीएम मनोहर लाल खट्टर ने अपने ओएसडी भूपेश्वर दयाल को सरपंचों से बातचीत के लिए भेजा। मगर, सरपंचों ने उनकी कोई बात सुनने से इनकार कर बैरंग लौटा दिया। अब वे वहीं चंडीगढ़-पंचकूला बॉर्डर पर पक्का धरना लगाकर बैठ गए हैं। जिस वजह से माहौल तनावपूर्ण बना हुआ है। हरियाणा सरकार ने इस साल 2 लाख से ज्यादा के कामों के लिए ई-

टेंडरिंग अनिवार्य कर दी है। इससे सरपंच सरकार के विरोध में आ गए। उनका कहना है कि पहले हमें 20 लाख तक की पावर थी। अब नए आदेश से वह एक गली-नाली तक अपने स्तर पर नहीं बनवा सकते। चुने हुए प्रतिनिधियों को अफसरों का गुलाम बनाया जा रहा है। उन्होंने विधायकों के लिए राइट टू रिकॉल की भी मांग की। उनका कहना था कि सरपंचों से पहले इसे एमपी-एमएलए पर भी लागू किया जाए। इसी के विरोध में सरपंच बुधवार को मुख्यमंत्री खट्टर के आवास के घेराव के लिए जा रहे थे। जिन्हें पुलिस ने रोक लिया। सरपंचों और पुलिस में जमकर धक्कामुक्की हुई। कुछ दिन पहले भी सरपंचों ने *-शेष पृष्ठ दो पर*

तीन हजार नए मंदिर बनवाएगी आंध्र सरकार

अमरावती। आंध्र प्रदेश के हर गांव में एक मंदिर सुनिश्चित करने का प्रयास करते हुए सरकार ने कहा है कि राज्य में मंदिरों का निर्माण बड़े पैमाने पर किया जा रहा है। उपमुख्यमंत्री कोट्टू सत्यनारायण ने कहा कि मुख्यमंत्री वाई एस जगन मोहन रेड्डी के निर्देश पर, हिंदू धर्म की रक्षा और प्रचार के लिए इस पहल की शुरुआत की गई है। धर्मादा विभाग का भी कार्यभार संभाल रहे सत्यनारायण ने मंगलवार को एक विज्ञप्ति में कहा कि बड़े पैमाने पर हिंदू धर्म की रक्षा और प्रचार करने के लिए, कमजोर वर्गों के इलाकों में हिंदू मंदिरों का निर्माण शुरू किया गया है। तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम के श्री वाणी ट्रस्ट ने मंदिरों के निर्माण *-शेष पृष्ठ दो पर*

पांच बच्चों के साथ नहर में कूदने से पति-पत्नी की मौत

सांचौर (जालोर)। राजस्थान में जालोर जिले के सांचौर में बुधवार दोपहर ढाई बजे पति-पत्नी ने अपने 5 बच्चों के साथ नर्मदा नहर में छलांग लगा दी। सभी के शव निकाल लिए गए हैं। छह लोगों के हाथ एक-दूसरे से रस्सी से बंधे हुए थे। इनके शव शाम करीब साढ़े छह बजे मिले। जबकि 9 साल के एक बच्चे का शव अलग से शाम करीब 4 बजे मिला। शंकराराम (32), उसकी पत्नी बादली (30), बेटी रमिला (12), बेटा प्रकाश (10), बेटी केगी (8), बेटी जानकी (6) और बेटे हितेश (3) के शव नहर से निकाल लिए गए हैं। गलीपा में रहने वाले भंवर सिंह राजपूत ने हेल्प लाइन 101 अभय कमांड जालोर को सूचना दी कि शंकरा का उसकी पत्नी के साथ झगड़ा हुआ था। वह गुस्से में पत्नी और बच्चों के साथ घर से निकलकर *-शेष पृष्ठ दो पर*

बिहार में अश्लील गानों पर कड़ी कार्रवाई करेगी सरकार

पटना। बिहार सरकार ने भोजपुरी गानों में अश्लीलता और जाति सूचक शब्दों का इस्तेमाल करने वालों पर कड़ी कार्रवाई करने की घोषणा की है। बिहार विधानसभा में बुधवार को कांग्रेस की प्रतिमा कुमारी और अन्य की ध्यानाकर्षण सूचना पर गृह विभाग की ओर से जवाब देते हुए प्रभारी मंत्री विजेंद्र प्रसाद यादव ने कहा कि सभी वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक को भोजपुरी गानों में अश्लील और जाति सूचक शब्दों का इस्तेमाल करने वालों के खिलाफ शिकायत मिलने पर विधि सम्मत कार्रवाई करने का निर्देश दिया गया है। इसके *-शेष पृष्ठ दो पर*

बीबीसी को भारतीय कानूनों का करना होगा पालन : जयशंकर

नई दिल्ली (हि.स.)। भारत ने ब्रिटेन से दो टूक शब्दों में कहा है कि ब्रिटिश ब्रॉडकास्टिंग कॉर्पोरेशन (बीबीसी) को भारत के कानूनों और नियमों के अनुसार काम करना होगा। जी-20 विदेश मंत्रियों के सम्मेलन में भाग लेने आए ब्रिटेन के विदेश मंत्री जेम्स क्लेवरली ने विदेश मंत्री एस जयशंकर के साथ बुधवार को हुई बैठक में बीबीसी पर आयकर विभाग के छापे/सर्वे का मामला उठाया था। बाद में उन्होंने मीडिया से कहा था कि बीबीसी एक स्वतंत्र मीडिया संस्थान है। भारतीय एजेंसियों की कार्रवाई के संबंध में उन्होंने जयशंकर के समक्ष यह मुद्दा उठाया था। उल्लेखनीय है कि पिछले दिनों ब्रिटेन की संसद में बीबीसी पर पड़े छापे/सर्वे का मामला उठा था। ब्रिटेन सरकार की ओर से कहा गया था कि वह प्रेस की स्वतंत्रता और अभिव्यक्ति की आजादी पर किसी प्रकार का दबाव डालने का विरोध करती है। संसद को बताया गया था कि इस संबंध में भारत सरकार से बात की जाएगी। आस्ट्रेलिया के विदेश मंत्रालय की ओर से कहा गया है कि वे बीबीसी के मुद्दे पर भारत सरकार से बात करेगी। ब्रिटिश विदेश मंत्री के बयान के तुरंत *-शेष पृष्ठ दो पर*

पाक ने ही खड़ा किया खालिस्तान आंदोलन

इस्लामाबाद। भारत के खिलाफ खालिस्तान आंदोलन के पीछे पाकिस्तान की भूमिका को लेकर खुद पाकिस्तान ने कई बड़े डिफेंस एक्सपर्ट स्वीकार कर चुके हैं कि खालिस्तान मूवमेंट के पीछे उन्हीं का हाथ है। अब एक और पाक एक्सपर्ट खालिस्तान मूवमेंट को लेकर सच उगल दिया है। पाकिस्तान के वरिष्ठ डिफेंस एक्सपर्ट और पाकिस्तानी सेना में गहरी पैठ रखने वाले जैद हामिद ने कहा कि हां हमने भारत को नीचा दिखाने के लिए खालिस्तान आंदोलन को खड़ा किया है।

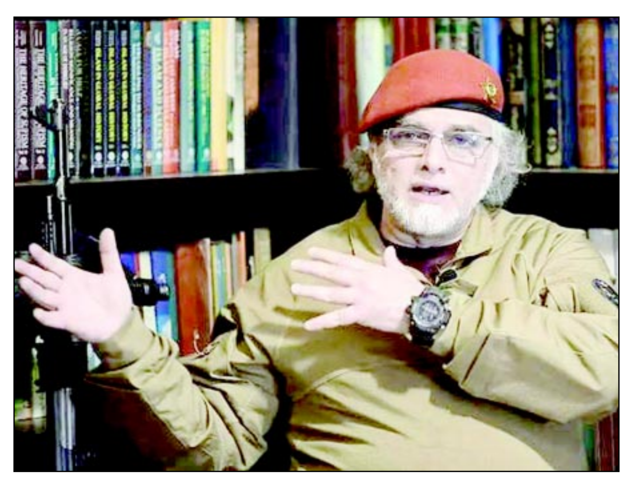

पाकिस्तान अनटोल्ड नाम के एक ट्विटर हैंडल पर शेयर किए गए एक पुराने वीडियो में जैद हामिद कहते हैं कि हमने पूरे 80 के दशक में, यह वो वक्त था जब 1971 का भारत से बदला लेना शुरु किया था, उस समय सिखों की तहरीक बनाई। कश्मीरी जिहाद को फिर से खड़ा किया गया। नगा, असम, नक्सली, माओवादी, पूर्वोत्तर जैसे भारत के अलग-अलग हिस्सों में जो पहले से ही आजादी की मांग करने वाले अंदोलन चल रहे थे, उन्हें मदद दी गई। श्रीलंका की मदद की गई *-शेष पृष्ठ दो पर*

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

NAME & DOB CHANGE

I, No. 14531135F, Rank-Ex Sep, GAJEN CHANDRA KOCH, S/O- Late Lila Kanta Koch, R/O- Vill-Kunderbari, P.O.- Dekargaon, P.S.- Tezpur, Dist.-Sonitpur, Assam, Pin- 784501, That in my Pension Book wherein my wife's name has been recorded as REEMA instead of RIMA KOCH as well as her DOB recorded as 1969 instead 01-09-1967. Vide affidavit before the Notary Public Tezpur, on 1 /03/2023

70 एचटीटी-40 बेसिक ट्रेनर विमान खरीदने को मंजूर

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में मंत्रिमंडल की सुरक्षा मामलों की समिति ने 70 एचटीटी-40 बेसिक ट्रेनर विमान खरीदने को मंजूरी दे दी है। इन विमानों को खरीदने में 6,828 करोड़ रुपए की लागत आएगी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने इसकी जानकारी दी है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि विमान की आपूर्ति छह साल में की जाएगी। रक्षा मंत्रालय ने बताया कि एचटीटी-40 का निर्माण हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) ने किया है। यह एक टर्बोप्रॉप विमान है, जिसे अच्छे कम गति वाले हैंडलिंग फीचर्स और बेहतर प्रशिक्षण प्रभावशीलता प्रदान करने के लिए डिजाइन किया गया है। खरीद के फैसले से सैकड़ों एमएसएमई (सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय) के लिए नए अवसर खुलेंगे और हजारों नौकरियां पैदा होंगी। यह रक्षा में भारत की आत्मनिर्भरता को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। मंत्रालय के मुताबिक, एचटीटी-40 में लगभग 56 फीसदी स्वदेशी सामग्री का इस्तेमाल किया गया है। इस बढ़ाकर 60 फीसदी तक किया जाएगा। एचएएल अपनी आपूर्ति श्रृंखला में एमएसएमई सहित भारतीय निजी उद्योग को शामिल करेगा। खरीद में लगभग 1,500 कर्मियों को प्रत्यक्ष रोजगार और 100 से अधिक एमएसएमई में फैले 3,000 लोगों के लिए अप्रत्यक्ष रोजगार के अवसर पैदा होंगे। मंत्रालय ने कहा कि विमान पायलटों के प्रशिक्षण के लिए भारतीय वायुसेना के बुनियादी ट्रेनर विमानों की कमी को पूरा करेगा। खरीद में सिमुलेटर सहित संबंधित उपकरण और प्रशिक्षण सहायक शामिल होंगे। एरोबेटिक टैंडेम सीट टर्बो ट्रेनर में एक वातानुकूलित कॉकपिट और आधुनिक एवियोनिक्स भी होगा।

फारुख अब्दुल्ला ने किया एमके स्टालिन के पीएम पद की दावेदारी का समर्थन

बोले, डीएमके ने अच्छा काम किया है

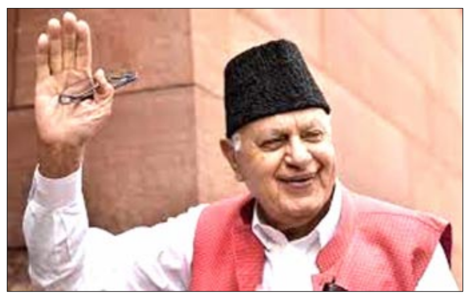

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर नेशनल कांफ्रेंस (नेकां) के अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला ने बुधवार को कहा कि अगर विपक्षी दल एक साथ आते हैं और अगले साल आम चुनाव जीतते हैं तो द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) के शीर्ष नेता और तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन के प्रधानमंत्री बनने की संभावना है। स्टालिन के जन्मदिवस समारोह में हिस्सा लेने के लिए यहां पहुंचने पर अब्दुल्ला ने प्रधानमंत्री पद के संभावित उम्मीदवारों के बारे में पूछे जाने पर कहा कि 2024 के लोकसभा चुनावों में एकजुट विपक्ष की जीत के बाद उचित समय पर देश को एकजुट करने उसका नेतृत्व करने के लिए सर्वश्रेष्ठ व्यक्ति पर निर्णय लिया जा सकता है। स्टालिन के प्रधानमंत्री बनने की संभावना के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने संवाददाताओं से कहा कि क्यों नहीं? वह प्रधानमंत्री क्यों नहीं बन सकते? विपक्षी एकता के बारे में एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि स्टालिन और द्रमुक ने बहुत अच्छा काम किया है। उन्होंने कहा कि जब देश की विविधता की रक्षा होती है तो एकता की रक्षा की जाती है। तमिलनाडु की सत्तारूढ़ पार्टी ने विपक्ष और राष्ट्रीय एकता को पोषित करने को लेकर अच्छा काम किया है।

रंगिया : एसएसबी की 24वीं वाहिनी ने मनाया साइबर जागरूकता दिवस

रंगिया (निसं)। रंगिया स्थित सशस्त्र सीमा बल की 24वी वाहिनी (एसएसबी) ने आज दिनांक-01.03.2023 को साइबर जागरूकता दिवस पर कार्यक्रम आयोजित किया जिसमें वाहिनी मुख्यालय रंगिया में 05 किलोमीटर दौड़ तथा सीमा चौकी बिमलानगर स्थित स्कूल में एक जागरूकता रैली एवं साइबर अपराध जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया, इस मौके पर उपस्थित सभी छात्र-छात्राओं एवं ग्रामीणों को साइबर अपराध के बारे में विस्तृत जानकारी दी गयी तथा साइबर अपराध से बचाव संबंधित सलाह दी गयी । कार्यक्रम में 24वीं वाहिनी के अधिकारी एवं अन्य बल कर्मी उपस्थित रहे।

No. MCH/HMS/2022/283/9

EXPRESSION OF INTEREST

Expression of Interests (EOI's) are invited from competent and eligible service provider agencies to efficiently operate 17 (seventeen) nos. of lifts at GMCH, Guwahati. Interested agencies may submit their proposals with full work plan indicating manpower requirement and providing all supporting documents within 23rd March, 2023 upto 02:00 PM. All other relevant information are available at www.gmchassam.gov.in.

Superintendent cum Member-Secretary HMS, Gauhati Medical College Hospital Guwahati-32

-- *Janasanyog / C/21596/22*

डिब्रूगढ़ पहुंची नि:शुल्क मोबाइल मेडिकल बस सेवा

गुवाहाटी (विभास)। ग्रामीण अंचल में रह रहे आर्थिक रूप से कमजोर परिवार के लोगों तक नि:शुल्क स्वास्थ्य सेवा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से इन दिनों असम में नि:शुल्क मोबाइल मेडिकल बस शिविर का आयोजन किया जा रहा है। राज्य के विभिन्न स्थानों पर अब तक आयोजित 17 शिविरों में 3000 से अधिक लोग अपने स्वास्थ्य की जांच एवं परामर्श ले चुके हैं। बीडीजी रमेश गोयल सेवा संस्थान की लोटस टीएमटी बार मेडिकल बस सेवा की ओर से इन शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। बीडीजी मेटल एंड पावर लिमिटेड के चेयरमैन तथा सेवा संस्थान के प्रमुख ट्रस्टी रमेश गोयल के नेतृत्व में लोटस टीएमटी बार मेडिकल सेवा आज से आगामी 3 मार्च तक डिब्रुगढ़ के गरियाबाम इलाके में उपलब्ध होगी। वहीं 6 मार्च के डिब्रुगढ़ के बालीमारा तथा 7 मार्च को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के मद्देजनर दुलियाजान क्लब में आयोजित किया जाएगा। तत्पश्चात 8 से 10 मार्च के बीच चबुआ में नि:शुल्क मोबाइल मेडिकल बस शिविर का आयोजन किया जाएगा। मेडिकल बस शिविर के प्रभारी संजय गुप्ता ने बताया कि संबंधित तारिख को उक्त स्थान के जरूरतमंद लोग शिविर में पहुंचकर आई टेस्टिंग एंड ट्रीटमेंट, डेंटल टेस्टिंग एंड ट्रीटमेंट, ईएनटी टेस्टिंग एंड ट्रीटमेंट, पैथोलॉजिकल लैबोरेट्री की सुविधा, जनरल ओपीडी, ईसीजी एवं एक्सरे की सुविधा का लाभ इस मोबाइल मेडिकल बस के माध्यम से नि:शुल्क ले सकते हैं। शिविर में नि:शुल्क स्वास्थ्य जांच आनंदलोक हॉस्पिटल के सहयोग से किया जा रहा है। उन्होंने इन क्षेत्रों में रहने वाले लोगों से ज्यादा से ज्यादा संख्या में उपस्थित होकर नि:शुल्क शिविर का लाभ उठाने का आह्वान किया है।

Form- IV

Statement about ownership and other particulars about **VIKSIT BHARAT SAMACHAR** (Guwahati).

1. Place of Publication : Guwahati
2. Periodicity of its Publication : Daily
3. Printer's Name : Rakesh Sharma
   Nationality : Indian
   Address : Flat No. C-3, Jib Nihar Apartment, Bye Lane-5, Tarun Nagar, ABC, Guwahati-781005, Assam
4. Publisher's Name : Rakesh Sharma
   Nationality : Indian
   Address : Flat No. C-3, Jib Nihar Apartment, Bye Lane-5, Tarun Nagar, ABC, Guwahati-781005, Assam
5. Editor's Name : Rakesh Sharma
   Nationality : Indian
   Address : Flat No. C-3, Jib Nihar Apartment, Bye Lane-5, Tarun Nagar, ABC, Guwahati-781005, Assam
6. Names & Address of Individuals who own the newspaper & Partners or Shareholders holding more than one percent of the total capital :

Ajay Tyagi
Flat No.111, Ground Floor, Vikaspuri, New Delhi-110018

I, Rakesh Sharma hereby declare that the particulars given above are true to the best of my knowledge and belief.

Sd/- Rakesh Sharma
Signature of Publisher

Date : 02/03/2023

अल्टीग्रीन ने गुवाहाटी में अपना पहला खुदरा अनुभव केंद्र का किया उद्घाटन

गुवाहाटी। मुंबई, बैंगलोर, हैदराबाद, दिल्ली, रांची, पटना जैसे शहरों में सफल विस्तार के बाद, यह कंपनी गुवाहाटी में अपने पदचिह्न का विस्तार करने के लिए पूरी तरह तैयार है। गुवाहाटी, 1 मार्च, 2023: भारत की अग्रणी वाणिज्यिक इलेक्ट्रिक वाहन निर्माता अल्टीग्रीन ने आज गुवाहाटी में अपने बिल्कुल नया खुदरा अनुभव केंद्र (रिटेल एक्सपीरियंस सेंटर) - गेटवे टू द नॉर्थ ईस्ट का उद्घाटन किया। मुंबई, चेन्नई, हैदराबाद और बैंगलोर जैसे प्रमुख महानगरों में लांच के बाद यह भारत में कंपनी की 22वीं रिटेल डीलरशिप है। अन्य शहरों में अल्टिग्रीन के अनुभव केंद्रों की तरह ही गुवाहाटी में भी यह नई डीलरशिप ईवीएम उत्साही लोगों को अल्टिग्रीन के इलेक्ट्रिक कार्गो वाहनों की रेंज तक पहुंचने की अनुमति देगी। अल्टिग्रीन ने गुवाहाटी में सर्वश्रेष्ठ - ग्रीन वैली ऑटोवर्क्स एलएलपी के साथ साझेदारी करने का विकल्प चुना है। ग्रीन वैली ग्रुप ऑफ कंपनीज की शुरुआत श्री पुलक गोस्वामी ने 1979 में ग्रीन वैली ट्रेवल्स प्रा. लिमिटेड कंपनी के साथ की थी। वे 40 से अधिक वर्षों के लिए परिवहन और डीलरशिप व्यवसायों के साथ जुड़े हुए है और अब उनके बच्चों-रिचा गोस्वामी (2015 से) और अभिषेक गोस्वामी (2020 से) जुड़ गए हैं। भारत में ऑटोमोबाइल व्यवसाय इलेक्ट्रिक की ओर स्थानांतरित होने के साथ, ग्रीन वैली समूह ने दो नए सेगमेंट में उद्यम के साथ नवंबर 2022 में 2-व्हीलर इलेक्ट्रिक डीलरशिप और अब अल्टीग्रीन डीलरशिप के साथ- ग्रीन वैली ऑटोवर्क्स एलएलपी कंपनी के तहत इलेक्ट्रिक मार्केट में प्रवेश किया। गुवाहाटी में अल्टीग्रीन खुदरा अनुभव केंद्र श्री अशोक सिंघल - माननीय मंत्री- गुवाहाटी विकास विभाग, आवास और शहरी मामले, सिंचाई (असम) द्वारा, डॉ. अमिताभ सरन - संस्थापक और सीईओ, अल्टीग्रीन प्रोपल्शन लैब्स के उपस्थिति में लांच किया गया। इस रिटेल डीलरशिप के लांच के साथ, अल्टिग्रीन अपने उपभोक्ताओं को विश्व स्तरीय और आधुनिक बुनियादी ढांचे के साथ एक उन्नत और पहले कभी नहीं देखी जाने वाली अनुभव प्रदान करने पर ध्यान केंद्रित कर रहा है। डीलरशिप के हर तत्व को एक स्वागत योग्य

अनुभव देने के लिए डिजाइन किया गया है, विशेष रूप से उत्सुकता से चलने वाले ऑटोरिक्शा चालकों के लिए। अल्टिग्रीन ने यह सुनिश्चित करने में कोई कसर नहीं छोड़ी है कि डीलरशिप कंपनी के सम्मान, सहानुभूति और पारदर्शी संवाद के माध्यम से उपभोक्ताओं का विश्वास हासिल करने के लोकाचार को दर्शाती है। अल्टीग्रीन के संस्थापक और सीईओ डॉ. अमिताभ सरन ने कहा कि हम गुवाहाटी को स्वच्छ, हरित और प्रदूषण मुक्त जगह बनाने के अवसर के लिए बहुत आभारी हैं। ग्रीन वैली के पास ऑटोमोबाइल और लॉजिस्टिक्स व्यवसाय में दशकों का अनुभव है जो असम राज्य में ईवी के उपलब्धियों को मजबूत बनाने में बहुत मददगार होगा। अल्टिग्रीन भारतीय कार्गो और यात्री गतिशीलता की जरूरतों के लिए सबसे उपयुक्त ईवी की पेशकश करना जारी रखेगा। इस अवसर पर ग्रीन वैली ग्रुप ऑफ कंपनीज की समूह निर्देशक ऋचा / रिचा गोस्वामी ने कहा कि पर्यावरणीय स्थिरता को बढ़ावा देने के लिए सरकार के समर्पण में योगदान देकर हम खुश हैं, जैसा कि वित्त मंत्री ने बजट 2023-24 में कहा था। राज्य सरकार का 2030 तक असम के सभी शहरों में सभी जीवाश्म ईंधन आधारित वाणिज्यिक बेड़े, सरकारी वाहनों और रसद वाहनों को चरणबद्ध रूप से समाप्त करने का लक्ष्य है। हमें अल्टिग्रीन के साथ अपनी साझेदारी शुरू करने और इसे सुलभ और सस्ती बनाते हुए कार्बन मुक्त परिवहन को गति देने के उनके मिशन में समर्थन करने पर बहुत गर्व है। अल्टिग्रीन ने हाल ही में देश में ईवी स्पेस में अग्रणी भूमिका निभाते हुए गठन के दस साल पूरे किए।

पृष्ठ एक का शेष

त्रिपुरा, मेघालय और ...

वृद्धि हो सकती है। पिछले चुनाव के बाद वहां विधानसभा त्रिशंकु बनी थी और इस बार भी ऐसी ही संभावना जताई जा रही है। पूर्वोत्तर क्षेत्र के लिए भाजपा के रणनीतिकार व असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने चुनाव के बाद सांग्मा से मुलाकात की थी और संकेत दिया कि दोनों दल फिर से साथ मिलकर काम कर सकते हैं। इन चुनावों का एक दिलचस्प पहलू पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली तृणमूल कांग्रेस है। बंगाल की सत्ताधारी पार्टी ने भी इन चुनावों में पूरी ताकत झोंकी है और उसकी कोशिश खुद को कांग्रेस की तुलना में भाजपा खिलाफ एक मजबूत प्रतिद्वंद्वी के रूप में पेश करना रही है। लोकसभा चुनाव से पहले बनर्जी की यह कोशिश कितना रंग लाती है, यह देखना दिलचस्प होगा। कांग्रेस ने भी इन राज्यों में व्यापक प्रचार अभियान चलाया है। राहुल गांधी ने मेघालय में एक रैली की है। कांग्रेस की कोशिश अपने खोए हुए प्रभाव को वापस पाने की रही। नगालैंड में भाजपा फिर से एनडीपीपी के साथ गठबंधन में चुनाव लड़ी है। शर्मा ने मंगलवार को दावा किया है कि त्रिपुरा, नगालैंड या मेघालय में कोई त्रिशंकु विधानसभा नहीं होगी और भाजपा के नेतृत्व वाला एनडीए तीनों पूर्वोत्तर राज्यों में पूर्ण बहुमत के साथ सरकार बनाएगा। मतदान के बाद आए चुनावी सर्वेक्षणों में अधिकांश ने मेघालय में त्रिशंकु विधानसभा होने की संभावना जताई है।

सांग्मा और डॉ. शर्मा ...

हस्तक्षेप की मांग की है। सूत्रों ने दावा किया कि एग्जिट पोल के नतीजे आने के एक दिन बाद उनके बीच चुनाव बाद गठबंधन पर भी चर्चा हुई। बताया जा रहा है कि दोनों नेताओं के बीच करीब आधे घंटे तक चर्चा हुई। उल्लेखनीय है कि विभिन्न संगठनों के एग्जिट पोल में इस बार मेघालय में त्रिशंकु जनादेश का अनुमान जताया है। अगर एनपीपी सबसे बड़ी पार्टी के रूप में उभरती भी है, तो भी वह जादुई संख्या 31 तक नहीं पहुंच पाएगी। नतीजतन, यह माना जाता है कि एनपीपी को अकेले सरकार बनाना आसान नहीं होगा। वहीं, तमाम एग्जिट पोल इस बार भाजपा विधायकों की संख्या बढ़ने के संकेत दे रहे हैं। एग्जिट पोल के मुताबिक भाजपा को 6 से 10 सीटें मिलेंगी। पिछली बार भाजपा के दो विधायक थे। इस बीच, असम के मुख्यमंत्री और नेडा के संयोजक डॉ. शर्मा ने मंगलवार को भविष्यवाणी की थी कि नेडा पूर्वोत्तर क्षेत्र के तीनों राज्यों में पूर्ण बहुमत से सरकार बनाएगी।

सिलसाको बिल की ...

डेवलपमेंट आदि संस्थानों को सिलसाको बिल से तत्काल शिफ्ट करने के लिए कदम उठाएं। मुख्यमंत्री ने कहा है कि हमें याद रखना चाहिए कि मौसम परिवर्तन के वैश्विक खतरे के प्राकृतिक समाधान हैं। वहीं एक अन्य पोस्ट में मुख्यमंत्री ने सिलसाको बिल के सौंदर्यीकरण परियोजना का एक फोटो शेयर करते हुए लिखा है कि असम में जल्द ही सिलसाको में सबसे बड़ी झील होगी। प्रस्तावित सिलसाको झील का एक शानदार मॉडल तैयार किया गया है। इससे गुवाहाटी में बारहमासी कृत्रिम बाढ़ को कम करने के अलावा प्राकृतिक भव्यता में इजाफा करेगा।

राज्यपाल और आईआईटी...

समय है जो हमारे अपने हैं। हमें एक ऐसे भारत का निर्माण करना है, जिसकी जड़ें प्राचीन परंपराओं और विरासत से जुड़ी हों और जिसका विस्तार अनंत तक फैला हो। हमें अपनी संस्कृति, अपनी सभ्यता, अपने मूल्यों को जीवित रखना है और अपने सुनहरे अतीत, अपनी विविधता को संरक्षित और बढ़ावा देना है, साथ ही अपनी शिक्षा और अपने बुनियादी ढांचे को प्रभावित करने के लिए विज्ञान और प्रौद्योगिकी की नवीनतम प्रणालियों की लगातार तलाश करनी है। राज्यपाल कटारिया ने इस बात पर भी जोर दिया कि देश को शीर्ष स्तर पर लाने में आईआईटी, आईआईएम जैसे उच्च शिक्षण संस्थानों की बड़ी भूमिका है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि उच्च शिक्षण संस्थान भारत की उच्च शिक्षा के गुणात्मक विकास में योगदान देने की स्थिति में हैं। राज्यपाल ने कहा कि हम सभी जानते हैं कि असम सहित संपूर्ण उत्तर पूर्व क्षेत्र सामाजिक और सांस्कृतिक रूप से अद्वितीय है। राज्यपाल ने कहा कि हमारी आकांक्षाएं देश के विकास की पुष्टि करती हैं। हमारी प्रगति देश की प्रगति में निहित है। राष्ट्र हमारे कारण है, और हम राष्ट्र के कारण मौजूद हैं। यही भाव, ये अहसास नए भारत के निर्माण में हम सब भारतीयों की सबसे बड़ी ताकत बन रहा है। राज्यपाल ने आईआईटी जम्मू, गांधी नगर और आईआईएम बैंगलोर के छात्रों के साथ बातचीत की, ताकि छात्रों को सीखने के दौरान एक-दूसरे के साथ अध्ययन, विकास और बातचीत करने का विशेष मौका मिल सके। इसमें आईआईटी जम्मू, आईआईएम बैंगलुरु और आईआईटी गांधीनगर जैसे तीन संस्थानों से 150 छात्र प्रतिनिधियों की मेजबानी की है। कार्यक्रम उच्च शिक्षण संस्थानों में पढ़ने वाले युवा छात्रों के एक्सपोजर टूर आयोजित करने पर केंद्रित है।

हरियाणा में सरपंचों पर...

पंचकूला में प्रदर्शन किया। तब सरकार ने राज्य के ग्रामीण विकास एवं पंचायत मंत्री देवेंद्र बबली से उनकी मीटिंग तय कर दी। इस मीटिंग में मंत्री बबली ने हाथ खड़े कर दिए। उन्होंने कहा कि मेरे हाथ में कुछ नहीं। वह इसके बारे में सीएम को बता देंगे। अंतिम फैसला कैबिनेट में लिया जाएगा। इससे सरपंच भड़क गए और 1 मार्च को चंडीगढ़ में सीएम आवास घेरने का एलान कर दिया। इस बीच, किसान नेता गुरनाम सिंह चढूनी और नवीन जयहिंद भी सरपंचों के प्रदर्शन में शामिल होने के लिए पहुंच गए हैं। पंचकूला-चंडीगढ़ बॉर्डर पर पुलिस के रोके जाने के बाद सरपंच वहीं धरने पर बैठ गए हैं। प्रदर्शनकारी सरपंचों ने कहा है कि अब यह धरना तभी उठेगा जब उनकी सभी मांगें मान ली जाएंगीं। उन्होंने ई-टेंडरिंग पर मुख्यमंत्री की हठधर्मिता को जिम्मेदार ठहराया है। चंडीगढ़-पंचकूला बॉर्डर पर प्रदर्शन कर रहे सरपंचों को मनाने की सरकार की कोशिश नाकाम रही। बातचीत के लिए पहुंचे मुख्यमंत्री के ओएसडी भूपेश्वर दयाल के साथ सरपंचों की मीटिंग बेनतीजा रही। ई-टेंडरिंग को लेकर सरपंचों ने सरकार को दो टूक में जवाब दिया कि इस फैसले की वापसी से कुछ भी उन्हें मंजूर नहीं है। सरपंच एसोसिएशन के प्रधान ने बताया कि हजारों की संख्या में लोग पंचकूला के सेक्टर 5 स्थित शालिग्राम ग्राउंड में इकट्ठा हुए जहां से बुधवार दोपहर बाद सभी पैदल मार्च करते हुए सीएम आवास चंडीगढ़ की तरफ बड़े। हालांकि चंडीगढ़-पंचकूला बॉर्डर हाउसिंग बोर्ड से थोड़ा पहले ही पुलिस ने उन्हें रोक लिया। इस दौरान दोनों पक्षों के बीच तीखी झड़प हुई।

तीन हजार नए ...

के लिए प्रत्येक मंदिर को 10 लाख रुपए आवंटित किए हैं। राज्य में 1,330 मंदिरों के निर्माण की शुरुआत के अलावा, इस सूची में अन्य 1,465 मंदिर भी जोड़े गए हैं। इसी तरह कुछ विधायकों के आग्रह पर और 200 मंदिर बनाए जाएंगे। सत्यनारायण ने कहा कि शेष मंदिरों का निर्माण अन्य स्वयंसेवी स्थाओं के सहयोग से किया जाएगा। उपमुख्यमंत्री के अनुसार धर्मादा विभाग के तत्वावधान में 978 मंदिरों का निर्माण तेजी से हो रहा है जबकि प्रत्येक 25 मंदिरों का कार्य एक सहायक अभियंता को सौंपा गया है। कुछ मंदिरों के पुनर्निर्माण और मंदिरों में अनुष्ठानों के लिए आवंटित 270 करोड़ रुपए की राशि में से 238 करोड़ रुपए जारी किए जा चुके हैं। इसी तरह, इस वित्तीय वर्ष में प्रति मंदिर 5,000 रुपए की दर से अनुष्ठानों (धूप दीप नैवेद्यम) के वित्तपोषण के लिए निर्धारित 28 करोड़ रुपए में से 15 करोड़ रुपए खर्च किए गए हैं। सत्यनारायण ने कहा कि धूप दीप योजना के तहत 2019 में 1561 मंदिर पंजीकृत थे अब उनकी संख्या 5,000 हो गई है।

पांच बच्चों के साथ....

सिद्धेश्वर पहुंचा। बच्चों में 3 लड़कियां और 2 लड़के साथ थे। इन सभी के कपड़े नर्मदा नहर की मुख्य कैनाल के पास पड़े मिले। सांचौर सीओ रूपसिंह इंदा ने बताया कि पति-पत्नी के बीच कहासुनी हुई थी। इसके बाद दोनों अपने पांचों बच्चों के साथ घर से निकल गए थे। नाम नहीं छापने की शर्त पर दंपती के एक करीबी ने बताया कि आए दिन उनमें झगड़ा होता था। सोमवार को भी झगड़ा हुआ था। इसके बाद रिश्तेदारों ने समझौता करा दिया था। मंगलवार को दंपती बच्चों के साथ घर से गायब हो गए थे। जहां से वह नहर में कूदे, वहां से 200 मीटर आगे सभी के शव मिले हैं। पुलिस को नहर के बाहर मिले कपड़ों के साथ एक मोबाइल भी मिला है।

बिहार में अश्लील ...

साथ ही ऐसे गानों और उसे सोशल मीडिया पर अपलोड करने वालों के अवैधानिक और अमर्यादित कृत्यों पर निरोधात्मक विधि युक्त कार्रवाई करने का निर्देश दिया गया है। मंत्री ने सदस्यों की इस चिंता पर कि शिकायत के बावजूद दोषियों के विरुद्ध कोई कार्रवाई नहीं होती है, पर स्पष्ट किया कि शिकायत मिलने पर यदि पुलिस कार्रवाई नहीं करेगी तो दोषी पुलिसकर्मी के खिलाफ भी कार्रवाई की जाएगी।

बीबीसी को भारतीय...

बाद विदेश मंत्रालय के सूत्रों ने कहा कि भारत की ओर से सख्त लहजे में स्पष्ट किया गया है कि बीबीसी को भारतीय नियमों और कानूनों का पालन करना होगा। एक अन्य घटनाक्रम में प्रमुख थिंक टैंक सेंटर फॉर पॉलिसी रिसर्च (सीपीआर) को विदेशी चंदा लेने के लिए जारी एफसीआरए लाइसेंस रद्द कर दिया गया है। कुछ समय पूर्व एक अन्य विदेशी गैर-सरकारी संस्था ऑक्सफैम के खिलाफ भी कार्रवाई की गई थी। कूटनीतिक हलकों में माना जा रहा है कि विदेशों से चंदा लेने वाली संस्थाओं के खिलाफ नियामक संस्थाओं की यह कार्रवाई विदेशी सरकारों को संकेत है कि भारत में कार्यरत ऐसी संस्थाओं और एजेंसियों को देश के नियमों और कानूनों के तहत ही काम करना होगा।

पाक ने ही खड़ा...

कि वे तमिल टाइगर्त का मुकाबला करें। उन्होंने कैमरे का सामने माना कि इस खालिस्तान आंदोलन को पाकिस्तान ने खड़ा किया और पूरी दुनिया में इसे पाला-पोसा। बता दें कि आज कनाडा, ब्रिटेन, ऑस्ट्रेलिया, जर्मनी, बेल्जियम जैसे देशों में खालिस्तान के नाम पर जो भी उपद्रव हो रहा है, उसके पीछे पाकिस्तान और उसकी खुफिया एजेंसी आईएसआई का हाथ है। 1980 के दशक में जब पंजाब में अशांति चरम पर थी, तब पाकिस्तान की भूमिका से पूरा भारत परिचित था। ऑपरेशन ब्लू स्टार के जरिए खालिस्तान आंदोलन को तो कुचल दिया गया, लेकिन उसकी लौ लगातार जलती रही। पाकिस्तान जानता है कि वह सीधे तौर पर भारत का मुकाबला नहीं कर सकता। इसलिए वह प्रॉक्सी वॉर के जरिए भारत को नुकसान पहुंचाने की कोशिश कर रहा है। इसमें उसका साथ विदेशों में बैठे कुछ भारत विरोधी तत्व दे रहे हैं। पाकिस्तानी सेना और आईएसआई उन खालिस्तानियों के माध्यम से भारत में हिंसा फैलाने और अशांत करने की साजिश भी रच रही है।

नगालैंड : चुनाव के ...

उपायुक्त को एक शिकायत सौंपकर नकला के एक मतदान केंद्र ए में दोबारा मतदान कराने की मांग की थी, लेकिन जब दोबारा चुनाव की मांग खारिज हो गई तो विरोध शुरू हो गया। स्थिति तब और खराब हो गई जब मंगलवार रात बड़ी संख्या में लोग सड़कों पर उतर आए और प्रदर्शन किया। इस हिंसक विरोध को शांत करने के लिए पुलिस ने हवाई फायरिंग की। इस दौरान एक व्यक्ति की गोली लगने से मौत हो गयी। इलाके में तनाव बना हुआ है और पुलिस बल तैनात है।

जागीरोड में ...

जागरूक होने का आह्वान किया और सभी से एक बेहतर इंसान बनने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि उत्तर-पूर्व का विकास 2014 से ही शुरू हुआ है। जागीरोड कॉलेज परिसर में केंद्रीय मंत्री ने सामाजिक कार्यकर्ताओं, प्रवासी मतदाताओं और क्षेत्र के प्रभावशाली लोगों के साथ एक इंटरेक्टिव सत्र में भाग लिया। मंत्री के साथ असम सरकार के मंत्री पीयूष हजारिका सहित पार्टी के नेता और कार्यकर्ता मौजूद थे।

स्वर्वेद भाष्य

चतुर्थ मंडल **अष्टम अध्याय**

(योगाभ्यास)

नर नारी साधन करे, दोनों एक प्रकार।
विविध निषेध कोइ है नहीं, केवल प्रेम अधार॥ 69॥

शब्दार्थ : (विविध) विधि, नियम (निषेध) प्रतिबंध, मना।

भाष्य : नर-नारी को भक्ति का अधिकार एक समान है, किसी को निषेध का विधान नहीं है। दोनों में प्रेम-भक्ति प्रभु का अनुराग होना चाहिए। दोनों अधिकारी बन सद्गुरु-शरणागत हो प्रभु का भजन करते हैं।

देवन में गुरु देव हैं, मुल पूजा गुरुदेव।
गुणावाद गुरु ध्यान है, वर सेवा गुरु सेव॥ 70॥

शब्दार्थ : (मुल पूजा) प्रधान पूजा (गुणावाद) गुरु-महिमा (वर सेवा) प्रधान सेवा।

भाष्य : देवों में सर्वश्रेष्ठ गुरुदेव हैं और मूल अर्थात प्रधान पूजनीय गुरुदेव हैं। अत्यंत महिमा गुरु की है अत:, गुरु का ही ध्यान है एवं मुख्य सेवा गुरु की ही है। अध्यात्म-क्षेत्र का सर्व प्रकाश अधिष्ठान सद्गुरु हैं।

सद्गुरु शरणागत रहै, शशि चकोर कर ध्यान।
देव सदाफल गुरु कृपा पावे पद निर्वान॥ 71॥

शब्दार्थ : (शशि) चंद्रमा (चकोर) एक पक्षी (पद) स्थान (निर्वान) मोक्ष।

भाष्य : साधक सद्गुरु शरण में रहकर शशि और चकोर की भांति अंतर्ध्यान कर प्रभु में प्रेम लगाता है, तब सद्गुरु की कृपा से परमपद मोक्ष को प्राप्त करता है।

॥ इति स्वर्वेद चतुर्थ मंडल, अष्टम अध्याय भाष्य समाप्त॥

कैबिनेट मंत्री ने गुवाहाटी में जल निकासी चैनलों का किया हवाई सर्वेक्षण

अब दीपर बिल में बेदखली : मंत्री सिंघल

गुवाहाटी (हि.स.)। असम सरकार के आवास एवं शहरी कार्य मंत्री अशोक सिंघल ने बुधवार को गुवाहाटी सिलसाको बिल (झील) समेत गुवाहाटी की विभिन्न नदियों और जलाशयों के जल निवासी चैनलों का हवाई सर्वेक्षण किया। मंत्री ने भरलू, मारा भरलू, बशिष्ठ-बाहिनी नदियों सहित शहर के विभिन्न जल निकासी चैनलों में मिशन फ्लड फ्री गुवाहाटी के काम का भी निरीक्षण किया। सिंघल ने बुधवार सुबह खानापाड़ा के वेटरनरी कॉलेज मैदान में अस्थायी हेलीपैड पर पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि गुवाहाटी शहर को कृत्रिम बाढ़ से मुक्त बनाने के लिए सिलसाको बिल, दीपर बिल और अन्य जलाशयों का संरक्षण बहुत महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि जल्द ही दिपर बिल में भी अतिक्रमण हटाओं अभियान चलाया जाएगा। हालांकि भरलू, बाहिनी आदि नदियों पर अवैध अतिक्रमण के कारण इन जलाशयों की जलधारण क्षमता कम हो गई है, इसलिए बाढ़ मुक्त गुवाहाटी के हित में राजस्व विभाग के सहयोग से ऐसे सभी अतिक्रमणों को बेदखल करने के उपाय किए

जाएंगे और उन्हें सही तरीके से जलाशों के साथ जोड़ा जाएगा। उन्होंने शहर में नदियों और जलाशयों पर व्यापक अतिक्रमण पर चिंता व्यक्त की और कहा कि प्रत्येक गुवाहाटीवासी को अपने शहर को साफ रखने की जिम्मेदारी लेनी चाहिए। उन्होंने कहा कि शहर में कृत्रिम बाढ़ की समस्या का समाधान स्वाभाविक रूप से होगा अगर लोग जागरूक होंगे, नालों में कूड़ा नहीं फेंकेंगे और पानी की नालियां खोलेंगे। गुवाहाटी महानगर विकास प्राधिकरण (जीएमडीए) के अध्यक्ष नारायण डेका, कामरूप (महानगर) जिला उपायुक्त पल्लव गोपाल झा और गुवाहाटी नगर निगम (जीएमसी) के आयुक्त मेघनिधि दहल ने भी आज के हवाई निरीक्षण में भाग लिया। बाद में मिशन फ्लड-फ्री गुवाहाटी के संयोजन के साथ, सिंघल ने आज गुवाहाटी के रुक्मिणीगांव और द्वारका नगर क्षेत्रों में डी-सिल्टिंग कार्यों का भी निरीक्षण किया। कृत्रिम बाढ़ को कम करने के उपाय में, विभाग ने आने वाले मानसून के मौसम से पहले शहर के सभी महत्वपूर्ण नालों, नहरों आदि की सफाई और गाद निकालने का काम तेज कर दिया है। इस निरीक्षण के दौरान आवास एवं शहरी कार्य विभाग के वरिष्ठ अधिकारी भी मंत्री के साथ थे।

प्रतिबंधित याबा टेबलेट समेत एक तस्कर गिरफ्तार

दक्षिण सालमारा (हि.स.)। दक्षिण सालमारा-मानकचार जिला के झालोर इलाके से बीएसएफ की टीम ने प्रतिबंधित याबा टेबलेट समेत एक तस्कर को गिरफ्तार किया है। बीएसएफ सूत्रों ने बुधवार को बताया कि बीती रात मनकचार थाना अंतर्गत दूर काउवहागी गांव निवासी शाह आलम को गुप्त सूचना के आधार पर गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार आरोपी के पास से तलाशी के दौरान बीएसएफ की टीम ने दो पैकेट में छिपाकर रखे गए 370 प्रतिबंधित नशीला याबा टेबलेट, एक पल्सर बाइक, एक मोबाइल फोन के अलावा नगद 720 रुपए जब्त किया। गिरफ्तार आरोपी को प्रतिबंधित याबा टेबलेट समेत बीएसएफ ने कानूनी कार्रवाई के लिए मानकचार पुलिस को सौंप दिया। मानकचार पुलिस घटना के संबंध में एनडीपीएस एक्ट के तहत एक प्राथमिकी दर्ज कर गिरफ्तार तस्कर से सघन पूछताछ कर रही है।

भारत का पहला गौ कुंभ घोड़ामारी में 29 अप्रैल से

गुवाहाटी (निसं)। भारतवर्ष में पहले गौ कुंभ का आयोजन करेगा विहंगम योगा इंस्टीट्यूट ऑफ काउ मैनेजमेंट तेजपुर के पास रंगापाड़ा विधानसभा के घोड़ामारी में महर्षि सदाफलदेव आश्रम में 29 एवं 30 अप्रैल 2023 को आयोजित होने वाले इस दो दिवसीय कुंभ में भारतीय धर्म एवं संस्कृति की अभिन्न अंग गौ के संरक्षण एवं संवर्द्धन के लिए धार्मिक आयोजन के साथ-साथ वेदों में वर्णित गौ आधारित अर्थ व्यवस्था को भी प्रोत्साहित किया जाएगा। विहंगम योग के आचार्य सदगुरुदेव स्वतंत्रदेवजी महाराज का मानना है कि गौ विकास एवं संवर्द्धन तभी संभव है जबकि गौ अपने कामधेनु स्वरूप को फिर से प्राप्त कर स्वालंबी बने और खुद का तथा हम सबका पोषण करे। इस महाआयोजन के लिए गठित पूर्वोतर कुंभ समिति के अध्यक्ष का दायित्व जाने-माने समाजसेवी एवं गौ सेवक सुरेंद्र गोयल को दिया गया है, जबकि कार्यकारी अध्यक्ष नारायण खाखोलिया को बनाया गया है। वहीं असम के लोकप्रिय राजनेता एवं असम सरकार के मंत्री अशोक आनंद सिंघल समिति के मुख्य संरक्षक होंगे तथा वरिष्ठ विधायक पद्म हजारिका, हिंदीभाषी डेवलपमेंट काउंसिल के चैयरमैन जुगलकिशोर पांडे, मदन सिंह, पत्रकार नथमल टिबरेवाल सहित अन्य कइयों को संरक्षक बनाया गया है। कुंभ आयोजन समिति के चेयरमैन का दायित्व तेजपुर के समाजसेवी जुगल डागा एवं महामंत्री का दायित्व निलेश अग्रवाल बगड़िया को सौंपा गया है। स्थानीय विधायक कृष्ण कमल तांती की देखरेख में होने वाले इस गौ कुंभ में मुख्य यजमान समाजसेवी एवं उद्योगपति द्वय कैलाश लोहिया एवं रतन शर्मा होंगे। उल्लेखनीय है कि घोड़ामारी में गौशाला का निर्माण इन्हीं दो महानुभावों को सहयोग से हुआ है। समिति की ओर से प्रचार विभाग संभाल रहे प्रेम झंवर और दिलीप शर्मा ने बताया कि जल्द ही समिति का विस्तार किया जाएगा। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम में शामिल होने के लिए असम के राज्यपाल गुलाबचंद कटारिया, मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा, अभिभावक मंत्री पीयूष हजारिका, सांसद पल्लव लोचन दास के अलावा बहुत से केंद्रीय मंत्रियों, संत-महात्माओं को औपचारिक निमंत्रण भेजा जाएगा।

नेक्सजेन एनर्जी-असम गैस लिमिटेड देश में अक्षय ऊर्जा को मजबूत करने के लिए करेंगे सहयोग

गुवाहाटी। बुधवार को नोएडा स्थित कंपनी नेक्सजेन एनर्जिया के चेयरमैन डॉ पीयूष द्विवेदी के साथ असम गैस लिमिटेड के एमडी गोकुल चंद्र स्वर्गीयरी की मुलाकात हुई। इस दौरान कई मुद्दों कर गहन बात-चित के बाद यह तय हुआ कि भविष्य मे भारत को सक्षम बनाने के लिए नेक्सजेन एनर्जिया और असम गैस लिमिटेड साथ मिल कर काम करेंगे। साथ ही भारतीय नवीकरण ऊर्जा को और मजबूत बनाने के लिए कई महत्वपूर्ण कदम उठाने की बात हुई है, जिसमे नेक्सजेन एनर्जिया एक अहम भूमिका निभाएगा। बायोगैस प्लांट लगाने वाली नेक्सजेन एनर्जिया हाल मे सुर्खियों मे बनी हुई है। बीते कुछ महीनों मे इस कंपनी मे ऊर्जा और पर्यावरण के क्षेत्र मे बहुत ही तेजी से काम किया है। हाल ही मे इस कंपनी ने उत्तर प्रदेश मे 13,900 करोड़ रुपयों के निवेश का ऐलान किया है, जिसके फल स्वरूप भारत मे बायोगैस का उत्पादन अब और तेजी से हो पाएगा। वहीं पैसो के रिटायर्ड ज्वाइंट चीफ़ कंट्रोलर ऑफ एक्सप्लोसिव डॉ एपी सिंह की मौजूदगी में चेयरमैन डॉ पीयूष द्विविदी और एमडी गोकुल चंद्र की एल एन जी और सी एन जी गैस के ख़रीद पर बात-चीत हुई जिसमे रवि लामा और विकास गुप्ता मौजूद थे। असम गैस लिमिटेड के एमडी गोकुल चंद्र स्वर्गीयरी ने सरकार के साथ मिल कर नई तकनीक के साथ ऊर्जा क्षेत्र मे निवेश किया है। इन्होंने वैकल्पिक ऊर्जा मे काम करने का ऐलान करते हुए नेक्सजेन एनर्जिया के साथ भी अग्रीमेंट करने कि बात की है। इससे भारत को ऊर्जा के क्षेत्र मे एक नई उचाई मिलेगी।

गुवाहाटी और रांची के बीच चलेगी साप्ताहिक स्पेशल ट्रेन

गुवाहाटी (हि.स.)। पूर्वोत्तर सीमा रेल (पूसीरे) ने 4 मार्च से 16 अप्रैल तक गुवाहाटी और रांची के बीच दोनों दिशाओं में 7 ट्रिपों के लिए एक साप्ताहिक स्पेशल ट्रेन का परिचालन करने का निर्णय लिया है। साथ इलाके में अवसंरचनात्मक विकास कार्यों के लिए कई ट्रेनों को रद्द और पुनर्निर्धारित किया है। पूसीरे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी सब्यसाची डे ने बुधवार को एक बयान में बताया है कि खगड़िया- अलौली खंड के बीच नई एकल लाइन शुरू करने के लिए पूर्व मध्य रेलवे के सोनपुर मंडल अंतर्गत खगड़िया स्टेशन पर प्री-नॉन इंटरलॉकिंग और नॉन-इंटरलॉकिंग कार्यों को देखते हुए कुछ ट्रेनों को रद्द और पुनर्निर्धारित किया गया है। उन्होंने बताया कि ट्रेन संख्या 05671/05672 गुवाहाटी-रांची- गुवाहाटी साप्ताहिक स्पेशल (वाया ग्वालपाड़ा टाउन) 7 ट्रिपों के लिए चलेगी। ट्रेन संख्या 05671 गुवाहाटी- रांची साप्ताहिक स्पेशल गुवाहाटी से प्रत्येक शनिवार को 11.40 बजे प्रस्थान होकर रांची अगले दिन 14.25 बजे पहुंचेगी। यह ट्रेन 4 मार्च से 15 अप्रैल तक चलेगी। ट्रेन संख्या 05672 रांची- गुवाहाटी साप्ताहिक स्पेशल प्रत्येक रविवार को रांची से 20.30 बजे प्रस्थान होकर गुवाहाटी अगले दिन 23.45 बजे पहुंचेगी। यह ट्रेन 5 मार्च से 16 अप्रैल तक चलेगी। इस स्पेशल ट्रेन में 20 कोच होंगे। यात्रियों के लिए एसी 2-टीयर, एसी 3-टीयर, स्लीपर क्लास और जनरल सेकेंड क्लास की व्यवस्था होंगी। इस रूट के अन्य ट्रेनों की प्रतीक्षा सूची वाले यात्री इस अवसर का लाभ उठा सकते हैं। उन्होंने बताया कि ट्रेन संख्या 03316/03315, 05263/05264, 05249/05250 समस्तीपुर- कटिहार- समस्तीपुर मेमू और 05249/05250 कटिहार- बरौनी जं.- कटिहार मेमू 4 और 5 मार्च को रद्द रहेंगी। उन्होंने बताया कि ट्रेन संख्या 15909 (डिब्रूगढ़- लालगढ़) अवध असम एक्सप्रेस 4 मार्च को डिब्रूगढ़ से 10.20 बजे के बजाय पुनर्निर्धारित समय 11.50 बजे प्रस्थान करेगी। ट्रेन संख्या 04653 (न्यू जलपाईगुड़ी- अमृतसर) एक्सप्रेस 3 मार्च को न्यू जलपाईगुड़ी से 7 बजे के बजाय पुनर्निर्धारित समय 09.10 बजे प्रस्थान करेगी।

रनदिया शतदल साहित्य सभा का अंतरंग कार्यक्रम

रंगिया (निसं)। एक मां का उचित मार्गदर्शन बच्चे को ईमानदार रख सकता है। सभी माताओं को भी अपनी माताओं के प्रति कृतज्ञ होना चाहिए। आप अपने बच्चों का चेहरा देखकर संतुष्ट नहीं नहीं हो सकते-यह कथन श्रीमंत शंकरदेव के नवनिर्वाचित पदाधिकारी तथा शिक्षा विद भवेंद्र नाथ डेका का है। सोमवार को रंगिया के रनदिया शतदल साहित्य सभा के इस महीने के विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित होकर रंगिया महाविद्यालय के पूर्व प्राचार्य तथा श्रीमंत शंकरदेव के नवनिर्वाचित पदाधिकारी भवेंद्र नाथ डेका ने सभी साहित्यप्रेमी लोगों के बीच यह बात कही। सचिव हेमंत कलिता द्वारा संचालित इस कार्यक्रम में डेका ने अपने बचपन, जवानी और शिक्षा जीवन के बारे में बताया। कार्यक्रम में सभा के अध्यक्ष प्रतुल भुइयां, सांस्कृतिक कर्मी पंकज पल्लव शर्मा, उपाध्यक्ष जतिन चंद्र डेका, आजीवन सदस्य नवीन चंद्र दास, पार्थप्रतिम शर्मा, पत्रकार तापस सम्मादार, नासिउर रहमान, खाईरुल हुसैन, लेखिका रुनुमी दत्त डेका, शिक्षयित्री वृंद क्रमश: मामोनी लहकर, रीता पासोनी, मनालिसा गोश्वामी, सविता बर्मन मजूमदार, गयारानी डेका, विपुल काकोती, निरंजन डेका, हीरकज्योति कलिता सहित अनेक साहित्य प्रेमियों ने भाग लिया। उल्लेखनीय है कि मुख्य अतिथि भवेंद्रनाथ डेका ने रनदिया साहित्य सभा के इस कार्यक्रम की बहुत ही प्रशंसा की।

बाल विवाह पर जागरूकता बैठक आयोजित

नगरबेड़ा (निसं)। कामरूप जिले के बोको विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत नगरबेड़ा में छमरिया विकास खंड अधिकारी के कार्यालय सभाकक्ष में नगरबेड़ा राजस्व सर्किल के अंतर्गत आने वाले ग्रामों के बाल विवाह जागरूकता एवं चिकित्सा एवं खंड विकास विभाग की समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। छमरिया क्षेत्रीय पंचायत के अध्यक्ष रफीकुल इस्लाम की अध्यक्षता में नगरबेड़ा राजस्व सर्किल की क्षेत्राधिकारी बनश्री मालाकार ने बैठक का उद्देश्य बताया। बैठक में मुख्य अतिथि जिले की अतिरिक्त उपायुक्त सुजाता गोगोई ने कहा कि बाल विवाह समाज में एक भयानक बीमारी है। हमें किसी भी तरह से समाज से इस बीमारी को दूर करना है। हमें इसके प्रति सतर्क रहना होगा और इस जानलेवा बीमारी को दूर करने में सभी को सहयोग करना होगा। अतिरिक्त उपायुक्त ने आगे कहा कि यदि किसी लड़की की शादी कम उम्र में हो जाती है, तो वह किसी भी कीमत पर स्वस्थ बच्चे को जन्म नहीं दे सकती है। नतीजतन, हमें एक स्वस्थ समाज नहीं मिल पाता है। जब कम उम्र में शादी हो जाती है मातृ रक्तहीनता में भुगतना पड़ता है बोल के अपने भाषण में उन्होंने उल्लेख किया। सभा में जिले शिशु सुरक्षा अधिकारी मालबिका कलिता, सहयोगी आयुक्त निशा मनि कलिता, छयगांव पुलिस चक्र अधिकारी सुभान चंद्र दास, नगरबेड़ा राजह चक्र अधिकारी बनश्री मालाकार, छमरीया खन्ड उन्नयन अधिकारी दिप्त कान्त चामुवा, छमरीया संहत शिशु विकास प्रकल्प अधिकारी आबु मुस्तफा आरश्वेद हुचेईन, छमरीया खन्ड प्राथमिक शिक्षा अधिकारी नित्य प्रसाद महंत, नगरबेड़ा आंचलिक मौजा कमिटी के प्रमुख उदय शंकर मेधि,आमार प्रयाश गोष्ठी का परिचालन संचालक आनोवार हुसैन अन्यों ने बाल विवाह संदर्भ में भाषण प्रदान किया। सभा में विभिन्न विभाग का अधिकारी-कर्मचारी, पंचायत प्रतिनिधि और गांव रक्षा बाहिनी के साथ साथ अन्य बहुत गन्य मान्य व्यक्ति मौजुद रहे।

आईटीबीपी के जवान ने की आत्महत्या

तिनसुकिया (हि.स.)। आईटीबीपी के एक जवान ने तिनसुकिया जिले के दुमदुमा कस्बे में आत्महत्या कर ली। उसने मंगलवार रात को सर्विस रायफल से खुद को गोलीमार ली। बुधवार को उसका शव पोस्टमार्टम के लिए तिनसुकिया सिविल अस्पताल भेजा गया। आत्महत्या करने वाले सिपाही की पहचान हरियाणा निवासी अशोक कुमार के रूप में हुई है। जवान अशोक कुमार दुमदुमा शहर के एविएशन रिसर्च सेंटर (एआरसी) में तैनात थे। हालांकि, उन्होंने आत्महत्या क्यों की। इस बारे में कोई जानकारी नहीं मिली है। पुलिस के जांच अधिकारी ने इसकी जानकारी दी और कहा कि हरियाणा में उनके परिवार को घटना की जानकारी दे दी गई है। अगर परिवार का कोई सदस्य आता है तो अशोक कुमार का शव उन्हें सौंप दिया जाएगा।

कामरूप जिले के 44 शिक्षकों को सेवानिवृत्ति पत्र वितरित

रंगिया (निसं)। सामाजिक विकास की नींव कक्षा में रखी जाती है, संसद में नहीं। कामरूप जिले के शिक्षा विभाग के 44 शिक्षकों और कर्मचारियों को सेवानिवृत्ति के अगले दिन पेंशन की सुविधा प्रदान करने के लिए कामरूप जिले के एकीकृत उपायुक्त कार्यालय के सभागार में आयोजित एक बैठक में भाग लेते हुए विशिष्ट शिक्षाविद तथा समालोचक डॉ. दयानंद पाठक ने यह बात कही। उन्होंने कहा कि अगर हम हमेशा अपने आप को किसी सकारात्मक चीज में शामिल नहीं कर सकते हैं, तो हम समाज से अलग-थलग पड़ जाएंगे। उन्होंने कहा कि सेवानिवृत्ति की बात आपेक्षिक है। सेवानिवृत्ति एक नौकरी से अवसर है लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि दूसरे कार्य करने पर रोक है। उन्होंने कामरूप जिले के शिक्षा विभाग की इस सकारात्मक पहल की सराहना करते हुए कहा कि शिक्षकों के प्रति समाज और सरकार का नजरिया बदला है।

एक समय था जब शिक्षक और कर्मचारी अपनी पेंशन के लिए विभाग दर विभाग भटकते थे, आज सरकार ने गामोछा से उनका स्वागत करते हुए सेवानिवृत्ति लाभ प्रदान करने की व्यवस्था की है। सभा को संबोधित करते हुए, प्रख्यात शिक्षाविद् परेश वैश्य ने कहा कि सेवानिवृत्त जीवन का आनंददायक रूप से काटने का सबसे अच्छा तरीका रचनात्मक कार्यों में खुद को शामिल करना है। उन्होंने सेवानिवृत्त शिक्षकों व कर्मचारियों से जिले की वेस्पा योजना का लाभ उठाने का आग्रह किया। सभा को संबोधित करते हुए कामरूप जिला के सूचना एवं जनसंपर्क अधिकारी बंकिम भागवती ने कहा कि सेवानिवृत्त शिक्षकों और कर्मचारियों को समाज की सकारात्मक गतिविधियों में खुद को शामिल करना चाहिए। उन्होंने कहा कि मानव कल्याण के लिए सेवा करना ही ईश्वर की सेवा करना है। कार्यक्रम के उद्घाटन पर बोलते हुए कामरूप जिले के विद्यालय निरीक्षक अपूर्ब ठाकुरिया ने कहा कि वर्ष 2019 दिसंबर से जिले में सेवानिवृत्ति के दिनों में सेवानिवृत्ति की सुविधा प्रदान की जा रही है। उन्होंने सेवानिवृत्ति लाभ के इस दिन को एक खुशी के दिन के रूप में चिन्हित किया। उन्होंने सेवानिवृत्त शिक्षकों और कर्मचारियों को सभी आवश्यक सहायता प्रदान करने का वादा किया। कार्यक्रम में सेवानिवृत्त शिक्षकों और कर्मचारियों ने भी भाग लिया, जिन्होंने पेंशनरों के लिए वर्तमान सरकार द्वारा प्रदान की जाने वाली सुविधाओं की सराहना की।

हमें कम उम्र में और भाषाएं सीखनी चाहिए : शिक्षा मंत्री पेगू

कोकराझाड़ (हि.स.)। असम के शिक्षा मंत्री डॉ. रनोज पेगू ने असम के छात्रों से अधिक भाषाएं सीखने का आग्रह किया, ताकि वे आज के प्रतिस्पर्धी युग में अधिक लाभप्रद स्थिति में हो सकें। डॉ. पेगू कोकराझाड़ में बोडोलैंड विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित पहले बोडोलैंड अंतर्राष्ट्रीय ज्ञान महोत्सव तीसरे दिन बुधवार को कहां की बोडोलैंड टेरिटोरियल रीजन (बीटीआर) सरकार ने इस उत्सव को आयोजित करने के लिए सक्रिय सहयोग दिया है। पेगू ने एसएमसी, एसएमडीसी, माता-पिता, शिक्षकों और छात्रों के साथ हितधारकों के सत्र में सभा को संबोधित करते हुए कहा कि अपनी मातृभाषा में पढ़ाई करना अच्छा है। हम इसकी सुविधा दे रहे हैं, लेकिन कम उम्र में अधिक भाषाएं सीखने में कोई बुराई नहीं है। वास्तव में, आज के प्रतिस्पर्धी युग में और भारत जैसे बहुभाषी देश में, अपनी मातृभाषाओं के अलावा और अधिक भाषाओं को सीख कर हमारे छात्र लाभप्रद स्थिति में हो सकते हैं। विद्यार्थियों से कहा कि भाषा एक कौशल है। साथ ही कहा, अधिक भाषाएं सीखने से किसी की मातृभाषा को चोट नहीं पहुंचेगी। हमें अधिक भाषाएं सीखने के साधनों को अवरुद्ध नहीं करना चाहिए। विशेषज्ञों की राय है कि युवा दिमाग आसानी से कई भाषाएं सीख सकते हैं। यह उनके पास स्वाभाविक रूप से आता है। यह उन पर अतिरिक्त दबाव नहीं है। तो, इसे सकारात्मक मानसिकता के साथ देखना चाहिए। हमें भाषा के मुद्दे को भावनात्मक रूप से नहीं देखना चाहिए। अगर मैं बोडो मीडियम में पढ़ रहा हूं तो ठीक है। लेकिन अगर मैं एक ही समय में असमिया, हिंदी और अंग्रेजी सीखता हूं, तो यह मेरे लिए अतिरिक्त योग्यता और लाभ है। डॉ. पेगू ने कहा कि मातृभाषा अपने स्थान पर सुरक्षित रहेगी। शिक्षा मंत्री ने कहा कि सरकार धीरे-धीरे अगले शिक्षा सत्र से बोडो माध्यम के हाई स्कूलों को हायर सेकेंडरी स्कूलों में बदलने का काम कर रही है। उन्होंने कहा कि छठी अनुसूची वाले क्षेत्रों जैसे बीटीआर, कार्बी आंगलोंग और डिमा हसाउ में उच्च प्राथमिक और निम्न प्राथमिक विद्यालयों के लिए अलग-अलग टेट परीक्षा आयोजित की जाएगी। उन्होंने कहा कि इसके लिए विज्ञापन अगले दो से तीन दिनों के भीतर जारी किए जाएंगे और मुझे लगता है कि यह प्रक्रिया इस साल मई के भीतर पूरी हो जाएगी। इसके बाद बीटीआर में शिक्षकों की कमी की समस्या का समाधान किया जाएगा। शिक्षा मंत्री ने नई शिक्षा नीति (एन ई पी) पर भी बात की उन्होंने कहा कि हम कौशल प्रशिक्षण को शिक्षा का अभिन्न अंग बनाना चाहते हैं। हम स्कूलों में कौशल प्रशिक्षण को शामिल करने के लिए काम कर रहे हैं और हम शिक्षा प्रणाली के पुनर्निर्माण के लिए काम कर रहे हैं। पेगू ने शिक्षा विभाग के शिक्षकों और कर्मचारियों से अपनी मानसिकता को सकारात्मकता की ओर बदलने का आग्रह करते हुए कहा, हमें आपके समर्थन की जरूरत है। इसके अलावा, उन्होंने असम के विभिन्न हिस्सों में आईटीआई स्थापित करने के लिए सरकार द्वारा उठाए जा रहे कदमों के बारे में जानकारी दी। बोडोलैंड अंतर्राष्ट्रीय ज्ञान महोत्सव में पूरे भारत और दुनिया भर के विभिन्न देशों के विद्वानों, शोधकर्ताओं, पत्रकारों, विशेषज्ञों, राजनयिकों और छात्र भाग ले रहे हैं। इस अवसर पर बीटीआर के मुख्य कार्यकारी पार्षद प्रमोद बोडो ने कहा कि वे बोडोलैंड को ज्ञान साझा करने वाले बुद्धिमान लोगों के एक नए स्थान में बदलना चाहते हैं। हम सभी पहलुओं में सीखना और विकास करना चाहते हैं। मुझे उम्मीद है कि यह उत्सव हमें अपने लक्ष्यों तक पहुंचने में मदद करेगा। इससे पहले, महोत्सव का उद्घाटन सोमवार को नोबेल पुरस्कार विजेता प्रोफेसर मुहम्मद यूनुस, पद्मश्री पुरस्कार से सम्मानित परोपकारी और हीरा निर्यातक सावजी भाई ढोलकिया, एसईसीएमओएल के संस्थापक सोनम वांगचुक, बॉलीवुड अभिनेता और परोपकारी विवेक ओबेरॉय सहित कई गणमान्य लोगों की उपस्थिति में हुआ था।

SHORT RE-TENDER NOTICE

Office Order No. 100 **Date. 1-3-2023**

Sealed tenders in prescribed form affixing Court fee stamp of Rs.8.25 (Rupees eight and paisa twenty five) only are hereby invited from the Govt. registered Contractors/Firms according to their limits of eligibility for execution of following works.

Implementation of Infrastructural Activities under APFBC Scheme, Sivasagar Division (T), Sivasagar

Sl. No.	Particulars of wok	Estimated cost including GST and other taxes	Earnest money	Location
1	Construction of 1 (one) no. Forester quarter	Rs. 14,00,000.00	2% of estimated value for General and 1% of estimated value for SC/ ST/OBC/ MOBC Caste	Under Sonari Range

The tender will be received in the office of the undersigned on all working days up to 3.00 PM (IST) of **22-3-2023** and will be opened on the same day at the same place at 4.00 PM in presence of the willing tenderer or their authorized agent who wish to attend the same. In the event of unusual occurrence due to Strike, Bandh, Holiday etc; the same will be received on the next working day upto the same time and be opened at 4.00 PM.

Details particulars of the works may be seen in the office of the undersigned during office hour and Tender Paper may be obtained with effect from **2-3-2023 up to 3.00 pm of 22-3-2023** during all office working days.

The acceptance of the tenders and the issue of work order is subject to release of fund by the Govt. of Assam / Competent authority without hereby incurring any liabilities to the affected tenderers or any obligation to inform the affected tenderer of the grounds.

Divisionat Forest Officer
Sivasagar Division (T)
Sivasagar

-- Janasanyog /C/21515/22

बजट में शहरी नियोजन और बुनियादी ढांचे के विकास पर विशेष फोकस : प्रधानमंत्री मोदी

नई दिल्ली, (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को कहा कि अमृत काल के केंद्रीय बजट में शहरी नियोजन और बुनियादी ढांचे के विकास पर विशेष ध्यान दिया गया है। भारत के तेजी से शहरीकरण के साथ भविष्य के बुनियादी ढांचे का निर्माण करना महत्वपूर्ण है। प्रधानमंत्री ने बुधवार वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से ह्यशहरी योजना, विकास और स्वच्छता' विषय पर बजट बाद वेबिनार को संबोधित किया। बजट उपरांत वेबिनार की श्रृंखला में प्रधानमंत्री का यह छठा कार्यक्रम है। प्रधानमंत्री ने कहा कि यह दुर्भाग्य की बात है कि आजादी के बाद हमारे देश में कुछ ही सुनियोजित शहरों का निर्माण हुआ। उन्होंने कहा- ह्लये दुर्भाग्य रहा कि आजादी के बाद हमारे देश में एक्का-दुक्का ही नियोजित शहर बने। आजादी के 75 वर्षों में देश में 75 नए और बड़े नियोजित शहर बने होते तो आज भारत की तस्वीर कुछ और ही होती। हमारी सरकार ने अपने प्रत्येक बजट में शहरी विकास पर विशेष ध्यान दिया है। वर्तमान बजट ने एक महत्वपूर्ण आवंटन को मंजूरी दी है और मुझे पूरी उम्मीद है कि यह देश में एक महान शहरी नियोजन की शुरूआत करेगा। प्रधानमंत्री ने कहा 21वीं सदी में जिस तरह भारत तेज गति से विकास कर रहा है, आने वाले समय में अनेकों नए शहर बनने वाले हैं। ऐसे में भारत में अर्बन डेवलपमेंट के दो प्रमुख पक्ष हैं। नए शहरों का विकास और पुराने शहरों में पुरानी व्यवस्थाओं का आधुनिकीकरण करना। उन्होंने शहरी नियोजन और विकास के लिए तीन फोकस क्षेत्र बताए। पहला-राज्यों में शहरी नियोजन पारिस्थितिकी तंत्र को कैसे मजबूत किया जाए। दूसरा- निजी क्षेत्र में उपलब्ध विशेषज्ञता का शहरी नियोजन में कैसे सही इस्तेमाल हो। तीसरा- ऐसे उत्कृष्टता का केंद्र कैसे विकसित किए जाएं जो शहरी नियोजन को एक नए स्तर पर लेकर जाएं। प्रधानमंत्री ने कहा कि अमृतकाल में शहरी नियोजन ही हमारे शहरों का भाग्य निर्धारित करेगी। उन्होंने कहा- ह्लअमृत काल में शहरी नियोजन ही हमारे शहरों का भाग्य निर्धारित करेगी और भारत के सुनियोजित शहर ही भारत के भाग्य को निर्धारित करेंगे। जब प्लानिंग बेहतर होगी तभी हमारे शहर जलवायु लचीला और जल सुरक्षित बनेंगे ह्व प्रधानमंत्री ने कहा कि हमारे शहर क्लाइमेट रेजिलिएंट और वाटर सिक्योर तभी बनेंगे जब प्लानिंग बेहतर होगी। हमारी सरकार ने अपने प्रत्येक बजट में शहरी विकास पर विशेष ध्यान दिया है। वर्तमान बजट में इसके लिए महत्वपूर्ण राशि स्वीकृत की गई है और मुझे पूरी उम्मीद है कि यह देश में एक अच्छी योजना और एक सुव्यवस्थित शहरी क्षेत्र की शुरूआत करेगा। प्रधानमंत्री ने कहा कि आज भारत सर्कुलर इकोनॉमी को शहरी नियोजन का बड़ा आधार बना रहा है। हमारे देश में हर दिन हजारों टन नगर निगम का अपशिष्ट पैदा होता है। 2014 में देश में सिर्फ 14-15 प्रतिशत अपशिष्ट प्रसंस्करण होती थी, आज 75 प्रतिशत अपशिष्ट प्रक्रिया हो रहा है। अगर ये पहले हो गया होता तो हमारे शहरों के किनारे कूड़े के पहाड़ न होते।

वीडियो लीक होने पर सुकेश ने एलजी को लिखा पत्र

राकेश शर्मा

नई दिल्ली। ठगी के मामले में मंडोली जेल में बंद सुकेश चंद्रशेखर ने उपराज्यपाल (एलजी) विनय कुमार सक्सेना को एक बार फिर चिट्ठी लिखी है। उसने इस बार एलजी से जेल का वीडियो लीक होने के मामले में शिकायत की है। सुकेश का आरोप है कि दो जेल अधिकारियों ने इस वीडियो को लीक किया है, जिसमें वह धमकी देते और परेशान करते हुए नजर आ रहे हैं। साथ ही सुकेश ने इन दोनों जेल अधिकारियों को 5.50 लाख रुपये रिश्वत देने का भी आरोप लगाया है। उपराज्यपाल को लिखी चिट्ठी में सुकेश ने कहा है कि तीन-चार दिन पहले एक सीसीटीवी फुटेज जारी किया गया, जिसमें कुछ जेल अधिकारी उसके बैरक का निरीक्षण करने के लिए पहुंचे थे। उसने आरोप लगाया कि यह वीडियो असिस्टेंट सुपरिटेंडेंट दीपक शर्मा और डिप्टी सुपरिटेंडेंट जयसिंह ने लीक किया है। इस वीडियो में दीपक शर्मा और जयसिंह सुकेश को परेशान करते हुए

दिखाई दे रहे हैं। उसने कहा कि जेल में जांच होना एक रूटीन प्रोसेस है। दीपक शर्मा और जयसिंह ने जांच के अगले दिन सुकेश को कहा कि तुमने सत्येंद्र जैन को सपोर्ट किया अब तुम्हारी बारी है। हम वीडियो पब्लिक डोमेन में जारी कर देंगे। इसके बाद मैंने अलग-अलग, अथॉरिटी न्यायालय और एलजी कार्यालय को शिकायत दी है। उल्लेखनीय है कि सुकेश रसूखदार लोगों को राजनीतिक मदद पहुंचाने के नाम पर करोड़ों रुपये की ठगी के मामले में लंबे समय से जेल में बंद है। इस मामले में सुकेश के साथ कई बॉलीवुड अभिनेत्रियां भी जांच के घेरे में है। अभिनेत्री नोरा फतेही ने जहां सरकारी गवाह बनने की अर्जी दी है, वहीं अभिनेत्री जैकलिन फर्नांडीस ईडी द्वारा दाखिल किए गए आरोप पत्र में मुख्य आरोपित है। फॉर्टिस हेल्थ केयर के प्रमोटर सिंह बंधुओं को जेल से रिहा करने के नाम पर व अन्य कई लोगों से ठगी करने के मामले में सुकेश जेल में बंद है।

महंगाई ने डाला होली के रंग में भंग, घरेलू रसोई गैस के 50 रुपये तो कॉमर्शियल गैस सिलेंडर के 350 रुपए बढ़े दाम

नई दिल्ली (ईएमएस)। सरकारी तेल कंपनियों ने घरेलू गैस सिलेंडर के दाम बढ़ाकर होली के रंग में भंग डालने का काम किया है। त्योहार आने से ठीक पहले रसोई गैस सिलेंडर ने महंगाई की आग भड़का दी है। घरेलू बाजार में बुधवार सुबह रसोई गैस सिलेंडर के दाम 50 रुपये बढ़ गए हैं। सरकारी तेल कंपनियों ने कॉमर्शियल गैस सिलेंडर की कीमतों में भी बढ़ोतरी की है। कॉमर्शियल सिलेंडर 350.50 रुपये महंगा हो गया है। सरकारी तेल कंपनियों की ओर से जारी 14.2 किलोग्राम वाले रसोई गैस सिलेंडर की कीमतों में बुधवार को 50 रुपये की बढ़ोतरी की गई। राजधानी दिल्ली में घरेलू रसोई गैस सिलेंडर का दाम अब 1103 रुपये पहुंच गया है। पहले यहां 1053 रुपये में सिलेंडर मिलता था। घरेलू सिलेंडर की कीमतों में करीब 8 महीने बाद बढ़ोतरी की गई है। इससे पहले 6 जुलाई 2022 को घरेलू गैस सिलेंडर के दाम बढ़ाए गए थे। मुंबई में रसोई गैस सिलेंडर 1052.50 रुपये के बजाए अब 1102.5 रुपये में मिलेगा। कोलकाता में भी एलपीजी सिलेंडर 1079 रुपये से बढ़कर 1129 पहुंच गया है। वहीं चेन्नई में 1068.50 रुपये की जगह 1118.5 रुपये में घरेलू गैस सिलेंडर बिक रहा है। भोपाल में घरेलू गैस की कीमत

1108.50 रुपए हो गई है। सरकारी तेल कंपनियों ने 19 किलोग्राम वाले कॉमर्शियल सिलेंडर के दाम भी 350 रुपये से ज्यादा बढ़ा दिए हैं। दिल्ली में अब कॉमर्शियल सिलेंडर 1769 रुपये के बजाए 2119.50 रुपये में मिलेगा।

कोलकाता में 1870 रुपये में मिल रहा कॉमर्शियल सिलेंडर अब 2221.50 रुपये में मिलेगा। मुंबई में अभी तक 1721 रुपये में मिल रहा कॉमर्शियल गैस सिलेंडर अब 2071.50 रुपये में मिलेगा। चेन्नई में भी अब तक 1917 रुपये में मिल रहा कॉमर्शियल गैस सिलेंडर अब बढ़कर 2268 रुपये में पहुंच गया है। सरकारी तेल कंपनियों ने 1 मार्च से नई दरें लागू कर दी हैं, लेकिन यूपी में अभी रसोई गैस की कीमतों में बढ़ोतरी नहीं दिख रही। राजधानी लखनऊ में 14.2 किलोग्राम वाले रसोई गैस सिलेंडर की कीमत 1090.50 रुपये ही दिख रही, जबकि नोएडा में भी रसोई गैस 1050.50 के पुराने रेट पर ही मिल रहा। हालांकि, जयपुर में यह बढ़कर 1106.50 रुपये, पटना में 1201 रुपये, 1111.50 रुपये और बैंगलोर में 1105.50 रुपये पहुंच गया है। अगर एलपीजी सिलेंडर के खपत की बात की जाए तो सबसे ज्यादा इस्तेमाल रसोई में होता है। सरकारी तेल कंपनियों की रिपोर्ट के मुताबिक, 2021-22 में एलपीजी की 90 फीसदी खपत रसोई में हुई, जबकि 8 फीसदी इंडस्ट्रियल यूज रहा। इसके अलावा वाहनों में भी 2 फीसदी एलपीजी सिलेंडर का इस्तेमाल किया गया। सरकार उज्ज्वला योजना के तहत करीब 8 करोड़ लाभार्थियों को सालभर में 12 सिलेंडर सब्सिडी पर मुहैया कराती है।

सिसोदिया और जैन का विकेट लेने के बाद बीजेपी छेड़ेगी डोर टु डोर कैंपेन

अजय त्यागी

नई दिल्ली। दिल्ली शराब घोटाले मामले को लेकर आजकल दिल्ली की सियासत गरमाई हुई है। सीबीआई की कस्टडी में आए दिल्ली के डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया ने मंगलवार को अपने पद से इस्तीफ दे दिया है। वहीं मनी लॉन्ड्रिंग मामले में तिहाड़ जेल में बंद आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता और दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र जैन का भी इस्तीफ हो गया है। उधर शराब घोटाले मामले में सिसोदिया को सुप्रीम कोर्ट से भी कोई राहत नहीं मिली है। सुप्रीम कोर्ट ने सिसोदिया को जमानत देने से इनकार कर दिया है। इस बीच आप के खिलाफ बीजेपी का रुख और ज्यादा आक्रामक हो गया है। बीजेपी ने ऐलान किया है कि वह आम आदमी पार्टी के खिलाफ लोगों को घर-घर जाकर जागरूक करेगी। बीजेपी का कहना है कि आप ने नई शराब नीति के जरिए दिल्ली के युवाओं को नशे की ओर डायवर्ट किया। बीजेपी का कहना है कि आप ने युवाओं को नशे की लत लगाकर उनके भविष्य को खतरें में डाल दिया है। दिल्ली के युवाओं को जागरूक करना बहुत जरूरी है। बीजेपी के वरिष्ठ नेता रविशंकर प्रसाद ने कटाक्ष करते हुए कहा कि अन्ना हजारे के महान शिष्य

मनीष सिसोदिया को भ्रष्टाचार के मामले में सुप्रीम कोर्ट ने कोई राहत नहीं दी इसका सीधा अर्थ है कि जाओ और कानून के रास्ते से आओ। प्रसाद ने शराब घोटाले को करप्शन का टेक्स्ट बुक केस बताते हुए कहा कि सुप्रीम कोर्ट से मनीष सिसोदिया को कोई राहत नहीं मिली और ठीक नहीं मिली।

जिन लोगों ने भ्रष्टाचार के नाम पर लड़ाई करते हुए एक नैतिक बल बनाने का दावा किया था। उन लोगों ने सरकार में आने के बाद दिल्ली में शराब के ठेके बढ़ाए शराब पीने की उम्र घटा दी 100 करोड़ का मुनाफा ले लिया। इन लोगों ने स्कूल खोलने का वादा कर लोगों को शराब पिलाया। प्रसाद ने अन्ना हजारे के आंदोलन की विरासत को बदनाम करने का आरोप लगाते हुए कहा कि मनीष सिसोदिया और अरविंद केजरीवाल दावा करते थे कि वे देश में पारदर्शिता की प्रतिमूर्ति हैं लेकिन उन्होंने अन्ना हजारे के ईमानदार आंदोलन की विरासत को बदनाम किया है। उन्होंने इस घोटाले के लिए सीधे तौर पर दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को जिम्मेदार ठहराते हुए यह भी कहा कि दिल्ली सरकार में केजरीवाल से पूछे बिना कोई मंत्री काम करने की हिम्मत कर सकता है क्या? अब तो पंजाब की सरकार भी उनसे पूछ कर ही काम करती है। आप पर हमला जारी रखते हुए प्रसाद ने आगे कहा कि उन्हें लगता था कि कट और कमीशन एक ही पार्टी की विरासत है लेकिन आज तो यह कहना पड़ेगा कि 3 सी यानी कट कमीशन और करप्शन केजरीवाल की पार्टी के लिए भी है।

कर्नाटक में आप को झटका, भास्कर राव भाजपा में शामिल

बेंगलुरु, (हि.स.)। बेंगलुरु के पूर्व पुलिस आयुक्त और कर्नाटक में आम आदमी पार्टी (आआपा) प्रमुख चेहरा भास्कर राव बुधवार की सुबह भारतीय जनता पार्टी में शामिल हो गए। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष नलिन कुमार कटील ने उन्हें सदस्यता प्रदान की। भास्कर राव के इस फैसले को आम आदमी पार्टी के लिए राज्य में बड़ा झटका माना जा रहा है। भाजपा में शामिल होने के बाद भास्कर राव ने कहा कि आम आदमी पार्टी के नेता कहते कुछ हैं और करते कुछ हैं। यह बहुत ही शर्मनाक है कि दिल्ली में आम आदमी पार्टी सरकार के दो मंत्री जेल में हैं।

उन्होंने कहा कि उनकी कोई महत्वाकांक्षा नहीं हैं। वह भारतीय जनता पार्टी में सामान्य कार्यकर्ता के रूप में शामिल हुए हैं।

दिलीप घोष का दावा : हर एक कॉलेज से होती थी शिक्षक नियुक्ति के नाम वसूली

कोलकाता, (हि.स.)। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष और बंगाल भाजपा के पूर्व अध्यक्ष दिलीप घोष ने बुधवार को नियुक्ति भ्रष्टाचार को लेकर राज्य सरकार पर गंभीर आरोप लगाए हैं। न्यू टाउन के इको पार्क में मॉर्निंग वॉक करने पहुंचे दिलीप घोष ने कहा कि राज्य के प्रत्येक कॉलेज से शिक्षक नियुक्ति के नाम पर वसूली होती थी जो सरकार में शामिल शीर्ष लोगों की जेब में जाती थी। दरअसल एर दिन पहले विभास अधिकारी के घर ईडी ने छापेमारी की थी। उसने दावा किया था कि सारे रुपये प्राथमिक शिक्षा परिषद के पूर्व अध्यक्ष माणिक भट्टाचार्य के घर पहुंचाए जाते थे। इससे अलावा उसने यह भी दावा किया था कि वह भाजपा के वरिष्ठ नेता कैलाश विजयवर्गीय का करीबी है इसलिए उसे फंसाया जा रहा है। इस संबंध में दिलीप घोष ने कहा कि एजेंटों के माध्यम से सभी कॉलेजों से रुपये की वसूली होती थी। यह कई सालों तक चला है। आज सीबीआई और न्यायालय है तो एक के बाद एक राज खुल रहे हैं नहीं तो लोगों को पता ही नहीं चलता। अब देखा जाए कि कितनी दूर तक भ्रष्टाचार का जाल फैला है। कैलाश विजयवर्गीय से विभास अधिकारी के करीबी संबंधों के बारे में टिप्पणी करते हुए घोष ने कहा कि मीडिया को जाकर देखना चाहिए कि विभास अधिकारी का आश्रम कहां है और वहां किस तरह का काम होता है। यह भी जांच का विषय है।

सिसोदिया के इस्तीफे के बाद उनके विभाग संभालेंगे कैलाश गहलोत और राजकुमार आनंद

अजय कुमार

नई दिल्ली। मनीष सिसोदिया के इस्तीफे के बाद उनके अधीन आने वाले तमाम विभाग को फिलहाल दो मंत्रियों में बांट दिया गया है। वहीं इस बार आबकारी विभाग को अन्य बताते हुए इसकी जिम्मेदारी मंत्री कैलाश गहलोत को दी गई है। वित्त विभाग की जिम्मेदारी भी गहलोत के पास रहेगी। इस लिहाज से करीब-करीब माना जा रहा है कि नए वित्त वर्ष के लिए दिल्ली विधानसभा में कैलाश गहलोत ही बजट पेश करेंगे। दिल्ली सरकार के मंत्रिमंडल में शामिल कैलाश गहलोत फिलहाल मनीष सिसोदिया द्वारा देखे जाने वाले आठ महत्वपूर्ण विभाग देखेंगे। जबकि दिल्ली कैबिनेट में शामिल नए मंत्री राजकुमार आनंद 10 विभागों का कार्यभार संभालेंगे। वहीं दिल्ली सरकार अभी कैबिनेट का विस्तार नहीं कर रही है। इस कारण यह दोनों मंत्री ही मनीष सिसोदिया के विभागों को देखेंगे, ताकि कामकाज किसी तरह प्रभावित ना हो। मनीष सिसोदिया के पास कई महत्वपूर्ण विभाग थे, लेकिन शिक्षा विभाग से

उनका खासा लगाव था तो अब यह राजकुमार आनंद बतौर मंत्री इसे देखेंगे। मनीष सिसोदिया आबकारी नीति में फंसे हैं और अभी सीबीआई की गिरफ्त में हैं। दिल्ली सरकार द्वारा विभागों की जो सूची जारी की गई है, उसमें आबकारी विभाग का जिक्र नहीं है। कैलाश गहलोत को जो भी विभाग दिए गए हैं। उसके अंत में अन्य वह विभाग का जिक्र कर कैलाश गहलोत को देखने के लिए कहा गया है।

कैलाश गहलोत आठ विभागों का संभालेंगे अतिरिक्त कार्यभार - वित्त विभाग, योजना विभाग, लोक निर्माण विभाग, ऊर्जा, गृह विभाग, शहरी विकास विभाग, बाढ़ एवं सिंचाई नियंत्रण विभाग और जल मंत्रालय।

राजकुमार आनंद संभालेंगे 10 विभागों का कार्यभार - शिक्षा विभाग, भूमि एवं संपदा, सतर्कता विभाग, सेवा विभाग, पर्यटन विभाग, कला एवं संस्कृति विभाग, श्रम विभाग, रोजगार विभाग, स्वास्थ्य विभाग और उद्योग विभाग शामिल है।

सुप्रीम कोर्ट राजस्थान में इंटरनेट शटडाउन मामले पर होली के बाद करेगा सुनवाई

नई दिल्ली, (हि.स.)। सुप्रीम कोर्ट राजस्थान में स्कूल शिक्षक भर्ती परीक्षा आयोजित करने के लिए जयपुर और दूसरे स्थानों पर हाल ही में इंटरनेट सेवाओं को निलंबन के आदेश को देखते हुए इंटरनेट शटडाउन के व्यावहारिक कार्यान्वयन पर दिशा-निर्देश जारी करने की मांग पर होली के बाद सुनवाई करेगा। आज याचिकाकर्ता और वकील विशाल तिवारी ने चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली बेंच के समक्ष मेंशन करते हुए इस मामले पर सुनवाई की मांग की, जिसके बाद कोर्ट ने होली के बाद सुनवाई करने का आदेश दिया। याचिका में कहा गया है कि इंटरनेट शटडाउन मौलिक अधिकारों का हनन है। याचिका में कहा गया है कि राजस्थान में 25 से 27 फरवरी तक राजस्थान के कई जिलों में इंटरनेट शटडाउन किया गया था। जिसकी वजह से अदालतों का काम प्रभावित हुआ। साथ ही आपातकालीन कार्य भी प्रभावित हुए। इस याचिका में सभी राज्यों को पक्षकार बनाते हुए कहा गया है कि राज्य सरकार सुप्रीम कोर्ट के अनुराधा भसीन फैसले का पालन करें। अनुराधा भसीन के आदेश में कहा गया कि शटडाउन के लिए कोई तार्किक आधार होना चाहिए। याचिका में कहा गया है कि इस तरह का प्रतिबंध लगाना अफसरों की परीक्षा आयोजित करने की अक्षमता को दशार्ता है। इस तरह का प्रतिबंध लगाना जरूरी नहीं है। अवैध तरीके से इंटरनेट शटडाउन जनता के जरुरी कामों में बाधा डालता है।

भविष्य की बेहतर दिल्ली के लिए मास्टर प्लान-2041 के ड्राफ्ट को एलजी ने दी मंजूरी

आशीष वर्मा

नई दिल्ली। राजधानी के विकास और उसकी तरक्की के लिए दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) के अध्यक्ष व उपराज्यपाल (एलजी) वीके सक्सेना ने मास्टर प्लान-2041 के ड्राफ्ट को मंजूरी दी है। एलजी की अध्यक्षता में मंगलवार को हुई बोर्ड बैठक में यह निर्णय लिया गया। इस दौरान जहां झुग्गी वहां मकान के तहत इन सीटू पुनर्वास योजना के लिए महिला लाभार्थियों को संबंधित दिशा-निदेशों में ढील देने का भी फैसला लिया गया। साढ़े तीन घंटे से अधिक समय तक चली बैठक में एलजी ने कहा कि मास्टर प्लान-2041 के ड्राफ्ट में समावेशी विकास पर्यावरणीय स्थिरता ग्रीन इकोनमी आधारिक संरचना के विकास पर जोर दिया गया जिसमें समाज के सभी वर्गों के लिए पर्याप्त आवास टीओडी हब लैंड पूलिंग हरित क्षेत्र का विकास शहर का कायाकल्प और पुनरोद्धार जैसी

नई परिकल्पनाएं शामिल हैं। इसके अलावा मास्टर प्लान में आईटी/साइबर हब ज्ञान आधारित उद्योगों और दिल्ली में अनुसंधान एवं विकास सुविधाओं जैसी स्वच्छ अर्थव्यवस्थाओं को बढ़ावा देने के साथ नाइट इकोनमी के विकास के लिए भी प्रविधान है। डीडीए मास्टर प्लान में लैंड पूलिंग और रिजेनरेशन के माध्यम से निजी भागीदारी से आवास की आपूर्ति को बढ़ावा देना चाहता है। मास्टर प्लान में कंप्रिहेंसिव रिवर डेवलपमेंट प्लान के तहत यमुना व उसके बाढ़ क्षेत्रों का कायाकल्प किया जाएगा। इसके अलावा हेरिटेज जोन व आर्कियोलाजिकल पार्क सांस्कृतिक क्षेत्रों की सीमा तय की गई है। इसमें 25 से 60 वर्गमीटर के स्माल फार्मेट हाउसिंग को भी बढ़ावा दिया गया है। इसके अलावा सरकारी व निजी क्षेत्रों की मदद से अफोर्डेबल रेंटल हाउसिंग काम्प्लेक्स को बढ़ावा देने का प्रविधान इस इस मास्टर प्लान का प्रमुख हिस्सा है। औद्योगिक प्लाट पर वर्कर हाउसिंग पर भी काफी जोर दिया जाएगा।

सुक्खू सरकार ने पलटा एक और फैसला, एसडीएम और एडीएम को नहीं मिलेंगे पीएसओ

शिमला, (हि.स.)। हिमाचल प्रदेश की माली हालत को पटरी पर लाने के लिए कांग्रेस की सुखविंदर सिंह सुक्खू सरकार ने पूर्व भाजपा सरकार के एक और फैसले को पलट दिया है। सुक्खू सरकार ने अनावश्यक खर्चे कम करने के लिए एसडीएम और एडीएम की सुरक्षा में कटौती करने का निर्णय लिया है। इन पदों पर तैनात आईएएस व एचएएस अधिकारियों को अब निजी सुरक्षा अधिकारी (पीएसओ) नहीं मिलेंगे। प्रदेश सरकार ने डीजीपी को सभी एसडीएम और एडीएम की सुरक्षा में तैनात पीएसओ को हटाने के आदेश दिए हैं। इसके अलावा मुख्यमंत्री के बेड़े से भी पुलिस वाहन हटाए जाएंगे। मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने वीआइपी मूवमेंट के दौरान अनावश्यक तौर पर उपयोग होने वाले वाहनों की संख्या घटाने का भी निर्देश दिया है। सामान्य प्रशासन और पुलिस को वाहनों की संख्या कम करने के लिए कहा गया है।

जयराम राज में एसडीएम को मिला था पीएसओ रखने का अधिकार - पूर्व की भाजपा सरकार ने अपने कार्यकाल के अंतिम वर्ष एसडीएम के साथ पीएसओ नियुक्त करने का निर्णय लिया था। लेकिन सुक्खू सरकार को पूर्व सरकार का यह फैसला रास नहीं आया है। मुख्यमंत्री के प्रधान मीडिया

सलाहकार नरेश चौहान ने एसडीएम व एडीएम के निजी सुरक्षा अधिकारियों को हटाने की पुष्टि की है। उनका कहना है कि पूर्व भाजपा सरकार ने एसडीएम व एडीएम को भी पीएसओ देने का फैसला लिया था। इन अधिकारियों को पीएसओ देने का कोई औचित्य नहीं रह गया है। लिहाजा इस फैसले को बदल दिया है। राज्य सरकार वीवीआईपी सुरक्षा में कटौती करेगी।

प्रदेश में हैं 72 उपमंडल - दरअसल प्रदेश में 72 उपमंडल हैं और अधिकांश एसडीएम के पास पीएसओ हैं। सरकार का मानना है कि हिमाचल देश भर में शांत प्रदेश है और इन अधिकारियों को सुरक्षा देना तर्कसगंत नहीं है। इससे फिजूलखर्ची कम होगी और थानों में मैनपावर भी बढ़ेगी। मुख्यमंत्री सुक्खू खुद कह चुके हैं कि विधायक रहते हुए उन्होंने एक भी पीएसओ नहीं लिया था। सतापक्ष के कई विधायक राजेश धमार्णी, विनोद सुल्तानपुरी, अजय सोलंकी और मुख्य संसदीय सचिव संजय अवस्थी पीएसओ लेने से इंकार कर चुके हैं।

हिमाचल पर 75 हजार करोड़ से ज्यादा कर्ज का बोझ - काबिलेगौर है कि हिमाचल प्रदेश कर्ज के बोझ तले दबा है। राज्य पर 75 हजार करोड़ से अधिक का ऋण है। मौजूदा सुक्खू सरकार तीन महीने में लगभग 3000 करोड़ ऋण ले चुकी है। मौजूदा सरकार राज्य की खस्ता माली हालत के लिए पिछली सरकार को जिम्मेदार ठहरा रही है।

काशी में छह मार्च को होलिका दहन, सात मार्च को खेली जाएगी होली

– देश के अन्य हिस्सों में होली आठ मार्च को, सड़कों पर होलिका का चंदा मांगने लगे युवा

वाराणसी, (हि.स.)। धर्म नगरी काशी में इस बार प्रदोष काल व्यापिनी पूर्णिमा में होलिका दहन छह मार्च को किया जायेगा। होलिका दहन के दूसरे दिन ही चौसठ्ठी देवी की यात्रा की परंपरा होने के कारण होली का त्योहार काशी में सात मार्च को मनाया जायेगा। वहीं, देश के अन्य हिस्सों में होली आठ मार्च को मनाई जाएगी। ज्योतिषविद आचार्य दैवज्ञ कृष्ण शास्त्री के अनुसार फाल्गुन शुक्ल पूर्णिमा छह मार्च की शाम को 4:18 बजे से लगेगी और सात मार्च की शाम को 5:30 बजे समाप्त हो रही है। ऐसे में प्रदोष काल व्यापिनी पूर्णिमा में होलिका दहन छह मार्च को ही किया जाएगा। पूर्णिमा के साथ भद्रा होने के कारण होलिका दहन का मुहूर्त रात्रि में 12:23 बजे से 1:35 बजे तक मिलेगा। पूर्णिमा सात मार्च को समाप्त होने के बाद चैत्र कृष्ण प्रतिपदा शाम को शुरू हो रही है । लेकिन होली उदया तिथि में मनाने का शास्त्रीय विधान है। ऐसे में देश के अन्य हिस्सों में आठ मार्च को होली मनाई जाएगी।

होलिका दहन के समय परिक्रमा करने का विधान – होलिका दहन के समय होलिका के परिक्रमा का विधान भी है। होलिका के चारों ओर तीन या सात बार परिक्रमा करते हुए कच्चे सूत को लपेटना चाहिए। इसके बाद होलिका की भस्म मस्तक पर लगाने से माना जाता है कि आरोग्य लाभ के साथ सुख-समृद्धि मिलती है। होलिका दहन से पहले होलिका का पूजन भी किया जाता है।

राशि के हिसाब से खेले होली, ग्रह दोष से मुक्ति मिलने के साथ लाभकारी भी होगा – ज्योतिष में राशि के हिसाब से रंग और गुलाल खेलना शुभ माना जाता है। ज्योतिषविद मनोज पाठक बताते हैं कि अपनी राशि के अनुसार रंगों का इस्तेमाल करने से ग्रह-दोष से मुक्ति मिलती है। हर राशि का एक स्वामी होता है, जिसे भाने वाले रंग से होली खेलकर जातक शुभ प्रभाव पाते हैं। उन्होंने बताया कि मेष और वृश्चिक राशि वालों को लाल, केसरिया, सिन्दूरी रंग गुलाल गुलाल से होली और गुलाल खेलना चाहिए। मेष राशि के स्वामी मंगल हैं और मंगल के शत्रु शनि माने जाते हैं। ऐसे में मेष राशि वालों को होली खेलते समय काले और नीले रंग से दूर रहना चाहिए। इसी तरह वृश्चिक राशि के स्वामी मंगल हैं।

मंगल राशि वालों के लिए लाल रंग से होली खेलना लाभकारी होगा। इसी तरह वृष व तुला राशि वालों को सफेद चमकीला गुलाल रंग से होली खेलनी चाहिए। तुला राशि के स्वामी शुक्र हैं। तुला राशि वालों को सफेदा का इस्तेमाल करने के बाद होली खेलना चाहिए। वृष राशि के भी स्वामी शुक्र हैं और शुक्र एक चमकीला ग्रह है। इसलिए वृष राशि वालों को सफेद रंग से होली खेलनी चाहिए। मिथुन व कन्या राशिवालों को हरे अबीर गुलाल से रंग खेलना चाहिए। मिथुन राशि के स्वामी बुध माने जाते हैं, इसलिए बुध ग्रह वालों को हरे रंग से होली खेलनी चाहिए। मनोज पाठक बताते हैं कि कन्या राशि के स्वामी बुध हैं। ऐसे में कन्या राशि वालों के लिए भी हरे रंग से होली खेलना लाभकारी होगा। कर्क राशिवालों को श्वेत चूर्ण गुलाल हल्का चमकीला रंग से होली खेलना चाहिए। कर्क राशि का स्वामी चंद्रमा हैं, जो जल के प्रतीक भी माने जाते हैं। कर्क राशि वालों को होली खेलते समय पानी का इस्तेमाल ज्यादा से ज्यादा करना चाहिए। सिहं राशि के जातकों के स्वामी सूर्य हैं और सूर्य की ऊर्जा प्राप्त करने के लिए सिंह राशि वालों को लाल, गुलाबी, नारंगी जैसे रंगों से होली खेलनी चाहिए। काले, नीले रंग से सिंह राशि वालों को दूर रहना चाहिए। इसी तरह धनु और मीन राशि वालों को पीला रंग के गुलाल और रंग से होली चाहिए। धनु राशि के स्वामी गुरु बृहस्पति हैं। धनु राशि वालों के लिए पीले रंग, केसर के रंग से होली खेलना लाभकारी होगा। मीन राशि के स्वामी बृहस्पति हैं। मीन राशि वालों को प्राकृतिक रंगों के साथ पीले रंग से होली खेलना लाभकारी होगा। मकर एवं कुंभ राशि के जातकों को काला नीला एवं भूरा गुलाल और रंग से होली खेलना चाहिए। मकर राशि के स्वामी शनि हैं। शनिदेव को खुश करने के लिए मकर राशि वालों को काले और नीले रंग से होली खेलना लाभकारी होता है। इसी तरह कुंभ राशि के जातकों के स्वामी शनिदेव हैं, कुंभ राशि वालों को नीले और काले रंग से होली खेलना लाभकारी होगा। ज्योतिषविद मनोज पाठक बताते हैं कि हर राशि का एक स्वामी होता है और उसको एक खास रंग पसंद होता है। ऐसे में उसी खास रंग या गुलाल से होली खेलकर शुभ फल पा सकते हैं।

मायावती दलित व महिला विरोधी, दोहरे चेहरे का समझ चुकी है जनता : स्वाती सिंह

– पूर्व मंत्री ने मायावती के ट्वीट का दिया करारा जवाब, मोदी व योगी को बताया, दलित व महिला हितैषी

लखनऊ, (हि.स.)। बसपा प्रमुख मायावती हमेशा से दलित और महिला विरोधी हैं। वे सिर्फ समाज में दिखावा करती हैं। क्या वे बता सकती हैं कि अपने पूरे कार्यकाल में किसी दलित को आगे बढ़ाया या किसी महिला को आगे बढ़ाने का काम किया। दलित समाज को आगे बढ़ाने का काम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने किया है। ये बातें पूर्व मंत्री स्वाती सिंह ने कही। वे बुधवार को मायावती द्वारा ट्वीट कर भाजपा को दलित विरोधी बताये जाने पर प्रतिक्रिया दे रही थीं। उन्होंने कहा कि मायावती का ही कार्यकाल था, जब उनके द्वारा भेजे गये गुंडों ने हमारे और हमारी नाबालिग बेटी पर हमला बोला था। क्या वे भूल गयीं, जब उनके गुर्गों ने हमें घर में कैदकर ईंट-पत्थर चलाए थे और उन्होंने उन्हें रोकने के लिए एक शब्द भी कहना उचित नहीं समझा।

स्वाती सिंह ने कहा कि मायावती के दोहरे चेहरे को जनता समझ गयी है। अब उनके छलावे में नहीं आने वाली है। यही कारण है कि कभी जनता को छलावे में रखकर विधानसभा में पूर्ण बहुमत की सरकार बनाने वाली मायावती का मात्र एक विधायक विधानसभा में बचा है। आने वाले दिनों में उनकी पार्टी शून्य पर चली जाएगी। यह बता दें कि बसपा प्रमुख मायावती ने बुधवार को दोपहर चार ट्वीट किये। उन्होंने पहले ट्वीट में लिखा, ह्यकांग्रेस पार्टी द्वारा रायपुर अधिवेशन में जातीय जनगणना व प्राइवेट सेक्टर में आरक्षण आदि को लेकर कही गई बातें छलावा तथा घोर चुनावी स्वार्थ की इनकी राजनीति नहीं तो और क्या है, क्योंकि सत्ता में होने पर कांग्रेस ठीक इसका उलटा ही करती है। बीजेपी का भी रवैया ऐसा ही छलावापूर्ण। दूसरे ट्वीट में लिखा, ह्लसाथ ही, प्रोन्नति में आरक्षण के चर्चित व महत्वपूर्ण मुद्दे को लेकर कांग्रेस व भाजपा द्वारा सपा को आगे करके सम्बंधित बिल को संसद में पारित नहीं होने देने के जातिवादी षडयंत्र को भला कौन भुला सकता है, जिसका अति-दुःखद व दुर्भाग्यपूर्ण परिणाम इन वर्गों को आजतक भुगतना पड़ रहा है। भाजपा नेता स्वाती सिंह ह्हिन्दुस्थान समाचारह्व से वार्ता में इसी का जवाब दे रही थीं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और योगी आदित्यनाथ हमेशा सर्वजन हिताय की चिंता करते हैं। यूपी में हुए इंवेस्टर समिट से विपक्ष घबरा गया है। उसको समझ में नहीं आ रहा है कि जनता को कैसे भड़काया जाए। इस कारण विपक्षी तमाम अनर्गल मुद्दों को उठाने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन वे कामयाब नहीं हो पाएंगे।

कोल्ड स्टोर में अमोनिया का रिसाव, दो श्रमिक बेहोश

फतेहपुर, (हि.स.)। जिले में बुधवार की बीती रात एक कोल्ड स्टोर में अमोनिया गैस का अचानक गैस रिसाव शुरू को गया। जिससे कोल्ड स्टोर में रहने वाले दो मजदूर उसकी चपेट में आकर बेहोश हो गये। जानकारी मिलते ही जिले के आलाधिकारी मय फोर्स के मौके पर पहुँच किसी तरफ गैस रिसाव को बंद कर स्थित में काबू पाया और राहत की सांस ली। इसके पूर्व सावधानी के तौर पर आसपास के लोगों से घर खाली कराया गया और उन्हें सुरक्षित जगह भेजा गया। बेहोश दोनों मजदूरों को जिला अस्पताल भेजा गया। थरियांव थाना क्षेत्र के बहरामपुर गांव स्थित शंकर बरदानी कोल्ड स्टोर में आज देर रात करीब पौने 12 बजे सिलेंडर से अचानक अमोनिया गैस का रिसाव शुरू हो गया। गैस रिसाव से आस-पास निवासियों के बीच अफरा तफरी मच गई। कोल्ड स्टोर परिसर में निवास करने वाले मजदूर में से काजल पुत्री श्याम किशोर तथा राम सिंह गैस रिसाव की चपेट में आकर बेहोश हो गये। दोनों श्रमिकों को पुलिस ने बाहर निकालकर जिला अस्पताल भेजा। गैस रिसाव की जानकारी आलाधिकारियों को हुई तो जिलाधिकारी श्रुति, पुलिस अधीक्षक राजेश कुमार सिंह, उप जिलाधिकारी अवधेश निगम, क्षेत्राधिकारी दिनेशचंद्र मिश्रा, थरियांव थानाध्यक्ष आशुतोष सिंह, असोथर थाना पुलिस और फतेहपुर व खागा से दमकल की गाड़िया बुलाई गई। असोथर रोड के दोनों तरफ का 500 मीटर का क्षेत्र खाली कराया गया है। उप जिलाधिकारी ने बताया कि कोल्ड स्टोर में अमोनिया गैस के रिसाव से आसपास के क्षेत्र में गैस की बदबू जब बाशिंदों को महसूस हुई तो क्षेत्रीय लोगों प्रशासन को जानकारी दी। सावधानी के तौर पर घर खाली कर दूर सुरक्षित स्थानों पर जाने को कहा गया और तकनीकी टीम बुलाकर शीघ्र ही रिसाव पर काबू पा लिया गया। स्थिति पूरी तरह से नियंत्रण में है।

सिलेंडर के दाम बढ़ाकर भाजपा सरकार ने लगाया अप्रत्यक्ष कर : अखिलेश यादव

लखनऊ, (हि.स.)। घरेलू और कामर्शियल सिलेंडर के दाम बढ़ाए जाने पर समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भारतीय जनता पार्टी सरकार को निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि सिलेंडर के दाम बढ़ाकर भाजपा ने खाने पर अप्रत्यक्ष कर लगाया है। अखिलेश यादव ने अपने आधिकारिक ट्वीटर हैंडल से ट्वीट कर कहा कि भाजपा घरेलू व कामर्शियल सिलेंडर के दाम बढ़ाकर खाने पर अप्रत्यक्ष कर लगा रही है। कामर्शियल सिलेंडर के दाम बढ़ने से हर तरह का उत्पादन महंगा होगा, लागत बढ़ेगी तो उत्पादों के दाम भी बढ़ेंगे। सपा अध्यक्ष ने कहा कि इससे खासा असर नौकरीपेशा और जो बच्चे बाहर से मंगाए टिफिन और खाने पर निर्भर करते हैं, ये उनकी जेब पर भी डाका है।

सिलेंडर के दाम बढ़ाने पर चाचा शिवपाल ने कसा तंज – सपा नेता शिवपाल यादव ने सिलेंडर के दामों की वृद्धि पर भाजपा सरकार पर तंज कसा है। उन्होंने अपने ट्वीटर हैंडल से पोस्ट कर कहा कि एक तरफ तो यूपी में घरेलू बिजली दरों में 18 से 23 फीसदी के वृद्धि प्रस्ताव को मंजूरी दे दी गई है, दूसरी तरफ होली से पहले घरेलू एलपीजी गैस सिलेंडर में 50 रुपये की बढ़ोत्तरी व कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर में करीब 350 रुपये की बढ़ोत्तरी हुई है। भाजपा सरकार मतलब आम आदमी की जिंदगी दुश्वार!

जी-20 की बैठक दो-तीन मार्च को, बैठक के लिए रांची तैयार

रांची, (हि.स.)। झारखंड की राजधानी रांची में जी-20 (दुनिया के विकासशील और विकसित देशों का संगठन) की बैठक दो मार्च को होटल रेडिशन ब्लू में होने वाली है। इसमें विभिन्न देशों के 20 और भारत से एक प्रतिनिधि सहित इन देशों से जुड़े करीब 60 लोग शामिल होंगे। जी-20 की बैठक में भाग लेने के लिए मंगलवार रात पहले डेलिगेट ब्राजील के डॉक्टर फेलिप सिल्वा बेल्लूसी रांची पहुंच चुके हैं। आज शेष डेलिगेट रांची पहुंचेंगे। जी-20 के प्रतिनिधियों की सुरक्षा को लेकर एनएसजी की टीम रांची पहुंची है। एनएसजी की टीम ने एयरपोर्ट से लेकर रांची के सभी बड़े होटलों का जायजा लिया। एनएसजी की टीम ने रांची एसएसपी और डीसी से मिलकर सुरक्षा व्यवस्था को लेकर विचार-विमर्श किया। जी-20 समिट में कोई अनहोनी ना हो इसको लेकर लगातार सिक्योरिटी मॉक ड्रिल किया जा रहा है। जी-20 की बैठक में शामिल मेहमानों के लिए रेडिसन ब्लू होटल में ठहरने का प्रबंध किया गया है। विदेशी मेहमानों को कोई परेशानी न हो इसके लिए होटल स्टाफ को जरूरी गाइडलाइन दिये गये है। गाइडलाइन में बताया गया है कि किसी भी अनजान व्यक्ति को होटल में प्रवेश नहीं दिया जाएगा और मेहमानों के साथ किस तरीके से पेश आना है, इसके बारे में बताया गया है। रांची एसएसपी किशोर कौशल ने बताया कि जी-20 की बैठक को लेकर शहर की सुरक्षा व्यवस्था बढ़ा दी गयी है। एयरपोर्ट से लेकर सभी बड़े होटल के आसपास त्रिस्तरीय सुरक्षा व्यवस्था होगी। इस व्यवस्था पर पुलिस पदाधिकारी नजर बनाए हुए हैं। पांच आईपीएस समेत 1000 से अधिक जवान सुरक्षा व्यवस्था संभाल रहे हैं।

राज्य के सभी तालाब अतिक्रमण मुक्त होंगे, सरकार एक सर्वे भी कराएगी : मंत्री

रांची, (हि.स.)। झारखंड विधानसभा के बजट सत्र के तीसरे दिन बुधवार को मंत्री सत्यानंद भोक्ता ने कहा कि राज्य के सभी तालाब अतिक्रमण मुक्त होंगे। इसे लेकर सरकार एक सर्वे भी कराएगी। जल संचयन के लिए यह बेहद ही जरूरी है। उन्होंने कहा कि रांची के तकरीबन 62 तालाबों को चिन्हित किया गया है। प्रदीप यादव ने पूछा था कि क्या सरकार टास्क फोर्स का गठन कर तालाबों को अतिक्रमण से मुक्त कराना चाहती है। उन्होंने कहा कि अतिक्रमण से वर्षा जल का संचयन नहीं हो पा रहा है, जिसके कारण जलस्तर काफी नीचे भाग रहा है। स्पीकर रबिन्द्र नाथ महतो ने इस मामले में हस्तक्षेप करते हुए मंत्री से सर्वे कराकर पूरे राज्य की तालाबों को अतिक्रमण मुक्त करने कहा, जिसपर मंत्री ने सहमति दी।

शिक्षकों की बहाली करे सरकार : विनोद सिंह –विनोद कुमार सिंह ने शिक्षकों की बहाली को लेकर सदन में मुद्दा रखा। उन्होंने कहा कि जल्द से जल्द प्राथमिक स्कूलों में शिक्षकों को बहाल किया जाए।

नियोजन नीति के मुद्दे पर विधानसभा के मुख्य द्वार पर विपक्षी विधायकों का प्रदर्शन

रांची, (हि.स.)। झारखंड विधानसभा के बजट सत्र के तीसरे दिन बुधवार को भी विपक्ष के विधायकों ने विधानसभा के मुख्य द्वार पर प्रदर्शन किया। युवाओं को रोजगार दो नहीं तो गद्दी छोड़ दो, भीख नहीं रोजगार चाहिए के नारे लगाए गए। विपक्ष के मुख्य सचेतक बिरंची नारायण ने कहा कि राज्य के नौजवान और युवाओं से कोई मतलब नहीं है। अपनी झोली कैसे भरें इसपर हेमंत सरकार काम कर रही है।

उन्होंने कहा कि अब मुख्यमंत्री राज्य के युवाओं के बीच नियोजन नीति को लेकर सर्वे करा रही है। सर्वे की जो रिपोर्ट आई है उसमें यह साफ है कि राज्य के युवाओं ने पूर्व की रघुवर सरकार की नियोजन नीति को सही करार दिया है। यह सर्वे हेमंत सरकार के मुंह पर तमाचा है। उन्होंने कहा कि तीन वर्षों तक इस सरकार ने राज्य के युवाओं को झांसे में रखा है। सवाल यह उठता है कि उन युवकों का क्या होगा जो तीन वर्ष से नौकरी की आस में अपनी ऐज लिमिट क्रॉस कर गए हैं। भाजपा राज्य सरकार से मांग करती है कि सर्वे में जो रिपोर्ट सामने आई है उसके आधार पर नियोजन नीति लाये और इस दौरान जी युवाओं का एज लिमिट क्रॉस कर गया है उन्हें भी आयु सीमा का लाभ दें। उन्होंने सरकार से आयु सीमा 40 वर्ष करने की मांग की। उल्लेखनीय है कि राज्य सरकार का स्पष्ट मानना है कि 1932 के खतियान आधारित नियोजन नीति एवं पिछड़े वर्ग को 27 प्रतिशत आरक्षण देने के विषय को संविधान की 9वीं अनुसूची का संरक्षण मिल जाने के बाद ही बहाल किया जाए। राज्यपाल द्वारा यह प्रस्ताव वापस कर दिए जाने के बाद राज्य सरकार ने भारत सरकार की 'मिनी रत्न' कंपनी को रायशुमारी का जिम्मा सौंपा। कुल 7,33,921 लोगों की राय ली गई। इसमें 73 प्रतिशत युवाओं ने 2016 से पहले वाली नियोजन नीति के आधार पर नियुक्ति प्रक्रिया शुरू करने पर सहमति जताई है।

राज्य के चिकित्सक 24 घंटे के कार्य बहिष्कार पर

रांची, (हि.स.)। राज्य में लगातार हो रहे चिकित्सकों पर हमले को लेकर इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आईएमए) और झारखंड स्वास्थ्य सेवा संघ (झासा) के संयुक्त आह्वान पर राज्यभर के चिकित्सकों ने बुधवार को स्वास्थ्य सेवाओं को ठप कर दिया है। हालांकि, इमरजेंसी सेवा और इंडोर में भर्ती मरीजों के इलाज को हड़ताल से बाहर रखा गया है। यह कार्य बहिष्कार गुरुवार की सुबह छह बजे तक रहेगी। एसोसिएशन के सदस्यों ने रिम्स, सदर अस्पताल और निजी अस्पतालों में पहुंचकर ओपीडी को बंद कराया और रिम्स हॉल के समक्ष धरने पर बैठे हैं। आईएमए के सचिव डॉ प्रदीप कुमार सिंह ने कहा कि चिकित्सकों पर हो रहे हमले को लेकर पूरे चिकित्सक समाज में आक्रोश है। राज्य में विकट परिस्थिति बन गयी है। उन्होंने कहा कि हजारीबाग, पेटरवार, गोड्डा, लोहरदगा, गढ़वा और रांची में भी हाल के दिनों में चिकित्सकों के साथ मारपीट की घटनाओं को अंजाम दिया गया है। हड़ताल करने की हमारी इच्छा नहीं है लेकिन जब सरकार ने चिकित्सकों का सुद नहीं लिया तब मजबूरन हमें ऐसा कदम उठाना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि जब 23 राज्यों में मेडिकल प्रोटेक्शन एक्ट लागू है तो फिर झारखंड में क्यों नहीं? डॉ प्रदीप ने कहा कि यदि ऐसी स्थिति बनी रही तो भविष्य में राज्य भर की चिकित्सा व्यवस्था ठप हो जायेगी। इसकी सारी जवाबदेही सरकार की होगी।

बिहार में कांग्रेस की भारत जोड़ो यात्रा में प्रियंका गांधी होंगी शामिल

पटना, (हि.स.)। बिहार में होली के बाद शुरू हो रही कांग्रेस की भारत जोड़ो यात्रा में राहुल गांधी की जगह कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा के शामिल होने की उम्मीद है। होली के बाद बिहार प्रदेश कांग्रेस कमेटी के आखिरी चरण की भारत जोड़ो यात्रा शुरू होगी। यह यात्रा पटना के फुलवारी शरीफ से शुरू होकर बोधगया पहुंचेगी। इससे पहले राहुल गांधी के बिहार आने की बात कही जा रही थी। प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय सदाकत आश्रम में प्रदेश अध्यक्ष डॉ. अखिलेश प्रसाद सिंह की अध्यक्षता में हुई बैठक में पदयात्रा के तीसरे चरण पर चर्चा हुई। बैठक में प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि प्रियंका गांधी की तरफ से कार्यक्रम में शामिल होने के स्पष्ट संकेत मिले हैं। बिहार के लोग भी लम्बे अरसे से प्रियंका गांधी को देखना और सुनना चाहते हैं। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि, भारत जोड़ो यात्रा के लिए संबंधित जिला व प्रखंड अध्यक्षों समेत प्रदेश स्तर के नेताओं की जिम्मेदारी भी तय कर दी गई है। पूर्व में इस यात्रा का चौथा चरण 25-26 फरवरी से प्रस्तावित था लेकिन पार्टी का राष्ट्रीय महाधिवेशन छत्तीसगढ़ में होने कारण चौथे चरण की यात्रा की तिथि को विस्तार दिया गया। राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा की तर्ज पर बिहार कांग्रेस ने भी पदयात्रा शुरू की, इसके दो चरण पूरे हो चुके हैं। यात्रा की शुरूआत 5 जनवरी को बांका के मंदार पर्वत से हुई थी। यात्रा का समापन मार्च में गया जिले के बोधगया में होना है।

पटना हाई कोर्ट के न्यायाधीश अनिल उपाध्याय का निधन

पटना, (हि.स.)। पटना हाई कोर्ट के न्यायाधीश अनिल कुमार उपाध्याय का बुधवार सुबह निधन हो गया। वे किडनी की समस्या से पीड़ित थे और उनका इलाज चल रहा था। उन्होंने चेन्नई में अंतिम सांस ली। अनिल उपाध्याय ने 22 मई, 2017 को पटना हाई कोर्ट के जज के रूप कार्यभार ग्रहण किया। उनकी प्रतिभा, विद्वता और कार्य करने की क्षमता बहुत थी। इसी बीच उन्हें किडनी की बीमारी का पता चला। उनके किडनी का प्रत्यारोपण भी हुआ था। अनिल कुमार उपाध्याय का जन्म 04 दिसम्बर, 1962 को हुआ था। उन्होंने पटना यूनिवर्सिटी से एलएलबी और एलएलएम की डिग्री हासिल की। उपाध्याय ने पटना के कामर्स कालेज में अंशकालिक शिक्षक के रूप में शिक्षण कार्य भी किया। उन्होंने पटना लॉ कॉलेज में भी अंशकालिक शिक्षक के रूप में कार्य किया। चाणक्य राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय में विजिटिंग प्रोफेसर के रूप में 2007 से 2017 कार्यरत रहे। राज्य सरकार कर स्टैंडिंग कॉउन्सिल के पद पर 2010 से 2017 तक रहे। न्यायाधीश अनिल कुमार उपाध्याय ने 2020 में शराब पीने के मामले में बंद लोगों की जमानत मामले पर सुनवाई करते हुए कहा था कि शराबबंदी कानून का दुरुपयोग हो रहा है। गांधी जी की तरह बदलाव लाना अच्छी बात है लेकिन सजा इतनी बड़ी नहीं होनी चाहिए। उन्होंने शराबबंदी और शिक्षक नियोजन से संबंधित कई मामलों में विद्वता से कई फैसले सुनाए थे।

भाजपा सदस्यों ने मंत्री मंसूरी के इस्तीफे सहित शहीद के पिता पर ज्यादती को लेकर तीसरे दिन जताया विरोध

पटना, (हि.स.)। बिहार विधानमंडल बजट सत्र के तीसरे दिन विपक्षी भाजपा सदस्यों ने मंत्री इस्राइल मंसूरी के इस्तीफे की मांग सहित वैशाली में सेना के शहीद जवान के पिता को पुलिस द्वारा अपराधियों के तरह सलूक करने का मामला को लेकर बाहर में विरोध जताया। पूर्व मंत्री नीरज सिंह बबलू ने मीडिया से बातचीत में कहा कि महा गठबंधन सरकार का मंत्री इस्राइल मंसूरी का मुजफ्फरपुर राहुल हत्याकांड मामले में संलिप्तता है। वह अपना इस्तीफा दे। नीरज बबलू ने कहा कि जिस तरह सत्ता संपोषित लोग अपने पॉवर का दुरुपयोग कर हत्या और अपराध जैसे कृत्यों में संलिप्त है यह स्थिति भयावह है। उन्होंने कहा मुजफ्फरपुर के कांटी क्षेत्र के युवक की हत्या को एक माह से ऊपर होने को हैं, लेकिन आज तक कोई अपराधी पकड़ में नहीं आया है। मंत्री इस्राइल मंसूरी के प्रभाव की वजह से यह हो रहा है। उन्होंने कहा कि एक तरफ अपराध चरम पर है तो दूसरी ओर प्रशासन भी अपराधियों जैसा ही सलूक कर रही है। उन्होंने कहा कि वैशाली में जिस तरह से सेना के शहीद जवान के पिता को घसीटते हुए पुलिस ले गई, यह पुलिस का आपराधिक चेहरा ही दिखता है। उन्होंने कहा कि गलवान में हुए शहीद के पिता को जमीन के विवाद में जबरन गिरफ्तार कर ले गई थी पुलिस। वहा पदस्थापित दरोगा ने एससी-एसटी एक्ट का दुरुपयोग कर इस कार्य को अंजाम दिया है हम शहीद का अपमान नहीं सहेंगे। शहीद के पिता को घसीटकर ले जाना। अपराधी की तरह व्यवहार करना एससी-एसटी दरोगा द्वारा रंगदारी का एक्ट लगाना निदंनीय है।

संपादकीय

जेल भेजती मधुशाला

भ्रष्टाचार विरोधी आंदोलन से निकले मनीष सिसोदिया को भ्रष्टाचार के आरोपों में गिरफ्तार होना पड़ा है, यह एक गंभीर विरोधाभास है और तकलीफदेह भी है। यदि अन्ना हजारे उस दौर में भ्रष्टाचार के खिलाफ 'महानायक' की भूमिका में थे, तो सिसोदिया भी अग्रिम पंक्ति के नायकों में एक थे। अरविंद केजरीवाल के अंतरंग मित्र के तौर पर भी उनकी छवि अद्भुत थी। दोनों ने मिल कर 'आम आदमी पार्टी' (आप) की राजनीति और रणनीति के रेशे बुने थे। एक ईमानदार और पारदर्शी राजनीति के दावे किए गए थे। प्रशासन और सरकार में 'लोकपाल' की कल्पना की गई थी। 'आप' को उस दौर में एकतरफा और ऐतिहासिक जनादेश मिला था, जब देश की राजनीति पर नरेंद्र मोदी का जादू छाया था। मोदी देश के प्रधानमंत्री चुने गए थे। उनके अपशब्दीय विरोध के बावजूद दिल्ली विधानसभा के 70 में से 67 विधायक 'आप' के चुने गए। दिल्ली में बहुत कुछ स्वप्निल-सा लग रहा था। केजरीवाल मुख्यमंत्री बने, तो सिसोदिया को उपमुख्यमंत्री बनाकर तमाम महत्वपूर्ण विभाग सौंपे गए। सिर्फ आबकारी नीति ने ही मोहभंग की स्थितियां पैदा कर दीं। सिसोदिया भ्रष्ट हैं या उन्होंने शराब माफिया से 'मोटी दलाली' ली है अथवा जांच एजेंसियों से बहुत कुछ छिपाया जा रहा है, हम इन आरोपों की पुष्टि नहीं कर सकते। आरोपों को सच्चाई के निष्कर्ष तक ले जाना भी सीबीआई का दायित्व है, जिसकी रिमांड पर सिसोदिया हैं। अंतिम फैसला अदालत को सुनाना है, लेकिन भ्रष्टाचार के खिलाफ आंदोलन का एक नायक गिरफ्तार है, यह फैसला और कारनामा एकांगी लगता है। यह शोर मचाना भी फिजूल है कि प्रधानमंत्री मोदी और भाजपा सिर्फ केजरीवाल से डरते हैं। आत्म-मुग्धता की यह राजनीति ठीक नहीं है। फिलहाल मोदी और केजरीवाल की कोई राजनीतिक तुलना नहीं है। केजरीवाल देश के वैकल्पिक प्रधानमंत्री होने से कोसों दूर हैं। 'आप' की सत्ता मात्र डेढ़ राज्यों में है। एक पंजाब और दूसरा अद्र्धराज्य दिल्ली। यह मिथक भी कारगर साबित नहीं होगा कि प्रधानमंत्री मोदी बदले की राजनीति के तहत 'आप' के नेताओं पर आपराधिक केस बनवा कर उन्हें जेलों में धकेल रहे हैं। यदि जनता 'आप' के ऐसे शोर पर गौर करती, तो दिल्ली और पंजाब में धमाकेदार जनादेश के बाद लोकसभा चुनाव में भी 'आप' के सांसद चुनती, लेकिन संसदीय चुनाव में केजरीवाल को 'शून्य' समर्थन मिला। जब देश के आधे राज्यों में 'आप' के सांसद चुने जाएंगे, तो केजरीवाल को गंभीर विकल्प माना जा सकता है। मौजूदा संदर्भ शराब घोटाले का है। दिल्ली सरकार की आबकारी नीति मंत्री-समूह ने बनाई थी। मुख्यमंत्री केजरीवाल को उसकी जानकारी नहीं होगी या कोई भी हस्तक्षेप नहीं होगा, हम ऐसा मान ही नहीं सकते। बहरहाल जांच से सब कुछ साफ हो जाना चाहिए। दिल्ली में शराब की सरकारी दुकानें होती थीं, लेकिन नई शराब नीति में निजी कंपनियों को ठेके दिए गए। बल्कि एक बोतल खरीदो और एक मुफ्त पाओ, यह अभियान भी लंबे वक्त तक चला। नीति में फेरबदल क्यों किया गया और फिर पुरानी नीति पर ही लौट आई सरकार, इसके कुछ स्पष्टीकरण तो सामने आए हैं, लेकिन तार्किक तथ्य सामने आना चाहिए। सिसोदिया ने नीति का मसविदा तय होने से पहले ही उसे शराब माफिया को भेज दिया था, सिसोदिया ने कई मोबाइल सैट बदले और कई सिम कार्ड इस्तेमाल किए, क्या वह कुछ छिपाना चाह रहे थे अथवा सबूत मिटाना चाहते थे। उन पर ये आरोप भी लगे हैं, जवाब सीबीआई के जरिए सार्वजनिक किया जा सकता है। सीबीआई जांच की सिफारिश उपराज्यपाल ने की है। बहरहाल सीबीआई पर जांच को छोड़ा जाए। आज हरिवंशराय बच्चन की 'मधुशाला' याद आ रही है, जिसकी मौजूदा पंक्तियां इस तरह होनी चाहिए-'जेल भेजती मधुशाला।'

केजरीवाल मुख्यमंत्री बने, तो सिसोदिया को उपमुख्यमंत्री बनाकर तमाम महत्वपूर्ण विभाग सौंपे गए। सर्फि आबकारी नीति ने ही मोहभंग की स्थितियों पैदा कर दीं। सिसोदिया भ्रष्ट हैं या उन्होंने शराब माफिया से 'मोटी दलाली' ली है अथवा जांच एजेंसियों से बहुत कुछ छिपाया जा रहा है, हम इन आरोपों की पुष्टि नहीं कर सकते। आरोपों को सच्चाई के निष्कर्ष तक ले जाना भी सीबीआई का दायित्व है, जिसकी रिमांड पर सिसोदिया हैं। अंतिम फैसला अदालत को सुनाना है, लेकिन भ्रष्टाचार के खिलाफ आंदोलन का एक नायक गिरफ्तार है, यह फैसला और कारनामा एकांगी लगता है। यह शोर मचाना भी फिजूल है कि प्रधानमंत्री मोदी और भाजपा सर्फि केजरीवाल से डरते हैं। आत्म-मुग्धता की यह राजनीति ठीक नहीं है। फिलहाल मोदी और केजरीवाल की कोई राजनीतिक तुलना नहीं है। केजरीवाल देश के वैकल्पिक प्रधानमंत्री होने से कोसों दूर हैं। 'आप' की सत्ता मात्र डेढ़ राज्यों में है। एक पंजाब और दूसरा अद्र्धराज्य दिल्ली।

बोध कथा

जीवन में सुख और शांति के लिए रामचरित मानस की इस बात का रखें ध्यान

हम देखते हैं कि सभी मनुष्यों में बुद्धि का स्तर अलग-अलग होता है। उनकी निर्णय लेने की क्षमता में भी भिन्नता पाई जाती है। कुछ लोग बुद्धिमान होते हैं और उन्हें समय पर सफलता मिलती है तो कुछ अन्य सही समय पर उपयुक्त फैसला न कर पाने के कारण हर क्षेत्र में असफल हो जाते हैं। गीता में भगवान ने बुद्धि के आधार पर मनुष्यों की तीन श्रेणियां बताई हैं। उत्तम श्रेणी के सात्विक बुद्धि वाले मनुष्य कर्तव्य-अकर्तव्य, बंधन-मोक्ष, भय-अभय, प्रवृत्ति मार्ग-निवृत्ति मार्ग आदि को ठीक प्रकार से जानते हैं। ऐसे संतुलित व्यक्तित्व वाले मनुष्यों का जीवन बहुत व्यवस्थित होता है। निश्चयात्मक बुद्धि का होने के कारण उनकी निर्णय लेने की क्षमता लक्ष्य प्राप्ति में सहायक भूमिका निभाती है। उनके सामने कोई बाधा आए तो वे उसका धैर्यपूर्वक सामना करते हैं, उससे घबराकर पलायन नहीं कर जाते। वे हमेशा वर्तमान में किए जाने वाले कार्यों पर ही अपना पूरा ध्यान केंद्रित रखते हैं। अतीत की घटनाओं का बार-बार चिंतन और उनका दूसरों के सामने वर्णन करके अपना और दूसरों का समय नहीं व्यर्थ करते और न ही भविष्य की घटनाओं को लेकर चिंतित रहते हैं। वे जानते हैं कि जिसने अपना वर्तमान सुधार लिया, उसका भविष्य भी ठीक ही रहेगा। मध्यम श्रेणी के राजसी बुद्धि वाले मनुष्य कर्तव्य और अकर्तव्य, धर्म और अधर्म आदि को वास्तविक रूप में नहीं जानते। ऐसे लोग अपने फायदे के लिए कर्म में प्रवृत्त होते हैं। इससे उनमें स्वार्थ बुद्धि एवं लोभ की प्रवृत्ति बढ़ती जाती है और वे अपने स्वार्थ की पूर्ति के लिए किसी न किसी कार्य में लगे रहते हैं। अंदर ही अंदर अशांत रहने लगते हैं। भोग और संग्रह में आसक्ति के कारण ऐसे लोगों की बुद्धि निश्चयात्मक न होकर अनंत शाखाओं वाली हो जाती है। स्वाभाविक ही वे अनेक लक्ष्यों को एक साथ प्राप्त करना चाहते हैं। ऐसी स्थिति में उनकी बुद्धि में एकाग्रता नहीं रह पाती। उनका जीवन अव्यवस्थित होने लग जाता है। उनके व्यवहार में विषमता, पक्षपात, राग-द्वेष जैसे दोष आ जाते हैं। जैसे जल में मिट्टी घुल जाने से उसमें स्वच्छता और निर्मलता नहीं रहती, वैसे ही राजसी बुद्धि वाले मनुष्यों की बुद्धि भी दूषित हो जाती है जिससे वे उचित निर्णय नहीं ले पाते। तीसरी श्रेणी के तामसी बुद्धि वाले मनुष्य अधर्म को भी धर्म मानते हैं। इसी प्रकार वे अन्य तमाम वस्तुओं को भी विपरीत मान लेते हैं। जो कर्म नहीं करने चाहिए, जिनका शास्त्रों में निषेध किया गया है, उनको वे पूरी तत्परता से करते हैं और जो करने योग्य शास्त्र विहित कर्म हैं, उनको नहीं करते। अज्ञान के कारण सब कुछ शास्त्रों के विपरीत ही करते हैं। परिमामस्वरूप अपने जीवन में तरह-तरह के दुख प्राप्त करते हैं। उनका व्यवहार बुद्धिमान व्यक्तियों के ठीक विपरीत होता है। उनके द्वारा स्वयं के साथ-साथ समाज का भी अहित होता है। रामचरित मानस के सुंदरकांड में विभीषण बुद्धि के विषय में रावण से कहते हैं 'सुमति कुमति सब के उर रहहीं, नाथ पुरान निगम अस कहहीं। जहां सुमति तहं संपति नाना, जहां कुमति तहं विपति निदाना।' हे नाथ, पुराण और वेद ऐसा कहते हैं कि सुमति (अच्छी बुद्धि) और कुमति (बुरी बुद्धि) सबके हृदय में रहती है, जहां सुबुद्धि है वहां नाना प्रकार की संपदाएं (सुख की स्थिति) रहती हैं और जहां कुबुद्धि है, वहां परिणाम में विपत्ति (दुख) रहती है।

सरकारी स्कूलों और कॉलेजों में डिजिटल कक्षाओं के लिए उचित सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं

डिजिटल शिक्षा की चुनौती

डा. वरिंद्र भाटिया

इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों एवं कंप्यूटर के माध्यम से इसका उपयोग किया जा सकता है। डिजिटल लाइब्रेरी को ऑनलाइन लाइब्रेरी, इंटरनेट लाइब्रेरी, डिजिटल रिपॉजिटरी या डिजिटल संग्रह के रूप में भी जाना जाता है। यह डिजिटल वस्तुओं का एक ऑनलाइन डेटाबेस है सिजमें टेक्स्ट, इमेज, ऑडियो, वीडियो, डिजिटल दस्तावेज के रूप में पुस्तकें शामिल हो सकती हैं। इस प्रकार की लाइब्रेरी को इंटरनेट के माध्यम से एक्सेस किया जा स कता है। प्रमुख अंतर यह है कि डिजिटल पुस्तकालय में संसाधन केवल मशीन-पठनीय रूप में उपलब्ध होते हैं। नेशनल डिजिटल लाइब्रेरी में डिजिटल वस्तुओं का भंडार होगा, जैसे किताबें, लेख, छवियां, वीडियो और मल्टीमीडिया आदि।

देश में अब डिजिटल शिक्षा का जमाना है। इसमें डिजिटल लाइब्रेरी कल्चर में बदलाव महत्वपूर्ण रोल निभा सकता है। खासतौर से छात्रों और उनकी डिजिटल शिक्षा पर फोकस करते हुए कई अहम कदम उठाए जा रहे हैं। इसी दिशा में नेशनल डिजिटल लाइब्रेरी को प्रमुख माना जा रहा है। हाल ही में केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने 1 फरवरी 2023 को इस संबंध में घोषणा की कि बच्चों और किशोरों के लिए एक राष्ट्रीय डिजिटल लाइब्रेरी की स्थापना की जाएगी ताकि विभिन्न भौगोलिक क्षेत्रों, भाषाओं, शैलियों और स्तरों पर गुणवत्तापूर्ण पुस्तकों की उपलब्धता सुनिश्चित की जा सके। डिजिटल लाइब्रेरी एक ऐसा पुस्तकालय है जिसमें पुस्तकों का संग्रह डिजिटल या इलेक्ट्रॉनिक प्रारूप में होता है। इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों एवं कंप्यूटर के माध्यम से इसका उपयोग किया जा सकता है। डिजिटल लाइब्रेरी को ऑनलाइन लाइब्रेरी, इंटरनेट लाइब्रेरी, डिजिटल रिपॉजिटरी या डिजिटल संग्रह के रूप में भी जाना जाता है। यह डिजिटल वस्तुओं का एक ऑनलाइन डेटाबेस है जिसमें टेक्स्ट, इमेज, ऑडियो, वीडियो, डिजिटल दस्तावेज के रूप में पुस्तकें शामिल हो सकती हैं। इस प्रकार की लाइब्रेरी को इंटरनेट के माध्यम से एक्सेस किया जा सकता है। प्रमुख अंतर यह है कि डिजिटल पुस्तकालय में संसाधन केवल मशीन-पठनीय रूप में उपलब्ध होते हैं। नेशनल डिजिटल लाइब्रेरी में डिजिटल वस्तुओं का भंडार होगा, जैसे किताबें, लेख, छवियां, वीडियो और मल्टीमीडिया आदि। यह उपयोगकर्ताओं को इंटरनेट के जरिए पहुंच के लिए उपलब्ध कराए जाएंगे। नेशनल डिजिटल लाइब्रेरी सूचना और ज्ञान तक पहुंच प्रदान करेगा। राष्ट्रीय डिजिटल लाइब्रेरी की शुरुआत से देश भर के सभी उपयोगकर्ता लाभान्वित होंगे। जानकारी की आसान खोज और पुनप्राप्ति के साथ-साथ जानकारी को सुरक्षित रखने की क्षमता से भविष्य की पीढियों को एक स्थायी तरीका भी मिलेगा। वित्त मंत्री ने राष्ट्रीय डिजिटल लाइब्रेरी स्थापित करने का प्रस्ताव समावेशी विकास के हिस्से के रूप में दिया है। भारतीय छात्र आने वाले वक्त में इसी नेशनल डिजिटल लाइब्रेरी की मदद से अपना ज्ञान वर्धन करेंगे। विशेषज्ञों का मत है कि डिजिटल युग में भारत की तरफ से राष्ट्र निर्माण की दिशा में यह कदम सबसे कारगर साबित होगा। चूंकि बच्चों की सीखने की क्षमता अधिक होती है, ऐसे में उनके बढ़ते डिजिटल रुझान

के मद्देनजर नेशनल डिजिटल लाइब्रेरी मील का पत्थर साबित हो सकती है। सरकार द्वारा बच्चों के लिए नेशनल डिजिटल लाइब्रेरी की सुविधा पूरे देश में पंचायत और वार्ड स्तर पर देने की बात सामने आई है। अपने बजट भाषण में वित्त मंत्री ने भी कहा है कि राज्यों को बच्चों के लिए पंचायत और वार्ड स्तरों पर वर्चुअल पुस्तकालय स्थापित करने और राष्ट्रीय डिजिटल पुस्तकालय संसाधनों तक पहुंचने के लिए बुनियादी ढांचा देने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा। ऐसे में राज्यों की ये जिम्मेदारी बनती है कि वे भी इस कार्य में रुचि लें और देश के विकास में योगदान अदा करें। डिजिटल साक्षरता में काम करने वाले गैर सरकारी संगठनों के साथ सहयोग भी इस पहल का एक हिस्सा होगा। वित्तीय साक्षरता को बढ़ाने के लिए वित्तीय क्षेत्र के नियामकों और संगठनों को इन पुस्तकालयों को आयु-उपयुक्त पठन सामग्री प्रदान करने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा। ज्ञात हो डिजिटल एपिग्राफी म्यूजियम में एक लाख प्राचीन शिलालेख मौजूद हैं। इन शिलालेखों के भंडार को एक डिजिटल एपिग्राफी में स्थापित किया जाएगा। रिपॉजिटरी पहले चरण में एक लाख प्राचीन शिलालेखों का डिजिटलीकरण करेगी। इससे देश में शिक्षा की नई संस्कृति का निर्माण करने और महामारी के समय सीखने के नुकसान की भरपाई की जा सकेगी। इस दिशा में नेशनल बुक ट्रस्ट, चिल्ड्रन बुक ट्रस्ट और अन्य सोर्स को इन भौतिक पुस्तकालयों को क्षेत्रीय भाषाओं और अंग्रेजी में गैर-पाठ्यचर्या संबंधी शीर्षक देने और भरने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा। यह अध्ययन सामग्री की पहुंच के विस्तार के साथ छात्रों के बीच एक मजबूत पठन संस्कृति का भी निर्माण करेगा। स्पष्ट है कि सरकार के इस कदम से नेशनल डिजिटल लाइब्रेरी की उपलब्धता की सुविधा से बच्चों को अधिक गुणवत्ता वाली किताबें पढने का मौका मिल सकेगा। महज इतना ही नहीं, नेशनल डिजिटल लाइब्रेरी में बच्चों को तमाम भाषाओं, भौगोलिक, शैलियों और स्तरों की पुस्तकें भी आसानी से उपलब्ध होंगी। उल्लेखनीय है कि शिक्षा क्षेत्र के कई हितधारक डिजिटल प्लेटफॉर्म पर बच्चों और किशोरों के लिए विभिन्न विषयों में सीखने के संसाधन उपलब्ध कराने के लिए सरकार द्वारा लाए गए इस प्रस्ताव से बेहद खुश हैं। इसलिए उन्होंने नेशनल डिजिटल लाइब्रेरी की स्थापना को एक महान नीतिगत उपाय बताया है। भारत डिजिटल शिक्षा की दिशा में तेजी से प्रगति कर रहा है जिसमें स्कूल, विश्वविद्यालय और कॉलेज द्वारा डिजिटलीकरण को अपनाने, इंटरनेट की पहुंच बढ़ाने और छात्रों की बढ़ती मांग से समर्थित है। देश में डिजिटल बुनियादी ढांचे को मजबूत करने पर सरकार के फोकस से डिजिटल शिक्षा को महत्वपूर्ण रूप से प्रेरित किया गया है जिसमें दूरदराज के क्षेत्रों में इंटरनेट कनेक्टिविटी प्रदान करना शामिल है। डिजिटल शिक्षा एक तकनीक या सीखने की विधि है जिसमें प्रौद्योगिकी और डिजिटल उपकरण शामिल हैं। यह एक नया और व्यापक तकनीकी क्षेत्र है जो किसी भी छात्र को ज्ञान प्राप्त करने और देश भर के किसी भी कोने से जानकारी प्राप्त करने में मदद करेगा। ऐसा माना जाता है कि भारत में डिजिटल शिक्षा और सीखने का भविष्य है। डिजिटल शिक्षा के जरिए कक्षाओं का शिक्षण अधिक मजेदार और संवादात्मक बन गया है। बच्चे इस पर अधिक ध्यान दे रहे हैं। वह न केवल इसे सुन रहे हैं, बल्कि इसे स्क्रीन पर देख भी रहे हैं, जिससे उनके सीखने की क्षमता में काफी इजाफा हो रहा है। ध्वनियों और दृश्यों के माध्यम से बच्चे आसानी से सीख रहे हैं। शैक्षणिक सामग्री छात्रों को विवरणों पर और अधिक ध्यान देने में मदद करती है जिससे वे अपनी गतिविधियों को अपने दम से पूरा करने में सक्षम होते हैं। ऑनलाइन स्क्रीन की सहायता से छात्र अपने भाषा कौशल में सुधार कर लेते हैं। ई-बुक से या ऑनलाइन अध्ययन सामग्री के जरिए वे नए शब्द सीखते हैं और अपनी शब्दावली का विस्तार करते हैं। एक छात्र अपने शिक्षक से कक्षा में प्रशिक्षण के दौरान प्रश्न पूछने से झिझकता है। लेकिन डिजिटल शिक्षा के माध्यम से भले ही वह एक बार में कुछ भी न समझ पाए, फिर भी वे अपनी दुविधा को मिटाने के लिए किरॉर्डिंग सत्र में शामिल हो कसते हैं।

व्यवस्था में गृहिणी की जगह

गृहिणी भी अपने परिवार को पूरा समय देती है। इस मामले में अदालत ने गृहिणी की भूमिका को राष्ट्र निर्माता बताते हुए बेहतर मुआवजा देने का आदेश दिया। दरअसल, घरेलू मोर्चे पर सब कुछ संभालने के बावजूद महिलाओं को कुछ न करने वाली भूमिका में देखा जाना हमारे यहां आम बात है। घर की जिम्मेदारियां संभालने वाली इन महिलाओं की आय को मौद्रिक रूप में न आंके जाने के कारण उनकी आपाधापी और योगदान को जरा कम करके ही देखा जाता है। सामाजिक-पारिवारिक बर्ताव से लेकर महिलाओं के लिए बनने वाली नीतियों और योजनाओं की रूपरेखा तक पर, उन्हें कमतर समझने की इस सोच का असर साफ दिखता है। तभी तो गृहिणियों के लिए कहीं कोई विशेष प्रावधान नजर नहीं आता। जबकि गृहिणियां अपने से ज्यादा प्राथमिकता अपनों और अपने से जुड़े संबंधों को देती हैं। ऐसे में गृहिणी की भूमिका पर न्यायाधीश का यह कहना कि 'एक मां और पत्नी के रूप में उनका योगदान अमूल्य है', वाकई विचारणीय है। इसका सीधा संदेश यही है कि महिलाओं की आम-सी लगने वाली इस भूमिका को खास नजरिए से समझा जाना आवश्यक है। गौरतलब है कि 2020 में मुंबई हाईकोर्ट ने भी एक महत्त्वपूर्ण आदेश में एक महिला की सड़क दुर्घटना में हुई मौत के मामले में उसके परिजनों को मुआवजा देने का आदेश दिया था।

हाल ही में केरल उच्च न्यायालय ने केरल राज्य सड़क परिवहन निगम को एक सड़क हादसे में पीड़िता को इस आधार पर मुआवजा देने से इनकार करने पर फटकार लगाई कि पीड़िता गृहिणी है। वह कोई पैसा नहीं कमाती, इस वजह से वह दिव्यांगता और अन्य सुविधाओं के लिए मिलने वाले मुआवजे की सुपात्र नहीं है। न्यायालय ने इस तर्क को अपमानजनक और समझ से परे बताया। न्यायालय ने कहा कि हादसे के लिए मुआवजा एक गृहिणी और कामकाजी महिला के लिए समान होना चाहिए। गृहिणी भी अपने परिवार को पूरा समय देती है। इस मामले में अदालत ने गृहिणी की भूमिका को राष्ट्र निर्माता बताते हुए बेहतर मुआवजा देने का आदेश दिया। दरअसल, घरेलू मोर्चे पर सब कुछ संभालने के बावजूद महिलाओं को कुछ न करने वाली भूमिका में देखा जाना हमारे यहां आम बात है। घर की जिम्मेदारियां संभालने वाली इन महिलाओं की आय को मौद्रिक रूप में न आंके जाने के कारण उनकी आपाधापी और योगदान को जरा कम करके ही देखा जाता है। सामाजिक-पारिवारिक बर्ताव से लेकर महिलाओं के लिए बनने वाली नीतियों और योजनाओं की रूपरेखा तक पर, उन्हें कमतर समझने की इस सोच का असर साफ दिखता है। तभी तो गृहिणियों के लिए कहीं कोई विशेष प्रावधान नजर नहीं आता। जबकि गृहिणियां अपने से ज्यादा प्राथमिकता अपनों और अपने से जुड़े संबंधों को देती हैं। ऐसे में गृहिणी की भूमिका पर न्यायाधीश का यह कहना कि 'एक मां और पत्नी के रूप में उनका योगदान अमूल्य है', वाकई विचारणीय है। इसका सीधा संदेश यही है कि महिलाओं की आम-सी लगने वाली इस भूमिका को खास नजरिए से समझा जाना आवश्यक है। गौरतलब है कि 2020 में मुंबई हाईकोर्ट ने भी एक महत्त्वपूर्ण आदेश में एक महिला की सड़क दुर्घटना में हुई मौत के मामले में उसके परिजनों को मुआवजा देने का आदेश दिया था। अदालत ने वाहन दुर्घटना पंचाट के उस आदेश को खारिज कर दिया था, जिसमें महिला के परिजनों को उसके गृहिणी होने की वजह से मुआवजा देने से इनकार किया गया था। तब भी न्यायालय ने बेहद संवेदनशील टिप्पणी की थी कि 'गृहिणी के रूप में एक महिला की भूमिका एक परिवार में सबसे महत्त्वपूर्ण और चुनौतीपूर्ण होती है। वास्तव में वह भावनात्मक रूप से परिवार को एक साथ रखती है। वह घर में पति का सहयोग करने वाला एक स्तंभ, अपने बच्चों के लिए एक मार्गदर्शक और परिवार के बुजुर्गों के लिए आश्रय की तरह होती है। वह एक दिन की भी छुट्टी लिए बिना दिन-रात काम करती है, भले वह कामकाजी महिला हो या न हो। हालांकि, वह जो काम करती है, उसकी कोई सराहना नहीं होती और उसे नौकरी नहीं माना जाता है। एक महिला द्वारा घर में दी जाने वाली सेवाओं को मौद्रिक दृष्टि से गिनना एक असंभव कार्य है, जो सैकड़ों घटकों से मिलकर बने होते है।' कोरोना काल में गृहिणियों द्वारा न केवल अपनों, बल्कि आस-पड़ोस के लोगों तक भी मदद पहुंचाने के कई उदाहरण सामने आए थे। घर तक सिमटी जिंदगी के तकलीफदेह दौर में भी घरेलू महिलाओं ने हर आपाधापी से जूझते हुए अपनों को संभाला था। दरअसल, न्यायिक मामलों में आई ये टिप्पणियां कहीं न कहीं समाज और परिवार को भी सजग करने वाली हैं। घरेलू महिलाओं की भागीदारी को लेकर सही मायने में जागरूक करती है। यकीनन, श्रम की अनदेखी और उपेक्षापूर्ण बर्ताव के मोर्चे पर समग्र समाज में जागरूकता और संवेदनशीलता जरूरी है। यों भी विभिन्न संस्थानों और संगठनों से लेकर घरेलू स्त्रियों के सगे-संबंधियों तक, सभी को उनकी इस सिमटी-सी दिखने वाली भूमिका के विस्तृत दायित्वों को समझने का प्रयास करना ही चाहिए। गौरतलब है कि पिछले साल ऐसे ही एक मामले में गुवाहाटी उच्च न्यायालय ने कहा था कि 'गृहिणियां काम नहीं करतीं या वे घर में आर्थिक योगदान नहीं देतीं, यह धारणा ही समस्यापूर्ण है। कई वर्षों से ऐसी समझ कायम है और इसे दूर किया जाना चाहिए।' समझना मुश्किल नहीं कि एक गृहिणी की बहुआयामी भूमिका को सही ढंग से समझे बिना उनके हिस्से सहयोग और सम्मान भी नहीं आ सकता। ऐसे में उपेक्षापूर्ण व्यवहार-विचार से उपजी अनदेखी उनके मान और मनोबल को ठेस पहुंचाती है। बावजूद इसके, अपनों-परायों का यह रुख कमोबेश दुनिया के हर भूभाग की गृहिणियों के हिस्से आता है, जबकि सच तो यह है कि उनके अवैतनिक कार्यों का मोल आंकना लगभग नामुमकिन है। अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन की 2021 की रिपोर्ट बताती है कि विश्व में महिलाएं अवैतनिक घरेलू कार्यों के लिए कुल घंटों का छिहत्तर फीसद समय देती हैं। एशियाई देशों में यह आंकड़ा अस्सी फीसद से भी ज्यादा है। हमारे देश में ऐसी महिलाओं की आबादी करीब बीस करोड़ है। हर महीने उनके अवैतनिक घरेलू कार्यों का मौद्रिक आकलन औसतन चालीस हजार करोड़ रुपए तक पहुंचता है। वहीं आक्सफैम की 'टाइम टू केयर' की रिपोर्ट कहती है कि दुनिया भर में आधी आबादी साल भर में करीब दस हजार अरब डालर के अवैतनिक घरेलू कार्य करती है। ऐसे में उनकी इस भागीदारी का मोल समझना और स्वीकार करना आवश्यक है। यह स्वीकार्यता और समझ अपने ही आंगन में उनके काम को मान दिलाने की पहली शर्त है। यह कड़वा सच है कि गृहिणियों को दूसरों पर निर्भर व्यक्तित्व के रूप में ही देखा जाता है। जबकि आर्थिक रूप से सक्षम और कामकाजी मोर्चों पर व्यस्त परिजनों के जीवन की संभाल उनके ही हिस्से होती है। अपनी जिम्मेदारियां उठाने की व्यस्तता कामकाजी क्षेत्र में उनकी उत्पादकता को ही घटाएगी। ऐसे में परोक्ष रूप से हर गृहिणी अर्थोपार्जन की गतिविधियों में भागीदार होती है। हालांकि इसे समझने का भाव आज भी नदारद है। यही वजह है कि अब दुनिया के हर हिस्से में घरेलू मोर्चे पर डटी महिलाओं की भूमिका का आर्थिक मूल्यांकन करने की बात उठ रही है। बीते साल चीन में तलाक के मामले में आया एक फैसला काफी चर्चित हुआ था। उसमें न्यायालय ने कहा था कि शादी के बाद महिला ने पति के घर में पांच साल काम किया, इसलिए उसे पांच लाख रुपए का मुआवजा मिलना चाहिए। वह आदेश ऐतिहासिक माना गया। उसके बाद वहां घर के कामों के मेहनताने को लेकर बहस भी शुरू हुई। यह दुनिया के हर देश, हर समाज और हर परिवार से जुड़ा संवेदनशील विषय है। दरअसल, अनगिनत जिम्मेदारियां निभाने वाली गृहिणी की पारिवारिक, सामाजिक और आर्थिक भागीदारी की अनदेखी कई मोर्चों पर तकलीफदेह है। इस उपेक्षा के चलते गृहिणियों में अवसाद और आत्महत्या के आंकड़े भी बढ़ रहे हैं। उनके श्रम और सहभागिता को मान न मिलना अपराधबोध को भी जन्म देता है। नतीजतन, बहुत-सी शारीरिक, मानसिक व्याधियां भी उन्हें घेर लेती हैं। राष्ट्रीय अपराध रिकार्ड ब्यूरो के अनुसार 2019 में सर्वाधिक खुदकुशी करने वालों में दिहाड़ी मजदूरों के बाद गृहिणियों के आंकड़े ही रहे।

नागरिक बोध

क्रोध मूर्खता से शुरू होकर पश्चाताप पर खत्म होता है

मानव अपमान पाकर क्रोधित होता है तो सम्मान पाकर फूला नही समाता है।बात बात में आग बबूला होकर अपने आवेश को प्रकट करते है। क्रोध की अग्नि में स्वयं को जलाते हुए यह भी नही सोचते है कि क्रोध में इंसान इंसान नही रहता बल्कि हैवान बन जाता है। क्रोध करने का मतलब है दूसरे की गलती का दंड स्वयं को देना । इससे बड़ी मूर्खता और क्या हो सकती है। क्रोध मूर्खता से शुरू होकर पश्चाताप पर खत्म होता है। क्रोध मनुष्य का एक क्षणिक पागलपन है। लोहा भले ही गरम हो जाए पर हथौड़े को तो ठंडा ही रहना चाहिए। गरम हथौड़ा अपने को जला देता है। गोरखपुर के सहजनवा थाना क्षेत्र की घटना से रूह कांप उठती है। नींद में सो रहे घरवालों के खून से रंगे हाथों से कबूल किया कि मैंने पति और दो सौतेले बेटों को नींद में मार डाला। एक महिला की इस ख़ौफ़नाक साजिश से दिल कांप उठता है।आज महिला निष्ठुर और निर्दय बनकर पूरे परिवार को मौत के घाट उतार दिए जाते है। महिला ने अपने पति और सौतेले पुत्र की गला रेतकर हत्या कर दी। संतकबीरनगर जिले के मझगांव निवासी नीलम की दूसरी शादी थी। उसके पति की भी दूसरी शादी थी। उन्नाव सामूहिक दुष्कर्म के बाद हत्या से रोंगटे खड़े करने वाली घटना सामने आई है। अनुसूचित जाति की किशोरी की हत्या की घटना से क्षेत्र में सनसनी फैल गई है। कानपुर देहात की घटना में दहेज की मांग थी। दहेज नही मिलने पर गला दबाकर हत्या कर दी गई। इन घटनाओं के पीछे क्रोध का कारण रहा है।क्रोधावेश में उठाया गया कदम कभी कभी गले की फांस बन जाता है। अतः स्वयं पर नियंत्रण रखने की जरूरत है। उस व्यक्ति को शर्मिंदगी के साथ साथ जेल से बचने हेतु अर्थदंड भोगना पड़ता है। इन घटनाओ में अपराध करने वालो की जिंदगी नर्कागार हो जाती है। समाज मे बढ़ रही घटनाओं के पीछे क्रोध का अहम भाग रहा है। क्रोध में मनुष्य आपा खो देता है।अब विचार कीजिये क्रोध में मनुष्य की क्या स्थिति हो जाती है? क्रोध में मनुष्य स्वयं पर नियंत्रण नही रख पाता है।जिन लोगो की हत्या की गई है। उसके पीछे क्रोध का पागलपन है। उसके बाद प्रयाश्चित होता है।लेकिन बहुत देर हो चुकी होती है। क्रोध जीवन के लिए घातक बन जाता है।

देश दुनीया से

विपक्ष को जोड़ना-तोड़ना ही सियासत

अगर इस देश में विपक्षी एकता का कोई स्थायी सूचकांक होता, तो सेंसेक्स और निफ्टी जैसे शेयर सूचकांक उसके सामने पानी भरते। भारत के विपक्ष की एकता को लेकर जिस तरह का उतार-चढ़ाव दैनिक खबरों में दिखाई देता है, वैसी उछाल और गिरावट के बारे में तो शेयर बाजार सपने में भी नहीं सोच सकता। इसे लेकर राजनीति में एक अन्योक्ति भी अक्सर सुनाई जाती है- हर उस सप्ताह, जिसमें मंगलवार नहीं होता, विपक्षी एकता के प्रयासों की खबर नहीं आती। कई बार ऐसा भी लगता है कि इस देश में विपक्षी एकता की कोशिशें और उसे पंक्चर करने के प्रयास ही असली राजनीति है, बाकी सब तो नीरस प्रेस विज्ञप्तियां हैं। कम या ज्यादा यह दुनिया के तकरीबन उन सभी लोकतंत्रों में होता है, जहां पर बहुदलीय व्यवस्था है। चुनावों में और कई मुद्दों पर विपक्षी दल एक साथ आ जाते हैं और बहुदलीय लोकतंत्र द्विदलीय व्यवस्था की तरह दिखने लगता है। इसको जरूरी भी माना जाता है। सत्ताधारी दल के नेता राज-राजेश्वर की तरह बर्ताव न करने लगें, इसके लिए एक मजबूत विपक्ष की जरूरत राजनीति शास्त्र के ककहरे में ही पढ़ा दी जाती है। फिर, विपक्ष ऐसा भी होना चाहिए, जो सत्ताधारी दल के सिर पर उसे अपदस्थ कर देने के खतरे की तरह हरदम खड़ा रहे। ऐसी जगहों में इसे एक सामान्य सी चीज माना जाता है। इसके विपरीत, भारतीय राजनीति के आदिकाल से विश्लेषकों और टिप्पणीकारों में विपक्षी एकता को लेकर उपहास का एक भाव रहा है। टूटा, बिखरा जैसे विशेषण उसके साथ जोड़े जाते रहे हैं और उसे 'भानुमती के कुनबे' जैसे ढेर सारे रूपकों से नवाजा जाता रहा है। आज भी मोटे तौर पर ऐसी ही सोच है। अक्सर हम सत्ताधारी दल को आदर्श मान लेते हैं और यह उम्मीद बांधते हैं कि उसे चुनौती देने के लिए विपक्ष को भी ठीक वैसा ही होना चाहिए। साल 2014 के बाद से तो ऐसा सोचने वालों की संख्या बढ़ी ही है। जब हम नई दिल्ली और कई राज्यों की सत्ता में बैठी भारतीय जनता पार्टी को देखते हैं, तो एक सिरे से दूसरे सिरे तक उसमें गजब की समानता दिखाई देती है। कई बार लगता है कि जैसे सबके सब एक ही सांचे में ढले हों या एक ही फैक्टरी से बनकर निकले हों। देश के किसी भी कोने से दिया गया हो, उसके सारे नेताओं के बयानों में अद्भुत साम्य होता है। उनका बचाव भी एक जैसा होता है और उनकी आक्रामकता भी। मानो सारी अभिव्यक्तियों और भंगिमाओं की एक ही कंप्यूटर में प्रोसेसिंग की गई हो। विपक्ष इस तरह का नहीं है। वह हो भी नहीं सकता। जिनको हम विपक्षी दल कहते हैं, उन सबका इतिहास अलग है और भूगोल भी। उनकी जमीन जुदा है और उनका आसमान भी एक-दूसरे से अलग है। कोई राष्ट्रीय है, कोई प्रादेशिक, कोई क्षेत्रीय, तो किसी का आधार किसी उप-जाति विशेष तक सीमित है। वे सब अलग-अलग अभिलाषाओं, अपेक्षाओं व लालसाओं का प्रतिनिधित्व करते हैं। इसलिए सबके मन अलग हैं, वचन अलग और कर्म भी। हर एक की मथुरा तीन लोक से न्यारी है। कुछ के बालहठ चंद खिलौना लैहों से बहुत आगे नहीं देख पाते। जब हमारा विपक्ष एकताबद्ध होने की बात करता है, तो उसके सामने एक चुनौती ऐसे बालहठ को अपनी उस सेना में शामिल करने की होती है, जिसे आगे बढ़कर नई दिल्ली के तपते सूरज को चुनौती देनी है। उनके आपसी अंतर्विरोध भी कम नहीं। कुछ दल हैं, जो एक-दूसरे के साथ बैठ नहीं सकते, तो कुछ ऐसे हैं, जो एक-दूसरे को देख भी नहीं सकते। एक राज्य में वे एक-दूसरे से गठजोड़ कर लेते हैं, तो दूसरे राज्य में एक-दूसरे के खिलाफ चुनाव लड़ते हैं। इन दिनों एक और नई चीज हुई है। हर दूसरे दल को तीसरा दल भारतीय जनता पार्टी की बी-टीम लगता है। वह उसे वोटकटवा मानता है, इसलिए उसके साथ खड़े होने का तो सवाल ही नहीं। बेशक, ये सारी बातें निराश करने वाली लग सकती हैं, लेकिन यही भारतीय राजनीति का यथार्थ है और इसे स्वीकार करके ही हम किसी नतीजे पर पहुंच सकते हैं। अपनी इन्हीं खामियों और इन्हीं अंतर्विरोधों के साथ विपक्ष ने भारतीय लोकतंत्र में अपनी एक अहम भूमिका निभाई है।

सत्ताधारी दल के नेता राज-राजेश्वर की तरह बर्ताव न करने लगें, इसके लिए एक मजबूत विपक्ष की जरूरत राजनीति शास्त्र के ककहरे में ही पढ़ा दी जाती है। फिर, विपक्ष ऐसा भी होना चाहिए, जो स ताधारी दल के सरि पर उसे अपदस्थ कर देने के खतरे की तरह हरदम खड़ा रहे। ऐसी जगहों में इसे एक सामान्य सी चीज माना जाता है। इसके विपरीत, भारतीय राजनीति के आदिकाल से विश्लेषकों और टिप्पणीकारों में विपक्षी एकता को लेकर उपहास का एक भाव रहा है। टूटा, बिखरा जैसे विशेषण उसके साथ जोड़े जाते रहे हैं और उसे 'भानुमती के कुनबे' जैसे ढेर सारे रूपकों से नवाजा जाता रहा है। आज भी मोटे तौर पर ऐसी ही स ोच है। अक्सर हम सत्ताधारी दल को आदर्श मान लेते हैं और यह उम्मीद बांधते हैं कि उसे चुनौती देने के लिए विपक्ष को भी ठीक वैसा ही होना चाहिए।

ड्रैगन ने फिर दी ताइपे को चेतावनी, ताइवान के रक्षा क्षेत्र में उड़ते दिखे 19 चीनी लड़ाकू विमान

ताइपे ।

ताइवान के रक्षा मंत्रालय ने बुधवार को दावा किया बीते चौबीस घंटों में उसने अपने वायु रक्षा क्षेत्र में चीनी वायु सेना के 19 विमानों को देखा है। मंत्रालय ने कहा कि सभी जे-10 लड़ाकू विमान ताइवान के वायु रक्षा क्षेत्र के दक्षिण-पश्चिम कोने में उड़े। हालांकि मंत्रालय द्वारा जारी एक नक्शे के मुताबिक विमान ताइवान की तुलना में चीनी तट के करीब थे।

चीन-ताइवान के बीच विवाद क्या है - ताइवान दक्षिण पूर्वी चीन के तट से करीब 100 मील दूर स्थिति एक द्वीप है। ताइवान खुद को संप्रभु राष्ट्र मानता है। उसका अपना संविधान है। ताइवान में लोगों द्वारा चुनी हुई सरकार है। वहीं चीन की कम्युनिस्ट सरकार ताइवान को अपने देश का हिस्सा बताती है। चीन इस द्वीप को फिर से अपने नियंत्रण में लेना चाहता है। चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग ताइवान और चीन के पुनः एकीकरण की जोरदार वकालत करते हैं। ऐतिहासिक रूप से से देखें तो ताइवान कभी चीन का ही हिस्सा था।

दुनिया के लिए अहम क्यों है ताइवान - फोन, लैपटॉप, घड़ी से लेकर कार तक में लगने वाले ज्यादातर चिप ताइवान में बनते हैं। ताइवान की वन मेजर कंपनी दुनिया के आधे से अधिक चिप का उत्पादन करती है। इसी वजह से ताइवान की अर्थव्यस्था दुनिया के लिए काफी मायने रखती है। अगर ताइवान पर चीन का कब्जा होता है तो दुनिया के लिए बेहद अहम इस उद्योग पर चीन का नियंत्रण हो जाएगा। इसके बाद उसकी मनमानी और बढ़ सकती है। इससे पहले अमेरिका की केंद्रीय खुफिया एजेंसी के निदेशक विलियम बर्न्स ने कहा था कि यूक्रेन में रूस के अनुभव के बाद चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग और उनके सैन्य नेतृत्व को ताइवान पर आक्रमण करने की उनकी क्षमता पर संदेह है। रविवार को एक टेलीविजन साक्षात्कार में शीर्ष अमेरिकी खुफिया अधिकारी ने जोर देकर कहा था कि अमेरिका को ताइवान पर नियंत्रण की चीनी महत्वाकांक्षाओं को बहुत गंभीरता से लेना चाहिए। हालांकि, उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि इसका सीधा मतलब सैन्य संघर्ष नहीं है। सीआईए चीफ ने कहा था, चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने चीनी सेना को 2027 तक ताइवान पर आक्रमण करने के लिए तैयार रहने के लिए कहा है। हालांकि, इसका मतलब यह नहीं है कि चीन ने ताइवान पर 2027 या किसी अन्य वर्ष में सैन्य आक्रमण करने का फैसला किया है।

न्यूज़ ब्रीफ

चीन को लेकर अमेरिकी संसद में सुनवाई, सांसदों ने ड्रैगन को बताया देश के अस्तित्व के लिए खतरा

वॉशिंगटन । अमेरिका के शीर्ष सांसदों ने रिपब्लिकन बहुमत वाली प्रतिनिधि सभा (हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स) में चीन को अमेरिका के अस्तित्व के लिए खतरा बताया है। उन्होंने कम्युनिस्ट पार्टी के नेतृत्व वाले चीन से मिलने वाली चुनौतियों से सफलतापूर्वक निपटने के लिए अपने सहयोगियों के साथ समन्वय के लिए हरसंभव प्रयास करने का भी आह्वान किया। अमेरिका अबतक चीन के व्यवहार को आक्रामक बताता रहा है। नवगठित समिति का नाम चीनी कम्युनिस्ट पार्टी (सीसीपी) पर सदन की प्रवर समिति है। चीन के मामले पर सुनवाई के दौरान समिति के अध्यक्ष और सांसद माइक गैलाघेर ने मंगलवार को अपने शुरुआती संबोधन में कांग्रेस (अमेरिकी संसद) के अपने सहयोगियों से कहा, यह टेनिस मैच नहीं है। यह अस्तित्व का संघर्ष है कि 21वीं सदी में जीवन कैसा दिखेगा और बुनियादी आजादी दांव पर है। पूर्व खुफिया अधिकारी गैलाघेर ने कहा, हमें तात्कालिकता की भावना के साथ कार्य करना चाहिए। अगले दस वर्षों में हमारी नीति अगले सौ के लिए मंच तैयार करेगी। भारतीय मूल के अमेरिकी सांसद राजा कृष्णमूर्ति ने भी चीन से पैदा होने वाले खतरों को रेखांकित किया। उन्होंने कहा, पिछले तीन दशकों में डेमोक्रेट और रिपब्लिकन दोनों पार्टियों ने सीसीपी को कम करके आंका और माना कि व्यापार और निवेश अनिवार्य रूप से पीआरसी सहित अधिक-प्रशांत क्षेत्र में लोकतंत्र और अधिक सुरक्षा का कारण बनेगा। लेकिन सबकुछ इसके विपरीत हुआ। कृष्णमूर्ति ने कहा, अमेरिका और वैश्विक बाजारों तक पहुंच हासिल करने के बाद से चीन की अर्थव्यवस्था दस गुना से ज्यादा बढ़ी है, सीसीपी ने इसके अलावा वीगर लोगों के नरसंहार में शामिल होने सहित अपने सत्तावादी नियंत्रण को मजबूत किया है।

निक्की हेली की दो टूक, बोलीं- हमारी सरकार बनी तो पाकिस्तान की मदद में करूंगी कटौती, एटीएम नहीं अमेरिका

वॉशिंगटन । पाकिस्तान इस समय अभूतपूर्व आर्थिक संकट का सामना कर रहा है। उसे देश को दिवालिया होने से बचाने के लिए अमेरिकी डॉलर जुटाने की कोशिश में है। विदेशी मुद्रा भंडार तीन अरब अमेरिकी डॉलर से भी कम बचा है।

इस बीच, भारतीय मूल की अमेरिकी नेता निक्की हेली के दो टूक बयान से उसकी बेचैनी बढ़ना तय है। हेली ने मंगलवार को कहा कि अगर वह सत्ता में आती हैं तो पाकिस्तान जैसे बुरे देशों को डॉलर नहीं देंगे। निक्की हेली अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव में रिपब्लिकन पार्टी की ओर से दावेदार हैं। साउथ कैरोलिना से दो बार गवर्नर रहीं हेली ने ट्वीट किया, अमेरिका बुरे लोगों को आर्थिक मदद करता है। अमेरिका ने पिछले साल पाकिस्तान, इराक और जिम्बावे को लाखों डॉलर दिए। सशक्त अमेरिका दुनियाभर के देशों का एटीएम नहीं होगा। उन्होंने एक दूसरे ट्वीट में कहा, अमेरिका दुनिया का एटीएम नहीं हो सका। राष्ट्रपति के रूप में हम यह सुनिश्चित करेंगे कि हमारी विदेश नीति दुरुस्त हो। हमारी योजनाएं हमारे दुश्मनों को पैसे भेजने से जुड़ी हुई नहीं होगी। हेली ने कहा, मैं उन देशों के लिए मदद में हर संभव कटौती करूंगी, जो हमसे नफरत करते हैं। एक मजबूत अमेरिका बुरे लोगों को आर्थिक मदद नहीं करेगा। हम अपने लोगों की गाढ़ी कमाई को बर्बाद नहीं होने देंगे। सुयंक्त राष्ट्र में अमेरिका की पूर्व राजदूत ने एक लेख में कहा कि भरोसे के हकदार केवल वही नेता हैं, जो हमारे दुश्मनों के खिलाफ खड़े होते हैं और हमारे दोस्तों के साथ खड़े होते हैं।

संयुक्त राष्ट्र की एजेंसी का दावा- परमाणु हथियार बनाने के बहुत करीब है ईरान

वियना । संयुक्त राष्ट्र की परमाणु प्रहरी अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आईएईए) ने अपनी ताजा रिपोर्ट में दावा किया है कि ईरान ने अपने परमाणु संवर्धन संयंत्र में 83.7प्रतिशत शुद्धता तक समृद्ध यूरेनियम कणों को विकसित कर लिया है और वह परमाणु हथियार बनाने के बहुत करीब है। एएफपी ने आईएईए के हवाले से एक रिपोर्ट में कहा कि इन कणों की उत्पत्ति का पता लगाने के लिए चर्चा अभी भी जारी है। ईरान में पाए गए कणों के बारे में पूछे जाने पर तेहरान सरकार ने कहा कि संवर्धन प्रक्रिया के दौरान अनपेक्षित उतार-चढ़ाव हो सकता है। ईरान ने 2015 में यूरेनियम के संवर्धन को सीमित करने और आर्थिक प्रतिबंधों को हटाने के बदले में आईएईए निरीक्षकों को अपने परमाणु स्थलों का दौरा करने की अनुमति देने के लिए विश्व शक्तियों के साथ एक समझौता किया।

पाकिस्तान में इमरान खान की गिरफ्तारी तय

तोशाखाना केस में गैर-जमानती वारंट जारी, घर के सामने समर्थकों को बुलाया

इस्लामाबाद ।

पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान को अब किसी भी वक्त गिरफ्तार किया जा सकता है। इस्लामाबाद सेशन कोर्ट ने मंगलवार इमरान को सरकारी खजाने (तोशाखाना) के करोड़ों रुपए के गिफ्ट बेहद सस्ते दामों में बेचने का आरोपी मान लिया। उनके खिलाफ गैर जमानती वारंट भी जारी कर दिए गए हैं।

सरकार और पुलिस इस मामले में कोर्ट के आदेश का इंतजार कर रही थीं ताकि खान को गिरफ्तार किया जा सके। इस मामले में इमरान की तीसरी पत्नी बुशरा बीबी भी आरोपी हैं। बुशरा के बारे में अभी कोई फैसला नहीं आया है।

खान की पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ ने अपने नेता को गिरफ्तारी से बचाने के लिए समर्थकों से इमरान के घर के बाहर जुटने को कहा है ताकि पुलिस पर दबाव बनाया जा सके।

पैंतरे आजमा कर बच रहे थे इमरान - इमरान पर कई महीने पहले कथित हमला हुआ था और तब से वो पैर में प्लास्टर लगाकर अदालतों से तरह-तरह की राहत हासिल कर रहे थे। मंगलवार को कोर्ट ने दो बार सुनवाई टाली, लेकिन फिर जज जफर इकबाल ने गैर जमानती वारंट करने का आदेश दिया। हालांकि, दो दूसरे मामलों में खान को राहत मिल गई। इनमें से एक गैरकानूनी पार्टी फंडिंग और दूसरा टेरेरिज्म से जुड़ा है।

तोशाखाना केस में भी इमरान के वकील ने सुनवाई टालने की मांग की थी। इस पर जज ने कहा- अगर वो दूसरी अदालतों के सामने पेश हो सकते हैं, तो यहां आने में क्या दिक्कत है। इमरान जब प्रधानमंत्री थे तब विपक्षी सांसदों ने उनके खिलाफ चुनाव आयोग में शिकायत की थी। इमरान पर आरोप था कि उन्होंने तोशाखाना में जमा गिफ्ट्स को सस्ते में खरीदा और ज्यादा दामों में बेच दिया।

क्या है तोशाखाना केस - चुनाव आयोग के सामने सत्ताधारी पाकिस्तानी डेमोक्रेटिक मूवमेंट ने तोशाखाना गिफ्ट मामला उठाया था। कहा था कि इमरान ने अपने कार्यकाल के दौरान विभिन्न देशों से मिले गिफ्ट को बेच दिया था। इमरान ने चुनाव आयोग को बताया था कि उन्होंने तोशाखाने से इन सभी गिफ्ट्स को 2.15 करोड़ रुपए में खरीदा था, बेचने पर उन्हें 5.8 करोड़ रुपए मिले थे। बाद में खुलासा हुआ कि यह रकम 20 करोड़ से ज्यादा थी।

कैसे हुआ था खुलासा - करीब दो साल पहले अबरार खालिद नाम के एक पाकिस्तानी शख्स ने इन्फॉर्मेशन कमीशन में एक अर्जी दायर की थी। कहा- इमरान को दूसरे देशों से मिले गिफ्ट्स की जानकारी दी जाए। जवाब मिला- गिफ्ट्स की जानकारी नहीं दी जा सकती। खालिद भी जिद्दी निकले। उन्होंने इस्लामाबाद हाईकोर्ट में याचिका दायर कर दी। इस्लामाबाद हाईकोर्ट ने इमरान से पूछा था- आप तोहफों की जानकारी क्यों नहीं देते इस पर खान के वकील का जवाब था- इससे मुल्क की सलामती यानी सुरक्षा को खतरा है। दूसरे देशों से रिश्ते खराब हो सकते हैं। इसलिए अवाम को दूसरे देशों से मिले तोहफों की जानकारी नहीं दे सकते।

चोरी कैसे पकड़ी गई थी - पाकिस्तानी पत्रकार आरिफ अजाकिया और इमदाद अली शूमरो के मुताबिक- इमरान को सऊदी प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान ने गोल्ड से बनी और हीरों से जड़ी बेशकीमती रिस्ट वॉच गिफ्ट की थी। उन्होंने दो लिमिटेड एडिशन घड़ियां बनवाईं थीं। एक खुद के पास रखी थी। दूसरी इमरान को गिफ्ट की थी। इसकी कीमत करीब 16 करोड़ रुपए थी। इमरान ने घर आकर यह रिस्ट वॉच पिंकी पीरनी (तीसरी पत्नी बुशरा बीबी) को रखने के लिए दे दी। बुशरा ने यह घड़ी उस वक्त के एक मंत्री जुल्फी बुखारी को देकर कीमत पता करने को कहा। मंत्री ने बताया कि यह तो बेहद महंगी है। बुशरा ने उसे बेचने को कहा। ब्रांडेड घड़ी देखकर शोरूम के मालिक ने इसकी मैन्यूफेक्चरिंग कंपनी को फोन कर दिया और यहीं से इमरान की कलई खुल गई।

26 साल के युवक के बैग में 800 साल पुरानी गर्लफ्रेंड, पेरू के इस मामले ने सभी को किया हैरान

पेरू। हैरान हो गए न। लेकिन पेरू में कुछ ऐसा ही हुआ है। यहां एक 26 साल के फूड डिलीवरी बॉय के बैग से 800 साल पुरानी ममी बरामद हुई है। कंगाल के रूप में ममी को देख जब पुलिस ने पूछताछ की तो फूड डिलीवरी बॉय ने हैरान कर देने वाली बात कह दी। उसने कहा कि ये मेरी स्प्रीचुअल (अध्यात्मिक) गर्लफ्रेंड है। फिलहाल पुलिस ने ममी को जब्त कर लिया है और जांच शुरू कर दी है। दरअसल पेरू पुलिस ने मंगलवार को 26 साल के जूलियो सीजर बरमेजो को हिरासत में लिया। जूलियो एक कंपनी के लिए फूड डिलीवरी का काम करता है। उसके बैग से पुलिस ने करीब 600 से 800 साल पुरानी ममी (इंसान का कंकाल) बरामद किया। ममी उसी बैग में थी, जिसका प्रयोग जूलियो लोगों के घरों तक खाना पहुंचाने के लिए करता था। पुलिस की पूछताछ में उसने हैरान करने वाली बातें कहीं। दावा किया कि ये ममी उसके पिता 30 साल पहले किसी से खरीदकर घर ले आए थे। फूड डिलीवरी बॉय ने इसका नाम जुनीता रखा था। इसका एक वीडियो भी वायरल हो रहा है।

कभी पढ़ने में भी असमर्थ जैसन अब कैम्ब्रिज में प्रोफेसर, कम उम्र में गंभीर बीमारी से हो गए थे पीड़ित

लंदन ।

इन्सान कुछ कर गुजरने की ठान ले, तो कोई मंजिल मुश्किल नहीं होती। इसे जेसन आर्डे ने सच कर दिखाया है। 18 साल की उम्र तक आर्डे पढ़ने-लिखने में असमर्थ थे, लेकिन आज वह कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय में प्रोफेसर बनने जा रहे हैं। 37 वर्षीय आर्डे अब तक के सबसे कम उम्र के अश्वेत प्रोफेसर होंगे। तीन साल की उम्र में बीमारी का पता चला...द गार्डियन के मुताबिक, आर्डे को तीन साल की उम्र में ग्लोबल डेवलपमेंट डिले और ऑटिस्टिक स्पेक्ट्रम बीमारी का पता चला था। उनके परिवार को बताया गया था कि आर्डे को पूरी जिंदगी किसी के सहारे की जरूरत होगी। हालांकि, जेसन ने सभी बाधाओं को खत्म कर दिया। उन्होंने बचपन से ही कड़ी मेहनत की। अब 6 मार्च को अपनी प्रोफेसरशिप ग्रहण करेंगे।

आर्डे उच्च शिक्षा में जातीय अल्पसंख्यकों के प्रतिनिधित्व में सुधार करना चाहते हैं। आर्डे कहते हैं, मेरा काम मुख्य रूप से इस बात पर केंद्रित है कि कैसे हम वंचित लोगों के लिए दरवाजे खोल सकते हैं, ताकि उन्हें उच्च शिक्षा मिल सके। आर्डे 11 साल की उम्र तक बोल नहीं पाते थे, लेकिन सैंड्रो सैंड्री की मदद से उन्होंने किशोरावस्था में पढ़ना और लिखना शुरू कर दिया था। सैंड्रो उनके गुरु हैं, उनके दोस्त रहे और उनके कॉलेज शिक्षक के रूप में काम किया। आर्डे ने सरे विश्वविद्यालय से शारीरिक शिक्षा और शिक्षण में डिग्री हासिल की और शिक्षक बन गए। इसके अलावा, उन्होंने शैक्षिक अध्ययन में दो मास्टर डिग्री और पीएचडी की है। 2021 में वह ब्रिटेन के दरहम विश्वविद्यालय में सबसे कम उम्र के प्रोफेसर बन गए। आर्डे ने खुलासा किया कि 10 साल पहले जब वह पीएचडी कर रहे थे, तब उन्होंने अपनी मां के बेडरूम की दीवार पर एक लिस्ट बनाई थी और तय किया कि जीवन में उनके क्या लक्ष्य हैं। उनकी सूची में तीसरा लक्ष्य था, ऑक्सफोर्ड या कैम्ब्रिज में काम करना। उस पल को याद करते हुए उन्होंने कहा, मैं जितना आशावादी हूं, मैंने सोचा भी नहीं था कि ऐसा होगा। उन्होंने इच्छाशक्ति के मूल्य पर भी जोर दिया और कहा, मुझे पता था कि मेरे पास बहुत ज्यादा प्रतिभा नहीं है, लेकिन मुझे पता था कि मैं इसे कितनी बुरी तरह से चाहता था और जानता था कि इसके लिए मैं कितनी मेहनत करना चाहता हूं और आज मैंने वह सब कर दिखाया।

यूएन की बैठक में शामिल हुआ नित्यानंद का देश कैलासा! भारत ने घोषित कर रखा है भगोड़ा

जेनेवा ।

दुष्कर्म के आरोपों में फरार और भारत से भाग चुके विवादों में घिरे स्वयंभू बाबा नित्यानंद के बारे में दावा किया जा रहा है कि उसका देश कैलासा संयुक्त राष्ट्र की एक बैठक में शामिल हुआ है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, यूएन की बैठक में कैलाशा के प्रतिनिधि ने अपने संबोधन के दौरान भारत की आलोचना की। रिपोर्ट्स में कहा गया है कि यूएन की बैठक में कैलासा का पक्ष रख रही महिला ने खुद को विजयाप्रिया नित्यानंद बताया है। इतना ही नहीं, उसने खुद को (कमेटी ऑन इकोनॉमिक, सोशल एंड कल्चरल राइट्स) की बैठक में खुद को कैलासा की राजदूत बताया। महिला का वीडियो यूएन की वेबसाइट पर भी पोस्ट किया गया है। इसमें उसे कहते हुए सुना जा सकता है कि कैलासा हिंदुओं के लिए पहला संप्रभु देश है, जिसे नित्यानंद परमशिवम ने स्थापित किया है। वे हिंदू सभ्यता और हिंदू धर्म की 10000 स्वदेशी परंपराओं को फिर से जीवित कर रहे हैं। इसमें आदि शैव स्वदेशी कृषि जनजातियां भी शामिल हैं।

गौरतलब है कि नित्यानंद के बारे में कहा जाता है कि उसने दक्षिण अमेरिकी महाद्वीप में त्रिनिदाद और टोबैगो के पास इक्काडोर के पास एक द्वीप पर अपना नया देश बसा लिया है। उसने इस देश का नाम कैलासा रखा है। नित्यानंद ने इस नए देश की वेबसाइट भी बनाई है। इस वेबसाइट पर दावा किया गया है- कैलासा बिना सीमाओं का देश है जिसे दुनियाभर से बेदखल हिंदुओं ने बसाया है। वेबसाइट पर कैलासा को महानतम हिंदू राष्ट्र बताया गया है। वह नेपाल के रास्ते इक्काडोर भागा था। हालांकि, इन रिपोर्ट्स की कोई पुष्टि नहीं हुई है।

सिडनी में पुलिस ने भारतीय नागरिक की गोली मारकर की हत्या, भारत ने मांगी पूरी रिपोर्ट

सिडनी ।

ऑस्ट्रेलिया में एक भारतीय नागरिक की वहां की पुलिस ने गोली मारकर हत्या कर दी। ये घटना सिडनी में एक रेलवे स्टेशन पर हुई। जहां कथित तौर पर भारतीय नागरिक द्वारा सफाईकर्मी को चाकू मारने और कानून प्रवर्तन अधिकारियों को धमकाने के बाद ऑस्ट्रेलियाई पुलिस ने यह कदम उठाया। मीडिया रिपोर्ट्स में इसकी जानकारी दी गई है। वहीं, भारत के महावाणिज्य दूतावास ने इस संबंध में ऑस्ट्रेलिया से पूरी रिपोर्ट मांगी है।

तमिलनाडु के निवासी के रूप में हुई पहचान - मृतक भारतीय नागरिक की पहचान तमिलनाडु के रहने वाले 32 साल के मोहम्मद रहमतुल्लाह सैयद अहमद के रूप में हुई है। सिडनी में भारत के महावाणिज्य दूतावास ने उसकी पहचान की है। सिडनी पुलिस अधिकारियों के हवाले से बताया कि अहमद ने मंगलवार को सिडनी के ऑबर्न ट्रेन स्टेशन पर 28 वर्षीय सफाईकर्मी पर कथित तौर पर हमला किया। इसके बाद उसने दो पुलिस अधिकारियों पर भी हमला करने की कोशिश की। उसी दौरान एक पुलिस अधिकारी ने तीन गोलियां चलाई, जिनमें से दो अहमद के सीने में लगीं। इस दौरान एक प्रोबेशनरी कॉन्स्टेबल ने उस पर अपने टेजर का भी इस्तेमाल किया। हालांकि, उसे तुरंत प्राथमिक चिकित्सा देकर उसे स्थानीय अस्पताल ले जाया गया, लेकिन वहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। रिपोर्ट्स के मुताबिक, मृतक भारतीय नागरिक ब्रिजिंग वीजा पर ऑस्ट्रेलिया में रह रहा था।

पुलिस बोली- आत्मरक्षा में मारी गोली - न्यू साउथ वेल्स के पुलिस सहायक आयुक्त स्टुअर्ट स्मिथ ने इस बारे में कहा कि पुलिस अधिकारियों के पास जवाब देने के लिए कुछ ही सेकंड थे। अपनी जान बचाने के लिए उनके पास अहमद को गोली मारने के अलावा कोई विकल्प नहीं बचा था। उन्होंने कहा कि यह दर्दनाक है। हमारे पुलिस स्टेशनों में से एक में यह एक महत्वपूर्ण घटना है। इस मामले की जांच के लिए आतंकवाद निरोधी इकाई की भी मदद ली जाएगी। वहीं, वाणिज्य दूतावास ने इस घटना बेहद परेशान करने वाला और दुर्भाग्यपूर्ण बताया है। उन्होंने कहा कि हमने औपचारिक रूप से विदेश मामलों और व्यापार विभाग, न्यू साउथ वेल्स कार्यालय के साथ-साथ राज्य पुलिस अधिकारियों के सामने इस मामले को उठाया है।

भारत ने दी ये प्रतिक्रिया - वहीं, भारत के महावाणिज्य दूतावास ने कहा कि ऑबर्न रेलवे स्टेशन पर छुरा घोंपने की घटना में अहमद की पहचान एक संदिग्ध के रूप में की गई थी। साथ ही वह पुलिस को हर संभव सहायता प्रदान कर रहा था।

बाइडन ने राष्ट्रपति के निर्यात परिषद के लिए प्रमुख नियुक्तियों की घोषणा की, दो भारतीय-अमेरिकी के नाम शामिल

वाशिंगटन ।

अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने मंगलवार को राष्ट्रपति के निर्यात परिषद के लिए प्रमुख नियुक्तियों की घोषणा की। व्हाइट हाउस ने बताया कि इस सूची में दो भारतीय-अमेरिकियों पुनीत रंजन और राजेश सुब्रमण्यम के नाम शामिल हैं। ये निर्यात परिषद के सदस्य होंगे। मार्क डी. ईन को परिषद का चेयरमैन और रोजालिंड ब्रेवर को वाइस चेयरमैन बनाया गया है। इस सूची में दो भारतीय-अमेरिकियों समेत कुल 25 लोग शामिल हैं। इस परिषद में चेयरमैन और वाइस चेयरमैन के साथ 23 लोगों को सदस्य बनाया गया है।

क्या है राष्ट्रपति की निर्यात परिषद - राष्ट्रपति की निर्यात परिषद अंतरराष्ट्रीय व्यापार के लिए प्रमुख राष्ट्रीय सलाहकार समिति के रूप में कार्य करती है। परिषद राष्ट्रपति को उन सरकारी नीतियों और कार्यक्रमों के बारे में सलाह देती है जो अमेरिकी व्यापार प्रदर्शन को प्रभावित करते हैं। यह निर्यात विस्तार को बढ़ावा देता है और व्यापार, औद्योगिक, कृषि, श्रम और सरकारी क्षेत्रों के बीच व्यापार संबंधी समस्याओं पर चर्चा करने और उनका समाधान करने के लिए एक मंच प्रदान करता है।

कौन हैं पुनीत रंजन - पुनीत रंजन एक शीर्ष भारतीय-अमेरिकी कारोबारी हैं और वह पिछले साल डेलॉयट ग्लोबल के सीईओ पद से सेवानिवृत्त हुए थे। पुनीत जून 2015 से डेलॉयट ग्लोबल में सीईओ की भूमिका निभा रहे थे।पुनीत फिलहाल डेलॉयट ग्लोबल के एमेरिटस सीईओ के रूप में कार्य कर रहे हैं। व्हाइट हाउस की विज्ञप्ति के अनुसार, पुनीत के नेतृत्व में डेलॉयट ने वर्ल्डक्लास को लॉन्च किया, जो कि अवसर की दुनिया के लिए एक करोड़ वंचित लोगों को तैयार करने के लिए एक वैश्विक प्रयास है, इस विश्वास के आधार पर कि जब समाज पनपता है, तो कारोबार पनपता है। रंजन को अपने नेतृत्व, व्यापार कौशल और सामाजिक प्रभाव के प्रतिबद्धता के लिए कई संगठनों से मान्यता प्राप्त है। रंजन ने सीईओ के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान एक वैश्विक रणनीति विकसित और कार्यान्वित की जिसके परिणामस्वरूप डेलॉयट दुनिया में अग्रणी पेशेवर सेवा संगठन बन गया और इसे सबसे मजबूत और सबसे मूल्यवान वाणिज्यिक सेवा ब्रांड के रूप में पहचाना जाने लगा। 2022 में रंजन को ग्लोबल इंडियन ऑफ द ईयर के रूप में मान्यता दी गई थी। और वह अमेरिका के कार्नेगी कॉर्पोरेशन में 34 महान प्रवासियों में से एक हैं। 2021 में यूएस-इंडिया स्ट्रेटेजिक पार्टनरशिप फोरम ने रंजन को ग्लोबल अचीवमेंट अवार्ड से नवाजा था। 2020 में, उन्हें ओरेगन हिस्ट्री मेकर्स मेडल से सम्मानित किया गया था। बाइडन की सूची में एक अन्य भारतीय-अमेरिकी राजेश सुब्रमण्यम भी शामिल हैं। सुब्रमण्यम दुनिया की सबसे बड़ी परिवहन कंपनियों में से एक फेडेक्स कॉर्पोरेशन के अध्यक्ष और सीईओ और निदेशक मंडल के सदस्य हैं। सुब्रमण्यम, फेडेक्स कॉर्पोरेशन के अध्यक्ष और सीईओ के रूप में सभी फेडेक्स ऑपरेटिंग कंपनियों के लिए रणनीतिक दिशा प्रदान करने के लिए जिम्मेदार हैं। उन्होंने पहले ऑपरेटिंग कंपनियों के फेडेक्स पोर्टफोलियो में संचालन और मार्केटिंग में कई नेतृत्व भूमिकाएं निभाई हैं। 2023 में सुब्रमण्यम को प्रवासी भारतीय सम्मान पुरस्कार मिला है। यह पुरस्कार भारत के राष्ट्रपति द्वारा भारत और विदेशों में उत्कृष्ट उपलब्धियों की पहचान के लिए भारतीय प्रवासियों को दिया जाने वाला सर्वोच्च नागरिक पुरस्कार है।

तुर्किये-सीरिया भूकंप के 21 दिन बाद घोड़े का रेस्क्यूः टर्किश बिजनेसमेन तनसु येगेन ने वीडियो शेयर किया; अब तक 50 हजार से ज्यादा मौतें

तुर्किये। तुर्किये के अदियामन शहर में भूकंप के 21 दिन बाद एक घोड़े को रेस्क्यू किया गया है। 27 फरवरी को घोड़े को मलबे से बाहर निकाला गया था। अब इसका वीडियो वायरल हो रहा है। तुर्किये-सीरिया में 6 फरवरी को 7.8 तीव्रता का भूकंप आया था। अब तक कुल 50,325 लोगों की मौत हो चुकी है। अदियामन भूकंप से सबसे ज्यादा प्रभावित शहरों में से एक है। तुर्किये के बिजनेसमेन तनसु येगेन ने घोड़े का रेस्क्यू वीडियो शेयर किया है। उन्होंने लिखा- अद्भुत, रेस्क्यू टीम ने 21 दिन बाद मलबे से घोड़े को जिंदा बाहर निकाला। इस वीडियो को 34 लाख से ज्यादा लोग देख चुके हैं। कुछ यूजर्स ने इस पर कमेंट भी किया है। एक यूजर ने लिखा- तुर्किये-सीरिया में जानवरों को अब भी मदद की जरूरत है। दूसरे यूजर ने लिखा- 21 दिन बिना पानी के घोड़े ने सर्वाइव किया। ये हैरान कर देने वाला है। तुर्किये और सीरिया में 6 फरवरी को सुबह 3 बड़े भूकंप आए थे। तुर्किये के वक्त के मुताबिक, पहला भूकंप सुबह करीब चार बजे (7.8), दूसरा करीब 10 बजे (7.6) और तीसरा दोपहर 3 बजे (6.0) आया। भूकंप का एपिसेंटर तुर्किये का गाजियांटेप शहर रहा। यह सीरिया बॉर्डर से 90 किमी दूर है। इसलिए इसके आसपास के इलाकों में ज्यादा तबाही हुई। तुर्किये में अब तक 44,374 लोगों की जान जा चुकी है। सीरिया में 5,951 लोग मारे गए हैं।

प्रदेश के 17 शहरों में 27 आवासीय और एक व्यवसायिक योजना लॉन्च

जयपुर, (हि.स.)। नगरीय विकास एवं स्वायत्त शासन मंत्री शांति धारीवाल और आवासन आयुक्त पवन अरोड़ा ने बुधवार को प्रदेश के 14 जिलों के 17 शहरों में 4500 से ज्यादा फ्लैट-विलाज के लिए विभिन्न आवासीय एवं एक व्यावसायिक योजना लॉन्च की। नगरीय विकास एवं स्वायत्त शासन मंत्री ने बताया कि राजस्थान आवासन मंडल ने अपनी थीम ह्यहमारा प्रयास, सबको आवासह्य को मजबूत करते हुए महत्वपूर्ण आवासीय योजनाओं को लॉन्च किया है। सरकार की मंशा है कि आमजन को उचित कीमत में गुणवत्तायुक्त आवास मिल सके। धारीवाल ने कहा कि वर्तमान सरकार द्वारा कोरोना काल के बावजूद 15 छोटे शहरों में 3 हजार नए आवास बनाकर कब्जे दे चुका है। मुख्यमंत्री शिक्षक एवं प्रहरी आवासीय योजना में भी 576 आवासों का कब्जा दिया जा चुका है तथा मुख्यमंत्री जन आवास भी योजना के तहत निर्मित 4500 आवास भी कब्जा देने के लिए तैयार हैं। इसके अलावा एआईएस रेजीडेंसी प्रथम व द्वितीय में 340, एसएस रेजिडेंसी में 160, स्टूडियो अपार्टमेंट में 300 आवास निर्माणधीन हैं। उन्होंने कहा कि आज फिर से प्रदेश के 14 जिलों के 17 शहरों में फ्लैट और आवासों की नई आवासीय योजनाओं का शुभारम्भ करने जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि वर्तमान सरकार के कार्यकाल में लगभग 13 हजार 500 से ज्यादा नए आवास आमजन को उपलब्ध करवाये गए हैं। नगरीय विकास एवं स्वायत्त शासन मंत्री ने कहा कि अब मंडल के आवास नहीं बिकने की समस्या समाप्त हो गई है। जनता में आवासन मण्डल के प्रति विश्वास वापिस कायम हो गया है। अब हर योजना में तीन से पांच गुना आवेदन प्राप्त हो रहे हैं। उन्होंने बताया कि पिछले 4 वर्षों में मंडल द्वारा 14 हजार 500 अधिशेष आवासों का बेचान किया गया तथा 12 हजार 500 नए आवास आमजन को उपलब्ध करवाये जा रहे हैं।

आवासन आयुक्त पवन अरोड़ा ने बताया कि जयपुर के प्रताप नगर में 132 शोरूम वाली ग्रीनवुड शॉपिंग आर्केड व्यावसयिक योजना सहित प्रताप नगर सेक्टर 22, 23, 26 और 28 में कुल 1332 और जोधपुर के बड़ली में 1090, चौपासनी में 288,अजमेर के ब्यावर में 57, उदयपुर के हिरण मगरी में 24, भीलवाड़ा के पटेल नगर 41, चित्तौड़गढ़ के निंबाहेडा में 71, किशनगढ़ के खोड़ा में 175, हनुमानगढ़ में 504, बूंदी के लाखेरी में 317, आबूरोड में 189, टोंक के निवाई में 77, चूरु में 10, धौलपुर में 45, भिंडर में 22, सलूंबर में 27, शाहपुरा में 83, बड़ी सादड़ी में 74, बांसवाड़ा परतापुर में 80, डूंगरपुर में 63 एचआईजी, एमआईजी, एलआईजी और ईडब्ल्यूएस श्रेणी के आवासों के लिए योजनाओं का शुभारंभ किया है। अरोड़ा ने बताया आवासन मंडल पहली बार निजी क्षेत्र की तर्ज पर जयपुर में अत्याधुनिक स्वतंत्र विला और 4 बीएचके लग्जरी फ्लैट्स की योजना लाया है,जिसमें गेटेड कम्युनिटी, लैंडस्केपिंग, क्लब हाउस, इनडोर-आउटडोर गेम्स की सुविधा, वॉक-वे, सुरक्षा, 24 घण्टे पानी बिजली का प्रबंध है। उन्होंने बताया कि उपभोक्ताओं के लिए बैंकों द्वारा 90 प्रतिशत तक बैंक लोन की भी सुविधा उपलब्ध करवाई जा रही है।

बारहवीं और दसवीं की तीन अप्रैल को होनी वाली परीक्षा की तिथि में बदलाव, अब चार अप्रैल को होगी परीक्षा

जयपुर, (हि.स.)। राज्य सरकार की ओर से 3 अप्रैल को महावीर जयंती पर सार्वजनिक अवकाश घोषित करने के कारण राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड ने 12वीं और 10वीं की 3 अप्रैल को होने वाली परीक्षा की तिथि में बदलाव कर इसे 4 अप्रैल को करवाने का निर्णय किया है। इसके बाद अब पहली से सातवीं तथा 9वीं और 11वीं कक्षाओं की वार्षिक परीक्षाओं की तिथि में बदलाव किए जाने की मांग उठ रही है। गौरतलब है कि कक्षा 12 की वार्षिक परीक्षाएं 9 मार्च से प्रारंभ होगी तथा 12 अप्रैल को सम कक्षा 10 की परीक्षाएं 16 मार्च से प्रारंभ होगी तथा 11 अप्रैल को समाप्त होगी। बोर्ड परीक्षा 21 मार्च से प्रारंभ तथा 11 अप्रैल समाप्त, कक्षा 5 की बोर्ड परीक्षा 21 मार्च से प्रारंभ तथा 8 अप्रैल को समाप्त होगी। शिविरा पंचांग 2022-23 के अनुसार कक्षा एक से सात, 9 व 11 की वार्षिक परीक्षाओं की तिथि में बदलाव किए जाने की मांग हो रही है। गौरतलब है कि शिविरा पंचाग के मुताबिक 2022 23 के अनुसार कक्षा एक से सात, कक्षा 9 और 11 की वार्षिक परीक्षाएं 6 से 25 अप्रैल तक प्रस्तावित हैं।

वहीं 12वीं बोर्ड की परीक्षाएं 9 मार्च से 12 अप्रैल तक और 10वीं बोर्ड की परीक्षाएं 16 मार्च से 11 अप्रैल तक चलेंगी। वहीं आठवीं कक्षा की परीक्षाएं 21 मार्च से आरंभ होकर 8 अप्रैल को समाप्त होंगी। पांचवीं बोर्ड की परीक्षाएं 21 मार्च से प्रारंभ होकर 8 अप्रैल को समाप्त होंगी। गौरतलब है कि शिक्षा विभाग की व्यवस्था के मुताबिक बोर्ड की परीक्षाएं समाप्त होने के दो दिन के बाद ही होम एग्जाम करवाए जाते हैं लेकिन इस बार ऐसा नहीं किया गया है। कक्षा 10वीं और 12वीं और पंजीयक शिक्षा विभागीय परीक्षाएं की ओर से आयोजित पांचवीं और आठवीं और होम एग्जाम्स की तिथियां एक साथ पड़ रही हैं। राजस्थान प्राथमिक और माध्यमिक शिक्षक संघ ने परीक्षाओं की तिथि में संशोधन की मांग की है। संघ के महामंत्री महेंद्र पांडे ने कहा कि विभाग की पहली से सातवीं, 9वीं और 11वीं कक्षाओं की वार्षिक परीक्षाओं की तिथि में पुन निर्धारण किया जाना चाहिए।

रोडवेज की साधारण बसों के किराए में महिलाओं को अब पचास प्रतिशत छूट

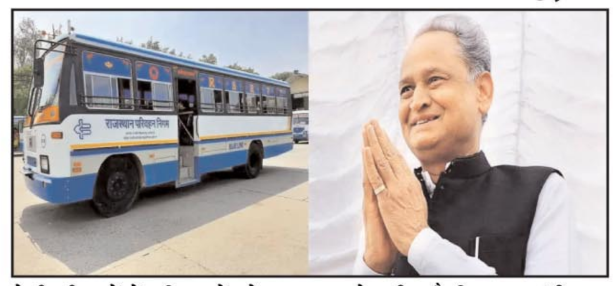

जयपुर, (हि.स.)। राजस्थान रोडवेज की बसों में अब महिलाओं को सिर्फ 50 प्रतिशत किराया ही देना होगा। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने महिलाओं को राजस्थान राज्य पथ परिवहन निगम की साधारण बसों में राज्य की सीमा में किराए की छूट सीमा में बढ़ोतरी के प्रस्ताव को मंजूरी दी है। राजस्थान रोडवेज की साधारण बसों में छूट 30 प्रतिशत से बढ़ाकर 50 प्रतिशत की गई है। यह छूट 1 अप्रेल, 2023 से लागू की जाएगी। साथ ही, निगम की साधारण बसों के अतिरिक्त शेष श्रेणी की बसों में महिलाओं को 30 प्रतिशत छूट यथावत रहेगी। इस निर्णय से राज्य सरकार पर लगभग 3.50 करोड़ रुपये का अतिरिक्त वार्षिक वित्तीय भार आएगा। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री द्वारा वर्ष 2023-24 बजट में छूट बढ़ोतरी के संबंध में घोषणा की गई थी। उक्त घोषणा के क्रम में यह मंजूरी दी गई है।

डीसी ने लद्दा धार के दूर-दराज इलाकों का व्यापक दौरा कर काम की गति का लिया जायजा

उधमपुर, (हि.स.)। जिले में विभिन्न सेक्टरों द्वारा क्रियान्वित किए जा रहे विकास कार्यों की स्थिति और प्रगति की निगरानी के लिए उपायुक्त उधमपुर कृतिका ज्योत्सना ने लद्दा धार के दूरस्थ क्षेत्रों का व्यापक दौरा किया और चल रहे कार्यों की गति का निरीक्षण किया। उल्लेखनीय है कि जिला प्रशासन उधमपुर ने अपने पर्यटन ग्राम विकास कार्यक्रम के तहत लद्दा धार और आसपास के स्थलों को विकसित करने की योजना बनाई है। डीसी ने कहा कि लद्दा धार और अन्य पर्यटन स्थलों को विकसित करने का मुख्य उद्देश्य पर्यटकों को आकर्षित करना है क्योंकि इस क्षेत्र में पर्यटन की अपार संभावनाएं हैं। डीसी ने पीआरआई सदस्यों व क्षेत्र की आम जनता से भी बातचीत की और उनकी मांगों को सुना। उन्होंने चिनैनी से लद्दा धार और लद्दा से नत्थाटॉप तक सड़क निर्माण की मांग की। डीसी ने हितधारक विभागों को इसके सुचारू कार्यान्वयन के लिए पीआरआई के परामर्श से एक समग्र योजना तैयार करने का निर्देश दिया। पर्यटन विभाग को इस अवसर का लाभ उठाने और क्षेत्र में आकर्षक पर्यटन क्षेत्र को बढ़ावा देने में भागीदार बनने के लिए होम-स्टे प्रणाली के बारे में लोगों को जागरूक करने का निर्देश दिया गया। मांगों पर डीसी ने आश्वासन दिया कि सभी जायज मांगों का प्राथमिकता के आधार पर निराकरण किया जाएगा।

कश्मीर घाटी में शीतकालीन अवकाश के बाद बच्चों ने किया स्कूल का रूख

श्रीनगर, (हि.स.)। कश्मीर घाटी बुधवार को उस समय जीवंत हो उठी जब बच्चों ने सर्दियों की लंबी छुट्टियों के बाद स्कूलों का रुख किया। स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा श्रीनगर शहर में सुबह 9 बजे से दोपहर 2 बजे तक स्कूलों के समय में बदलाव किए जाने के कारण वर्दी पहने हुए छात्र सुबह सवेरे ही अपने-अपने स्कूलों की ओर जाते देखे गए। पुंछ जिले के विंटर जोन में भी बुधवार को स्कूल खुल गए। पुंछ के शीतकालीन क्षेत्रों में सैकड़ों छात्र निजी और सरकारी स्कूलों में जाते हैं। इस सत्र में ज्यादातर छात्रों की परीक्षा होगी। कक्षा 5वीं तक के स्कूलों में 1 दिसंबर से 28 फरवरी तक, 6वीं से 8वीं तक की कक्षाओं में 12 दिसंबर तक और 9वीं से 12वीं कक्षा तक के स्कूलों में 19 दिसंबर तक शीतकालीन अवकाश मनाने का आदेश दिया गया था। बुधवार को कक्षा पांचवीं तक के बच्चों की कक्षाओं को अवकाश के बाद खोला गया है जबकि इससे बड़ी कक्षाओं को दिसंबर में ही शुरू कर दिया गया था।

गुलमर्ग में 5 सेमी. ताजा बर्फबारी, जम्मू-कश्मीर के मैदानी इलाकों में बारिश हुई

श्रीनगर, (हि.स.)। गुलमर्ग में 5 सेमी. बर्फबारी के साथ ही जम्मू-कश्मीर के ऊपरी इलाकों में हल्की बर्फबारी हुई है, जबकि मैदानी इलाकों में बारिश हुई। मौसम विभाग ने अगले 24 घंटों के दौरान जम्मू-कश्मीर में रुक-रुक कर बारिश और बारिश की संभावना जताई है। मौसम विभाग के एक अधिकारी ने बताया कि 3 से 7 मार्च के दौरान जम्मू-कश्मीर में मुख्य रूप से शुष्क मौसम रहने की संभावना है। उन्होंने कहा कि पिछले 24 घंटे से लेकर बुधवार सुबह साढ़े आठ बजे तक श्रीनगर में 0.6 मिमी, पहलगाम में 0.7 मिमी, कुपवाड़ा में 2.1 मिमी, जम्मू में बूंदाबांदी, बनिहाल में 1.2 मिमी और भद्रवाह में 1.1 मिमी बारिश हुई है, जबकि गुलमर्ग में 5 सेमी. बर्फबारी हुई है। श्रीनगर में न्यूनतम तापमान 6.4 डिग्री सेल्सियस, काजीगुंड में 5.0 डिग्री सेल्सियस, पहलगाम में 0.6 डिग्री सेल्सियस, कोकरनाग में 3.4 डिग्री सेल्सियस, गुलमर्ग मे शून्य से नीचे 3.0 डिग्री सेल्सियस, कुपवाड़ा शहर में 4.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। जम्मू में न्यूनतम तापमान 14.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। बनिहाल में न्यूनतम तापमान 5.6 डिग्री सेल्सियस (सामान्य से 3.4 डिग्री सेल्सियस अधिक), बटोत में 6.8 डिग्री सेल्सियस (सामान्य से 3.3 डिग्री सेल्सियस अधिक), कटरा में 12.5 डिग्री सेल्सियस (सामान्य से 3.0 डिग्री सेल्सियस अधिक) और भद्रवाह में 5.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। लद्दाख के लेह और कारगिल में न्यूनतम तापमान क्रमशः शून्य से नीचे 5.6 डिग्री सेल्सियस और 3.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

टीजीटी परीक्षा दे सकेंगे 2015 में एचटेट पास युवा, विरोध के बाद हरियाणा सरकार ने बदला फैसला

चंडीगढ़ (ईएमएस)। हरियाणा सरकार ने टीजीटी को लेकर अपने फैसले से यू-टर्न लेते हुए 2015 में हरियाणा टीचर्स एलिजिबिलिटी टे (एचटेट) पास करने वाले युवाओं को बड़ी राहत दी है। प्रदेश सरकार ने पहले साल 2015 में एचटेट पास करने वाले युवाओं को टीजीटी के 7 हजार 471 पदों से बाहर कर दिया था। इसे लेकर विपक्ष ने खूब हंगामा किया। अब सरकार ने अपने फैसले को बदलते हुए इन युवाओं को भर्ती प्रक्रिया में शामिल कर लिया है। दरअसल हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग(एचएसएससी) द्वारा सितंबर 2022 में टीजीटी के लिए 7471 पदों पर आवेदन मांगे गए थे। उस दौरान 2015 में एचटेट पास करने वाले अभ्यर्थी इस भर्ती में आवेदन करने के लिए योग्य थे, क्योंकि उनके प्रमाण पत्रों की वैधता 31 दिसंबर 2022 तक थी। वहीं बाद में सेवा नियमों में बदलाव होने के बाद इस भर्ती को वापस ले लिया गया था। इसके बाद आयोग ने संशोधित सेवा नियमों के साथ इन पदों पर भर्ती निकाली थी, लेकिन इस बीच 2015 में एचटेट पास अभ्यर्थियों को इस भर्ती के लिए अपात्र घोषित कर दिया गया था। सेवा नियमों में संशोधन के चलते सितंबर, 2022 में निकाली गई भर्ती को वापस लेते समय सरकार आयोग ने युवाओं से वादा किया था कि 2015 में एचटेट पास करने वाले युवाओं को भी नए सिरे से निकाली जाने वाली भर्ती प्रक्रिया में आवेदन करने का मौका मिलेगा। वहीं अपने वादे से मुकरते हुए आयोग ने 2015 में एचटेट पास करने वाले युवाओं को इस भर्ती के लिए अपात्र घोषित कर दिया था। इसे लेकर जहां एचटेट अभ्यर्थियों ने हंगामा किया तो वहीं विपक्ष ने भी इस मुद्दे को जमकर उछाला। लिहाजा अपने फैसले को लेकर सरकार बैकफुट पर आ गई और 2015 में एचटेट पास करने वाले युवाओं को भर्ती प्रक्रिया में शामिल होने के लिए नोटिफिकेशन जारी कर दिया है।

जनस्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों व लेबर के साथ मारपीट

फतेहाबाद, (हि.स.)। टोहाना के मेडिकल एन्कलेव में बुधवार को सीवरेज लाइन डालने के दौरान एक व्यक्ति द्वारा सम्बंधित विभाग के कर्मचारियों व ठेकेदार की लेबर के साथ हाथापाई करने और पिस्तौल दिखाते हुए जान से मारने की धमकी देने का मामला सामने आया है। इस बारे जनस्वास्थ्य विभाग के उपमंडल अभियंता ने पुलिस को शिकायत दर्ज करवाई है।

पुलिस को दी शिकायत में जनस्वास्थ्य विभाग टोहाना के उपमंडल अभियंता मनदीप ने कहा है कि टोहाना के मेडिकल एन्कलेव गली नंबर 4 में विभाग द्वारा सीवरेज लाइन डालने का कार्य किया जा रहा है। गत दिवस विभाग की टीम के सुपरवाइज रवि कुमार के साथ ययाति शर्मा नामक व्यक्ति ने गाली गलौच की और हाथापाई करने लगा। अधिकारी ने आरोप लगाया कि उक्त व्यक्ति ने सुपरवाइजर के साथ न केवल मारपीट की बल्कि जान से मारने की धमकी देते हुए सरकारी काम में भी बाधा पहुंचाई। अधिकारी ने कहा कि आरोपी मौके पर कार्यरत अन्य स्टाफ को जान से मारने की धमकी देता है और बार-बार परेशान कर रही है। उसने ठेकेदार की लेबर के साथ भी हाथापाई करते हुए जातिसूचक शब्दों का इस्तेमाल किया और पिस्तौल दिखाते हुए उन्हें धमकाया। इस पर बालाजी बिल्डर्स के ठेकेदार अमित ने अपने बचाव में डायल 112 पर कॉल की। इस मामले में पुलिस ने आरोपी के खिलाफ सरकारी काम में बाधा पहुंचाने, जातिसूचक शब्द कहने, मारपीट कहने व जान से मारने की धमकी देने के आरोप में केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

आप सरकार ने मुफ्त बिजली के वादे सिर्फ 3 माह में पूरे किये : हरभजन सिंह

चंडीगढ़ (ईएमएस)। पंजाब में गर्मियों में बिजली सप्लाई पर कैबिनेट मंत्री हरभजन सिंह ने कहा कि सीएम मान के नेतृत्व में आप सरकार ने लोगों से किए मुफ्त बिजली देने के वादे को सत्ता में आने के बाद सिर्फ 3 माह में ही पूरा कर दिया था। जिससे पंजाब के 88 फीसदी लोगों के जीरो बिल आए हैं। उन्होंने कहा कि धान के सीजन में घरेलू और कर्मिशयल खपतकारों के अलावा किसानों को दिन-रात निर्विघ्न बिजली दी गई और बिजली की भारी मांग के बाद भी रिकॉर्ड तोड़ बिजली मुहैया करवाई थी। पिछली सरकारों दौरान बिजली के बड़े-बड़े कटों से परेशान पंजाब के लोगों ने आम आदमी सरकार की भरपूर प्रशंसा की, जबकि किसानों की हालत बहुत बदतर थी। उन्हें सिर्फ 8 घंटे की बिजली भी कट लगा-लगा कर दी जाती थी, इसलिए पानी और समय की बहुत बबार्दी होती थी। किसानों को भी भारी परेशानी का सामना करना पड़ता था, लेकिन हमारी सरकार ने राज्य की किसानी को निर्विघ्न बिजली दी है। इस बार भी गर्मियों के सीजन दौरान बिजली को लेकर राज्य के अंदर किसी भी तरह की कोई कमी नहीं आने दी जाएगी और पिछले सीजन की तरह इस बार भी रिकॉर्डतोड़ बिजली सप्लाई होगी। उन्होंने कहा कि पंजाब सरकार अपने किए वादों के मुताबिक लोकहित में बढ़-चढ़ कर काम करेगी।

गुरुग्राम में जी-20 देशों की एंटी करप्शन वर्किंग ग्रुप की बैठक का हुआ शुभारंभ

-पहले दिन विदेशी प्रतिनिधियों ने रखे अपने विचार

गुरुग्राम, (हि.स.)। हरियाणा के गुरुग्राम में बुधवार को जी-20 देशों की एंटी करप्शन वर्किंग ग्रुप की बैठक का शुभारंभ केंद्रीय मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने किया है। एक दिन पूर्व ही भारत पहुंचे विदेशी प्रतिनिधियों का हरियाणवी संस्कृति से भव्य स्वागत करके उन्हें गुड फील कराया गया। इस बैठक में भ्रष्टाचार के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय मुहिम के कई विषयों पर गहन चर्चा हो रही है। पहले दिन योग के साथ विदेशी मेहमानों के दिन की शुरूआत हुई। उद्घाटन सत्र में भारत की ओर से जी20 एसीडब्ल्यूएजी चेयर राहुल सिंह व इटली से को-चेयर गियोवन्नी तरतागलिया ने सभी अतिथियों का स्वागत किया। भारत के पर्सनल एवं ट्रेनिंग विभाग के सचिव राधा चौहान, इटली से प्रेजीडेंट नेशनल एडमिनिस्ट्रेशन स्कूल एवं पूर्व कानून मंत्री प्रो. पाओला सेवेरिनो व केंद्रीय मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने अपना वक्तव्य दिया। पहले सत्र में भ्रष्टाचार और संबंधित आर्थिक अपराधों के खिलाफ लड़ाई को मजबूत करने के लिए सूचना सांझाकरण में सुधार पर चर्चा की गई। इसमें सेंट्रल बोर्ड ऑफ डायरेक्ट टैक्सेज के चेयरमैन नितिन गुप्ता ने संबोधित किया। जी-20 देशों की गुरुग्राम में बैठक तीन दिन तक चलेगी। इसके बाद 4 मार्च को विदेशी प्रतिनिधिमंडल को हरियाणा की कला एवं संस्कृति से रूबरू कराया जाएगा। उनके सम्मान में कई तरह से तैयारियां की गई हैं।

ठाकुर बीरसिंह पार्क का निरीक्षण करने पहुंचे केंद्रीय मंत्री राव इंद्रजीत

भिवानी, (हि.स.)। यहां पहुंचे केंद्रीय मंत्री राव इंद्रजीत सिंह ने भाजपा में घुटन की चचाओं को सिरे से नकारा। उन्होंने कहा कि भाजपा में उनकी रूचि है और मोदी में आस्था। बढ़ती महंगाई व बेरोजगारी को उन्होंने कोरोना को जिम्मेदार बताया। वे बुधवार को यहां ठाकुर बीर सिंह पार्क का निरीक्षण करने पहुंचे थे। राव इंद्रजीत सिंह ने स्व. ठाकुर बीर सिंह की फोटो पर पुष्प अर्पित कर नमन किया। इस दौरान ठाकुर बीरसिंह के परिजनों व भाजपा नेताओं द्वारा उनका गर्म जोशी से स्वागत किया गया। राव इंद्रजीत सिंह ने भरोसा दिलाया कि ठाकुर बीरसिंह पार्क का सौंदर्यकरण करने के लिए एमपी व डीसी को कहा है। इस दौरान राव इंद्रजीत सिंह ने बिरेंद्र सिंह द्वारा कई बड़े नेताओं के भाजपा में घुटन महसूस करने के सवाल पर कहा कि मेरी रूचि भाजपा में है और मोदी में आस्था। मेरे बारे में कोई ऐसे सोचे तो गलत है।

साथ ही बढ़ती महंगाई व बेरोजगारी के लिए उन्होंने कोरोना काल को जिम्मेवार बताया। राव ने कहा कि हमारा दुर्भाग्य था कि तीन साल कोरोना काल में निकल गए, तब हमारे मुल्क ही नहीं पूरी दुनिया पर आर्थिक मार पड़ी। पर मोदी की वजह से हमारे मुल्क ने दुसरे मुल्कों की तुलना में तेजी से आर्थिक हालात सुधारें और आज हमारे मुल्क को समृद्ध मुल्क माना जाता है। इसका श्रेय केवल मोदी को जाता है।

बिना टैक्स बढ़ाए पेश किए गए बजट के असली परिणाम आने शुरू हुए : वजीर पूनिया

रसोई गैस सिलेंडर के दाम बढ़ाकर केन्द्र ने जनता पर नया बोझ डाला

यूपीए शासन में हो हल्ला मचाने वाले भाजपाई मंत्री पद मिलने ही हुए शांत

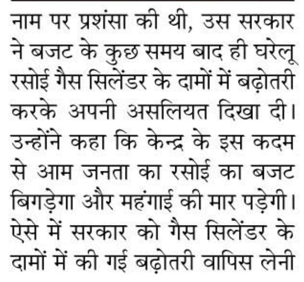

हिसार, (हि.स.)। वरिष्ठ कांग्रेस नेता वजीर सिंह पूनिया ने केन्द्र सरकार द्वारा घरेलू गैस के दाम बढ़ाए जाने की निंदा की है। उन्होंने कहा कि बजट में कोई नया कर न लगाने का राग अलापकर वाहवाही बटोरने वाली भाजपा सरकार ने घरेलू गैस सिलेंडर के दाम 50 रुपये बढ़ाकर महंगाई का तड़का लगा दिया है। रसोई गैस मूल्य वृद्धि की आलोचना करते हुए वजीर सिंह पूनिया ने बुधवार को कहा कि बिना कोई टैक्स बढ़ाए पेश किए गए बजट के असली परिणाम सामने आने शुरू हो गए हैं। वास्तव में भाजपा सरकार बजट तो बिना टैक्स का पेश करती है, उसके नाम पर वाहवाही बटोरती है और सरकार समर्थक लोग अपने गले में बंधा पार्टी का ढोल बजाते हैं। अब ऐसे लोगों को अपनी सरकार से भी जवाब मांगना चाहिए कि जिस सरकार की हमने बजट के नाम पर प्रशंसा की थी, उस सरकार ने बजट के कुछ समय बाद ही घरेलू रसोई गैस सिलेंडर के दामों में बढ़ोतरी करके अपनी असलियत दिखा दी। उन्होंने कहा कि केन्द्र के इस कदम से आम जनता का रसोई का बजट बिगड़ेगा और महंगाई की मार पड़ेगी। ऐसे में सरकार को गैस सिलेंडर के दामों में की गई बढ़ोतरी वापिस लेनी चाहिए। कांग्रेस नेता वजीर सिंह पूनिया ने कहा कि यूपीए शासन के दौरान रसोई गैस सिलेंडर सड़कों पर रखकर प्रदर्शन करने वाले भाजपा के बड़े नेता अब केन्द्र में मंत्री पद पाकर शांत हो गये हैं। जिस समय ये नेता प्रदर्शन करते थे, उस समय रसोई गैस सिलेंडर की कीमत 450 रुपये थी लेकिन वर्तमान में सिलेंडर की कीमत उस समय से लगभग तीन गुणा हो गई है, फिर भी भाजपा नेताओं को सिलेंडर महंगा नजर नहीं आ रहा। यही नहीं, यूपीए शासन में कभी कभार पेट्रोल डीजल के दाम बढ़ने पर हो हल्ला मचाने वालों के शासन में पेट्रोल व डीजल की कीमतें आसमान छू रही है और दाम हर रोज बढ़ रहे हैं। उन्होंने केन्द्र सरकार से मांग की कि पेट्रोल, डीजल के दाम कम किए जाएं और रसोई गैस के मूल्यों में की गई बढ़ोतरी तुरंत वापिस ली जाए।

अदाणी समूह के आठ शेयरों में रही तेजी, 30000 करोड़ बढ़ी बाजार पूंजी

नई दिल्ली ।
हिंडनबर्ग की रिपोर्ट के आरोपों के बीच, मंगलवार को अदाणी समूह की कंपनियों के शेयरों में भारी तेजी रही। अदाणी इंटरप्राइजेज सर्वाधिक 14.22 फीसदी बढ़कर बंद हुआ। कुल 10 में से 8 शेयरों में तेजी रही, जबकि दो में गिरावट रही। इसी के साथ समूह का कुल पूंजीकरण सोमवार के 6.82 लाख करोड़ की तुलना में 30 हजार करोड़ रुपये बढ़कर 7.12 लाख करोड़ रुपये हो गया।

गौतम अदाणी को पांच स्थान का फायदा

समूह के मालिक गौतम अदाणी अमीरों की सूची में 5 रैंक की छलांग लगाकर अब 33वें स्थान पर पहुंच गए हैं। रिपोर्ट से पहले वह दूसरे पर और सोमवार को 38वें स्थान पर थे। उनकी संपत्ति 35.1 अरब डॉलर रही है। हिंडनबर्ग की रिपोर्ट आने से पहले 24 जनवरी को समूह का कुल पूंजीकरण 19.20 लाख करोड़ रुपये था। उस तुलना में अभी भी 12 लाख करोड़ से ज्यादा की चपत समूह को लगी है। मंगलवार को अदाणी पोर्ट 5.44 फीसदी, अदाणी पावर 4.98 फीसदी, ग्रीन एनर्जी और विल्मर 5-5 फीसदी, एसीसी 2.24 फीसदी, अंबुजा 3.75 फीसदी और एनडीटीवी 4.99 फीसदी बढ़कर बंद हुआ। अदाणी ट्रांसमिशन और टोटल गैस 5-5प्रतिशत गिरकर बंद हुए।

मार्च तक 69 करोड़ डॉलर चुकाएगा समूह

समूह ने इस साल मार्च तक 69 करोड़ डॉलर के कर्ज चुकाने की योजना बनाई है। अदाणी ग्रीन एनर्जी ने 2024 बॉन्ड को 80 करोड़ डॉलर तीन साल की क्रेडिट लाइन से पुनर्वित्त की भी योजना बनाई है।

शेयर बाजार 8वें सत्र में भी टूटा, चार माह के निचले स्तर पर

तेल एवं गैस, दवा और बैंकिंग शेयरों में बिकवाली से घरेलू शेयर बाजारों में मंगलवार को लगातार आठवें कारोबारी सत्र में गिरावट रही सेंसेक्स 326.23 अंक गिरकर चार माह के निचले स्तर 58,962.12 पर बंद हुआ। निफ्टी 88.75 अंक टूटकर 17,303.95 पर बंद हुआ। निवेशकों के 15,694 करोड़ रुपये डूब गए।

क्या विनोद अदाणी के खिलाफ जांच करेंगी एजेंसियां : कांग्रेस

कांग्रेस ने मंगलवार को आरोप लगाया कि गौतम अदाणी के बड़े भाई विनोद अदाणी की अदाणी समूह में केंद्रीय भूमिका है। पार्टी ने तंज करते हुए कहा कि क्या भारत की सर्वशक्तिमान एजेंसियां उनके परिवार से जुड़ी विदेशी मुखौटा कंपनियों के खिलाफ 'राउंड ट्रिपिंग और मनी लॉन्ड्रिंग' के आरोपों की जांच करेंगी।

न्यूज ब्रीफ

वैश्विक विकास की धीमी रफ्तार 2023 में भी जारी रहेगी, 2024 के लिए जताया ये अनुमान

नई दिल्ली । विभिन्न केंद्रीय बैंकों के कड़े मौद्रिक रुख को देखते हुए ऐसा लगता है कि वैश्विक विकास दर में

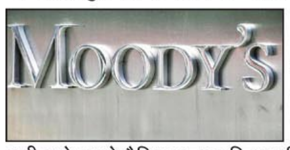

कमजोरी बनी रहेगी। मूडीज इन्वेस्टर्स सर्विसेज ने ये बातें कही है। मूडीज ने अपने वैश्विक वृहद परिदृश्य जिसका शीर्षक हाल के सकारात्मक आश्चर्यों के बावजूद वैश्विक आर्थिक जोखिम बरकरार है में कहा कि मौद्रिक नीति को कड़ा किए जाने से ज्यादातर प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में आर्थिक गतिविधियों और रोजगार पर असर पड़ेगा। रिपोर्ट में कहा गया है, हमारा अनुमान है कि जी-20 वैश्विक आर्थिक वृद्धि दर 2022 के 2.7 प्रतिशत से घटकर 2023 में 2 प्रतिशत रह जाएगी। फिर 2024 में यह सुधरकर 2.4 प्रतिशत हो जाएगी। रिपोर्ट में कहा गया है कि मुद्रास्फीति में नरमी जारी रहेगी, लेकिन केंद्रीय बैंक के लक्ष्यों में निरंतर गिरावट की गारंटी नहीं है। उदाहरण के लिए, अमेरिका में मुद्रास्फीति दिसंबर के 6.5 प्रतिशत घटकर जनवरी में 6.4 प्रतिशत हो गई। उससे पहले के महीने में यह 7.1 प्रतिशत रही थी। हालांकि अब भी यह 2 प्रतिशत के लक्ष्य से ऊपर है। अमेरिकी केंद्रीय बैंक की नीतिगत दर अब 4.50-4.75 प्रतिशत के लक्ष्य सीमा में है, जो 15 वर्षों में उच्चतम स्तर है और यह विशेष रूप से 2022 के शुरुआती भाग में शून्य के करीब थी। ब्याज दरों को बढ़ाना एक मौद्रिक नीति साधन है जो आम तौर पर अर्थव्यवस्था में मांग को दबाने में मदद करता है, जिससे मुद्रास्फीति दर में गिरावट में मदद मिलती है। रिपोर्ट में 2023 और 2024 के बेहतर हिस्से के लिए केंद्रीय बैंक के लक्ष्यों से ऊपर रहने वाली उन्नत अर्थव्यवस्थाओं में मुद्रास्फीति की कल्पना की गई है। मूडीज ने कहा, हमें उम्मीद है कि ज्यादातर जी-20 अर्थव्यवस्थाओं में मुद्रास्फीति अगले साल तक गिरती रहेगी और यह केंद्रीय बैंक की कार्रवाई से मांग में नरमी पर निर्भर करता है। मूडीज ने कहा कि केंद्रीय बैंक वित्तीय बाजारों की उम्मीद से अधिक समय तक ब्याज दरों को प्रतिबंधित रखेंगे। उन्होंने कहा, हालांकि यह स्पष्ट है कि मौद्रिक नीति में सख्ती का अंत निकट है, लेकिन ब्याज दरों में कितनी और वृद्धि उचित होगी और दरें कब तक प्रतिबंधात्मक रहेंगी, इस बारे में कुछ कहना कठिन है।

21.50 लाख रुपये नकद और 6.83 लाख रुपये के डिमांड ड्रॉफ्ट जब्त, कथित बैंक फ्रॉड का है मामला

नई दिल्ली । सीबीआई ने बैंक धोखाधड़ी मामले में 35.99 करोड़ रुपये की कथित बैंक धोखाधड़ी की

जांच के सिलसिले में 21.50 लाख रुपये नकद, 6.83 करोड़ रुपये से अधिक के डिमांड ड्राफ्ट और अन्य संपत्तियां जब्त की हैं। अधिकारियों ने बताया कि सीबीआई ने पंजाब एंड सिंध बैंक में स्टर्लिंग मोटर्स कंपनी की 35.99 करोड़ रुपये की कथित धोखाधड़ी की जांच के सिलसिले में छापेमारी की। केंद्रीय जांच एजेंसी ने कहा कि कंपनी ने 2009-18 के दौरान नए वाहनों, स्पेयर पार्ट्स, सहायक उपकरण और अन्य के लिए प्राइम सिक्योरिटी के एवज में कथित तौर पर 18 करोड़ रुपये की नकद क्रेडिट सीमा और 22 करोड़ रुपये की बैंक गारंटी का लाभ उठाया। अधिकारियों ने बताया कि आरोप है कि धन को अन्य बैंकों में भेज दिया गया और बाद में इसका गबन किया गया और 31 मार्च 2018 को खाते को गैर-निष्पादित परिसंपत्ति घोषित कर दिया गया, जिसमें 35.99 करोड़ रुपये बकाया थे। जांच एजेंसी ने कहा कि आरोपी प्रोप्राइटर तरुण कपूर और गारंटर पवन कपूर के परिसरों की तलाशी के दौरान सीबीआई ने 21.50 लाख रुपये नकद, पांच सोने की घड़ियां, आठ सोने के सोवरन (संप्रभु बॉण्ड) और 6.83 करोड़ रुपये के 14 डिमांड ड्राफ्ट बरामद किए गए हैं।

सोना-चांदी में शानदार तेजीः सोना 56 हजार और चांदी 64 हजार के पार निकली, कैरेट के हिसाब से जानें गोल्ड के रेट

नई दिल्ली। सर्राफा बाजार में सोने-चांदी की कीमतों में शानदार तेजी देखने को मिली। इंडिया बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन की वेबसाइट के मुताबिक, 1 मार्च को सर्राफा बाजार में सोना 535 रुपए महंगा होकर 56,085 रुपए पर पहुंच गया है। अगर चांदी की बात करें तो ये 64 हजार के पार निकल गई है। सर्राफा बाजार में ये 14 सौ रुपए महंगी होकर 64,407 रुपए प्रति किलोग्राम पर पहुंच गई है। 29 फरवरी को ये 63,007 हजार पर थी। 2 फरवरी को सोना अपने ऑल टाइम हाई पर था। इंडिया बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन की वेबसाइट के मुताबिक, तब सोना 58 हजार 882 रुपए प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया था। हालांकि इसके बाद सोने में गिरावट देखने को मिली है। आईआईएफएल सिक्युरिटीज के वाइस प्रेसिडेंट अनुज गुप्ता कहते हैं कि घरेलू बाजार में फिजिकल डिमांड कमजोर है। मार्च तक सोने की कीमतों में गिरावट जारी रह सकता है। अप्रैल में अक्षय तृतीया है, इसी महीने नवरात्रि भी पड़ रही है। नवरात्रि में नए साल की शुरुआत में लोग खरीदारी करते हैं।

18 पाकिस्तानियों के 4 हजार अरब रुपए बैंकों में

विपक्षी नेता के पास लिस्ट मौजूद ; अफसर की बेटी को शादी में 1.20 अरब कैश मिले

इस्लामाबाद ।
पाकिस्तान की बड़ी सियासी और मजहबी पार्टी जमीयत-ए-इस्लामी के चीफ सिराज-उल-हक के मुताबिक, मुल्क के 18 लोगों के बैंकों में 4 हजार अरब रुपए जमा हैं। हक ने दावा किया कि उनके पास इन लोगों के नामों की पूरी लिस्ट मौजूद है। उन्होंने यह भी कहा कि पाकिस्तान दिवालिया होने की कगार पर खड़ा है और ये लोग चाहें तो देश को दिवालिया होने से बचा सकते हैं। सिराज को इमरान खान का करीबी माना जाता है। हाल ही में उन्होंने खान के जमान पार्क वाले घर पर जाकर उनसे मुलाकात भी की थी। पाकिस्तान पर इस वक्त 100 अरब डॉलर का कर्ज है। महंगाई दर 40प्रतिशत के करीब हो चुकी है। सरकार के पास महज 2.7 अरब डॉलर के फॉरेन डिपॉजिट हैं। इस बीच, डिफेंस मिनिस्टर ख्वाजा आसिफ ने खुलासा किया है कि एक अफसर की बेटी को शादी में 1 अरब 20 करोड़ रुपए (पाकिस्तानी करेंसी) तो सिर्फ कैश गिफ्ट के तौर पर मिले।

सिराज के मुताबिक बैंकों में पैसा किसका - आमतौर पर पाकिस्तान में लोग सियासतदानों और फौजियों पर आरोप लगाने से डरते हैं। सिराज-उल-हक ने इस मामले में कतई गुरेज नहीं किया। इस्लामाबाद में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान जमीयत के चीफ ने कहा- सिर्फ 18 पाकिस्तानी मुल्क को दिवालिया होने से बचा सकते हैं। इनके अलग-अलग बैंकों में करीब 4 हजार अरब रुपए जमा हैं। हक ने आगे कहा- इन सभी लोगों की लिस्ट मेरे पास मौजूद है। इनमें नेता, फौज के अफसर, जज और ब्यूरोक्रेट्स शामिल हैं। अब वक्त आ गया है कि ये लोग देश के लिए कुर्बानी दें, अपने अकाउंट्स से पैसा निकालें और मुल्क की इकोनॉमी को बेहतर करने में लगाएं। सिराज ने एक सवाल के जवाब में कहा- पाकिस्तान के लिए आज करो या मरो के हालात हैं। ये लोग आज मुल्क को नहीं बचाएंगे तो फिर ये मौका शायद कभी नहीं मिलेगा। महंगाई दर 40प्रतिशत हो चुकी है। सरकार बिल्कुल निकम्मी साबित हुई है। मजहब की सियासत करने वाले सिराज ने आगे कहा- शाहबाज शरीफ की अगुआई वाली पाकिस्तान डेमोक्रेटिक मूवमेंट सरकार क्या कर रही है आटा 160 रुपए किलो हो चुका है। एक शख्स जिसके घर में 12 मेंबर हैं, वो उनका पेट कैसे भरेगा। हर रोज गरीबों पर बोझ डाला जा रहा है। अब तो हालात ये हो गए हैं कि सरकार सांस लेने पर भी टैक्स लगाने पर विचार कर रही है।. पाकिस्तान आईएमएफ से 6.5 अरब डॉलर का बेलआउट पैकेज मांग रहा है। फरवरी की शुरुआत में आईएमएफ की टीम 10 दिन तक इस्लामाबाद में रही, लेकिन 1.2 अरब डॉलर की किस्त जारी किए बिना लौट गई। बातचीत में आईएमएफ की मैनेजिंग डायरेक्टर क्रिस्टालिना जॉर्जियेवा ने कहा- पाकिस्तान को सही तरीके से टैक्स कलेक्शन करना होगा और ये दिखना चाहिए कि वो टैक्स का पैसा गरीबों की बेहतरी पर खर्च कर रहा है। हर तरह की सब्सिडी खत्म करनी होगी। डायरेक्टर ने आगे कहा- कितनी हैरानी की बात है कि 22 करोड़ की आबादी वाले पाकिस्तान में 22प्रतिशत लोग गरीबी रेखा से नीचे रहते हैं। मुल्क की कमाई का 49.6प्रतिशत हिस्सा 20प्रतिशत लोगों की जेब में जाता है। 22 फरवरी को पाकिस्तान के डिफेंस मिनिस्टर ख्वाजा आसिफ ने एक बेहद चौंकाने वाला खुलासा किया था। आसिफ ने कहा था- हाल ही में पाकिस्तान के एक ब्यूरोक्रेट की बेटी की शादी हुई।

भारत के विनिर्माण क्षेत्र में वृद्धि फरवरी में भी बरकरार रही, उत्पादन लगभग जनवरी के समान

नई दिल्ली । देश के विनिर्माण क्षेत्र में वृद्धि की गति फरवरी में बरकरार रही और नये आर्डर तथा उत्पादन जनवरी के समान रहे। मौसमी रूप से समायोजित एसएंडपी ग्लोबल इंडिया मैन्युफैक्चरिंग परचेजिंग मैनेजर्स इंडेक्स (पीएमआई) फरवरी में 55.3 पर रहा, जनवरी के 55.4 से इसमें मामूली बदलाव हुआ है। फरवरी के पीएमआई आंकड़ों ने लगातार 20 वें महीने समग्र परिचालन स्थितियों में सुधार की ओर इशारा किया है। पीएमआई की भाषा में 50 से ऊपर का आंकड़ा विस्तार का मतलब है जबकि 50 से नीचे का स्कोर संकुचन को दर्शाता है। बुधवार को जारी सर्वेक्षण में कहा गया है कि भारत के विनिर्माण उद्योग ने अंतिम वित्त वर्ष की आधी तिमाही के दौरान उत्पादन और नए ऑर्डर में मजबूत वृद्धि जारी है। हालांकि अंतरराष्ट्रीय बिक्री विस्तार की दर में उल्लेखनीय कमी आई है। कंपनियों ने अपनी परिचालन क्षमताओं पर केवल हल्के दबाव का संकेत दिया, फरवरी में बकाया व्यवसाय में मामूली वृद्धि हुई और इससे नौकरियों की संख्या में आंशित वृद्धि ही हो सकी। सर्वेक्षण के अनुसार 98 प्रतिशत पैनलिस्टों ने रोजगार में कोई बदलाव नहीं होने की सूचना दी। एसएंडपी ग्लोबल मार्केट इंटेलिजेंस में अर्थशास्त्र की एसोसिएट निदेशक पॉलियाना डी लीमा ने कहा कि नौकरियों का सृजन सार्थक आकर्षण हासिल करने में विफल रहा क्योंकि फर्मों के पास वर्तमान आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए पर्याप्त कर्मचारी थे।

मुख्य आर्थिक सलाहकार बोले- पिछले साल के आंकड़ों में संशोधन से तीसरी तिमाही में विनिर्माण-निजी खपत में कमी

नई दिल्ली ।

मुख्य आर्थिक सलाहकार वी अनंत नागेश्वरन ने बुधवार को कहा कि 2022-23 की दिसंबर तिमाही में विनिर्माण क्षेत्र का प्रदर्शन और निजी उपभोग व्यय में वृद्धि दर ऊंचे आधार के कारण सुस्त नजर आ रही है। नागेश्वरन के अनुसार, पिछले तीन साल से आंकड़ों में संशोधन के कारण जीडीपी वृद्धि का आधार बढ़ा है। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) ने मंगलवार को पिछले तीन साल 2019-20, 2020-21 और 2021-22 के जीडीपी वृद्धि दर के आंकड़ों को संशोधित किया और 2022-23 के लिए जीडीपी का दूसरा अग्रिम अनुमान जारी किया है।

जहां 2021-22 के लिए विकास दर को 40 आधार अंकों से संशोधित कर 8.7 प्रतिशत से 0.40 प्रतिशत बढ़ाकर 9.1 प्रतिशत कर दिया गया है, वहीं 2020-21 (कोविड प्रभावित वर्ष) के लिए जीडीपी को भी -6.6 प्रतिशत से बढ़ाकर -5.8 प्रतिशत तक संशोधित किया गया है। वित्त वर्ष 2019-20 के लिए भी वृद्धि दर को संशोधित कर 3.7 प्रतिशत से 3.9 प्रतिशत कर दिया गया है।

हालांकि, जनवरी में पहले अग्रिम अनुमानों में 2022-23 के लिए वास्तविक जीडीपी वृद्धि के दूसरे अग्रिम अनुमान को 7 प्रतिशत पर बरकरार रखा गया था। आंकड़ों से पता चला है कि अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में विनिर्माण क्षेत्र में 1.1 प्रतिशत की कमी आई और निजी उपभोग व्यय घटकर 2.1 प्रतिशत रह गया।

नागेश्वरन ने कहा कि आंकड़ों में संशोधन के कारण आधार प्रभाव बढ़ गया। इस कारण विनिर्माण क्षेत्र और निजी उपभोग व्यय में कमी हुई। उन्होंने कहा कि यदि ऐसा नहीं हुआ होता तो अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में विनिर्माण 3.8 प्रतिशत की दर से और निजी उपभोग व्यय छह प्रतिशत की दर से बढ़ता। उन्होंने कहा कि वित्त वर्ष 2022-23 की तीसरी तिमाही के लिए कल शाम जारी किए गए आंकड़ों को लेकर बहुत गलतफहमी है क्योंकि इसके साथ पिछले तीन वर्षों के आंकड़ों में संशोधन भी किया गया।

नहीं थम रही क्रिप्टो बाजार की हलचल; बिटकॉइन में मामूली तेजी

नई दिल्ली ।
अधिकांश क्रिप्टोकरेंसी का रेट बुधवार, 1 मार्च को गिरावट पर है। बिटकॉइन राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय एक्सचेंजों पर लगभग 0.30 प्रतिशत की गिरावट के साथ खुला। खबर लिखे जाते समय बिटकॉइन 23,422 डॉलर (लगभग 19 लाख रुपये) पर ट्रेड कर रहा था। आपको बता दें कि पिछले एक सप्ताह से बिटकॉइन इसी मूल्य बिंदु के आसपास बना हुआ है। पिछले 24 घंटों में मूल्य 15 डॉलर (लगभग 1,235 रुपये) गिर गया। क्रिप्टो चार्ट में सबसे मजबूत करेंसी में आई गिरावट से बाकी अन्य क्रिप्टो भी स्थिर हो गए हैं। इसका प्रभाव समग्र क्रिप्टोकरेंसी चार्ट पर पड़ता है। क्रिप्टो प्राइस ट्रैकर पर टेथर, यूएसडी कॉइन, रिपल और बिनेंस यूएसडी सहित सभी लोकप्रिय स्टैब्लॉक्स को आज नुकसान हो रहा था। टोकन, जिसे 13 मार्च से कॉइनबेस से हटा दिया जाएगा, में कोई बड़ा बदलाव नहीं देखा गया। कॉइनबेस के फैसले के बावजूद इस करेंसी के मूल्य में कोई बड़ा बदलाव नहीं है। खबर लिखे जाने के समय लगभग 1 डॉलर (लगभग 82 रुपये) पर

कारोबार कर रहा था और पिछले 24 घंटों में कोई खास बदलाव नहीं हुआ।

फरवरी के लिए यूएस कंज्यूमर कॉन्फिडेंस डेटा जारी होने के बाद मंगलवार को ज्यादातर क्रिप्टोकरेंसी लाल रंग में थीं। कुछ टोकन लाभ दर्ज करने में कामयाबी रहे, लेकिन ये केवल मामूली रहा। 0.26 प्रतिशत बढ़त के साथ, कीमत 1,635 (लगभग 1.35 लाख रुपये) के निशान को छू गई। कल का मूल्य 7 डॉलर (लगभग 580 रुपये) बढ़ गया। लाभ देखा गया। फ्लेक्स, फ्लोकी इनु, सर्किट ऑफ वैल्यू, सुशीस्वैप और नेम ने मूल्य चार्ट पर छोटे मुनाफे को बनाए रखा।

बिसलेरी की अटक गई टाटा से डील

वैल्यूएशन को लेकर रुकी डील पर बातचीत, भारत की सबसे बड़ी पैकेज्ड वाटर कंपनी है

मुंबई ।
टाटा कंज्यूमर और बिसलेरी के बीच डील पर बातचीत रुक गई है। इसका कारण वैल्यूएशन को बताया जा रहा है। बिसलेरी के मालिक इस डील से करीब 1 बिलियन डॉलर जुटाना चाहते थे। बिसलेरी भारत की सबसे बड़ी पैकेज्ड वाटर कंपनी है। रमेश चौहान ने इसे साल 1969 में करीब 4 लाख रुपए में खरीदा था। ब्लूमबर्ग ने इसे लेकर एक रिपोर्ट पब्लिश की है।

पिछले साल अगस्त में खबर आई थी कि सॉफ्ट ड्रिंक ब्रांड थम्स अप, गोल्ड स्पॉट और लिम्का को कोका-कोला को बेचने के लगभग तीन दशक बाद, रमेश चौहान बिसलेरी इंटरनेशनल को बेचने जा रहे हैं। कहा गया था कि 82 साल के चौहान के पास बिसलेरी को अगले लेवल पर ले जाने के लिए उत्तराधिकारी नहीं है। बेटी जयंती कारोबार में ज्यादा दिलचस्पी नहीं रखती।

27 साल की उम्र में मिनरल वाटर बेचना शुरू किया - मिनरल वाटर ब्रांड बिसलेरी को

भारत में पॉपुलर बनाने वाले रमेश चौहान का जन्म 17 जून 1940 को जयंतीलाल और जया चौहान के यहां मुंबई में हुआ था। उनके दोस्त उन्हें आरजेसी के नाम से बुलाते हैं। उन्होंने मैकेनिकल इंजीनियरिंग और बिजनेस मैनेजमेंट किया है। हमेशा अपने समय से आगे रहने के लिए जाने जाने वाले चौहान ने 27 साल की उम्र में भारतीय बाजार में बोतलबंद मिनरल वाटर पेश किया था।

पारले एक्सपोर्ट्स ने 1969 में इटली के एक बिजनेसमैन से बिसलेरी को खरीदा था और भारत में मिनरल वाटर बेचना शुरू किया था। 50 साल से ज्यादा के करियर में चौहान ने बिसलेरी को मिनरल वाटर का भारत का टॉप ब्रांड बना दिया। चौहान ने प्रीमियम नेचुरल मिनरल वाटर ब्रांड वेदिका भी बनाया है। इसके अलावा थम्सअप, गोल्ड स्पॉट, सिट्रा, माजा और लिम्का जैसे कई ब्रांड को बनाने वाले भी चौहान ही हैं।

जयंती ने प्रोडक्ट डेवलपमेंट की पढ़ाई की - रमेश चौहान की बेटी जयंती ने हाई स्कूल की पढ़ाई पूरी करने के बाद प्रोडक्ट डेवलपमेंट की पढ़ाई करने के लिए लॉस एंजिल्स के फैशन इंस्टीट्यूट ऑफ डिजाइन एंड मर्चेंडाइजिंग में एडमिशन लिया। फिर उन्होंने इस्टिटूटो मारंगोनी मिलानो में फैशन स्टाइलिंग को सीखा। उन्होंने लंदन कॉलेज ऑफ फैशन से फैशन स्टाइलिंग और फोटोग्राफी भी सीखी है।

जयंती ने 24 साल की उम्र में बिसलेरी जॉइन की थी। उन्होंने दिल्ली ऑफिस का कार्यभार संभाला, जहां उन्होंने जमीनी स्तर पर शुरुआत की। उन्होंने फैक्ट्री का रेनोवेशन और ऑटोमेशन किया।

मुकेश अंबानी परिवार को विदेश तक में जेड+सिक्योरिटी

सुप्रीम कोर्ट ने कहा- खर्च खुद देना होगा; जेड+सुरक्षा पाने वाला ये पहला उद्योगपति परिवार

नई दिल्ली ।
उद्योगपति मुकेश अंबानी और उनके परिवार को भारत के साथ विदेशों भी जेड+कैटेगरी की सिक्योरिटी दी जाएगी। अब तक इस सुरक्षा का खर्चा केंद्रीय गृह मंत्रालय उठाता था, लेकिन अब अंबानी परिवार उठाएगा। यह आदेश सुप्रीम कोर्ट ने दिया है। जेड+कैटेगरी की सिक्योरिटी पर प्रति व्यक्ति 40 से 45 लाख रुपए महीना खर्च होता है।

58 कमांडो करते हैं अंबानी की सिक्योरिटी - सीआरपीएफ के करीब 58 कमांडो मुकेश अंबानी और उनके परिवार की सिक्योरिटी में 24 घंटे तैनात रहते हैं। ये कमांडो जर्मनी में बनी हेकलर एंड कोच सब मशीन गन समेत कई आधुनिक हथियारों से लैस रहते हैं। इस गन से एक मिनट में 800 राउंड गोलियां दागी जा सकती हैं।

बता दें कि जेड+सिक्योरिटी भारत में सबसे हाई लेवल की सुरक्षा है, इसके तहत 6 सेंट्रल सिक्योरिटी लेवल होते हैं। पहले से ही अंबानी की सिक्योरिटी में राउंड द क्लॉक ट्रेंड 6 ड्राइवर होते हैं।

मुकेश अंबानी के पर्सनल सिक्योरिटी गार्ड्स भी - सीआरपीएफ के अलावा मुकेश अंबानी के पास करीब 15-20 पर्सनल सिक्योरिटी गार्ड्स भी हैं, जो बिना हथियारों के यानी निहत्थे होते हैं। उनके पर्सनल गार्ड्स को इजराइल स्थित सिक्योरिटी-फर्म ने ट्रेनिंग दी है। अंबानी और उनके परिवार की सुरक्षा में तैनात ये प्राइवेट सिक्योरिटी गार्ड्स भी क्राव मगा (इजराइली मार्शल आर्ट) में ट्रेंड हैं। ये गार्ड्स दो शिफ्ट में काम करते हैं, जिनमें भारतीय सेना के रिटायर्ड और हस्त्र के जवान भी शामिल हैं।

पहले नीता अंबानी को जेड+सिक्योरिटी थी - मुकेश अंबानी को साल 2013 में हिजबुल मुजाहिद्दीन से धमकी मिलने के बाद तत्कालीन मनमोहन सिंह सरकार ने जेड+सिक्योरिटी मुहैया कराई थी। उनकी पत्नी नीता अंबानी को 2016 में केंद्र सरकार ने जेड+सिक्योरिटी प्रदान की थी। उनके बच्चों को भी महाराष्ट्र सरकार की ओर से ग्रेडेड सुरक्षा दी जाती है।

29 जून 2022 को अंबानी की सिक्योरिटी हटाने के खिलाफ दाखिल हुई थी याचिका - मुकेश अंबानी की सिक्योरिटी के खिलाफ विकास साहा नाम के शख्स ने त्रिपुरा हाईकोर्ट में पिछले साल 29 जून को जनहित याचिका दायर की थी। इस पर हाईकोर्ट ने केंद्र से जवाब तलब करते हुए उस खतरे के आकलन की डिटेल मांगी थी, जिसके आधार पर अंबानी और उनके परिवार को सिक्योरिटी दी गई।

इसके बाद केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। कोर्ट में केंद्र सरकार की तरफ से कहा गया कि किसी परिवार को दी गई सिक्योरिटी जनहित का मुद्दा नहीं है और अंबानी की सिक्योरिटी का त्रिपुरा से कोई लेना-देना भी नहीं है। जिसके बाद त्रिपुरा हाईकोर्ट से जारी निर्देश पर सुप्रीम कोर्ट ने 22 जुलाई को स्टे लगा दिया था।

फरवरी 2021 में एंटीलिया के पास विस्फोटक भरी कार मिली थी - फरवरी 2021 में एंटीलिया के बाहर से विस्फोटक से लदी एक बरामद की गई थी, जिसमें 20 जिलेटिन की छड़ें और एक चिट्ठी मिली थी। चिट्ठी में मुकेश अंबानी और उनकी पत्नी नीता अंबानी को धमकी दी गई थी। इस केस में मुंबई पुलिस के एनकाउंटर स्पेशलिस्ट सचिन वझे का नाम आया था। अभी इस केस की जांच कर रही है।

जेड+ कैटेगरी की सिक्योरिटी पाने वाले देश के पहले बिजनेसमैन हैं मुकेश अंबानी - मुकेश अंबानी और उनके परिवार को 2013 में कैटेगरी की सिक्योरिटी दी गई थी। इसे अब जेड+कर दिया गया है। अंबानी को ये सिक्योरिटी खुफिया एजेंसियों के तरफ से उन पर आतंकी हमले के खतरे की आशंका जताने के बाद दी गई है।

बज्मी ने बताया हेरा फेरी 3 से दूर क्यों हो गए

-फिल्म निर्देशक ने किया खुलासा

मुंबई (ईएमएस)। बालीवुड फिल्म निर्देशक अनीस बज्मी ने अब अपनी चुप्पी तोड़ी है और बताया है कि वो हेरा फेरी 3 से क्यों दूर हो गए। फिल्म निर्देशक ने खुलासा किया है कि फिल्म की स्क्रिप्ट पढ़ने के बाद, उन्होंने फिल्म को निर्देशित करने के प्रस्ताव को अस्वीकार कर दिया। उन्होंने कहा, मैं निमार्ता फिरोज नाडियाडवाला से कई बार मिला। उनके पास ज्यादा कहानी नहीं थी तो स्क्रिप्ट तो दूर की बात है। उन्होंने जो मुझे आइडिया बताया वो कुछ जमा नहीं मैंने ना कह दिया।अनीस ने कहा कि एक सफल फिल्म बनाने के लिए एक कसी हुई स्क्रिप्ट का होना महत्वपूर्ण है, लेकिन हेरा फेरी 3 के साथ ऐसा नहीं था। कथित तौर पर, हेरा फेरी की तीसरी फिल्म का नाम हेरा फेरी 4 होने जा रहा है। बज्मी ने कहा, मैंने प्रस्ताव को अस्वीकार करने के बाद, अब मैंने सुना है कि फिल्म किसी और द्वारा निर्देशित की जा रही है। अक्षय कुमार, जो एक उचित स्क्रिप्ट के बिना फिल्म करने का पूरी तरह से विरोध कर रहे थे, जाहिर तौर पर बोर्ड पर आने के लिए सहमत हो गए हैं। मुझे नहीं पता कि कैसे या क्यों। वही बता पाएंगे। अपने लिए बोल रहा हूं, मैं अब उस परियोजना का हिस्सा नहीं हूं। अनीस बज्मी शाहिद कपूर अभिनीत अपनी अगली फिल्म की पटकथा लिख रहे हैं। मालूम हो कि पिछले साल भूल भुलैया 2 की भारी सफलता के बाद, ऐसी खबरें आ रही थीं कि फिल्म निर्देशक अनीस बज्मी लंबे समय से विलंबित अक्षय कुमार, परेश रावल और सुनील शेट्टी-स्टारर हेरा फेरी 3 का निर्देशन करेंगे। हालांकि, अनीस बज्मी ने हेरा फेरी-3 से रचनात्मक अन्तर का हवाला देते हुए दूरी बना ली है। अनीस बज्मी ने पहले पुष्टि की थी कि उन्हें वास्तव में फिल्म निर्देशित करने की पेशकश की गई थी, लेकिन कहा कि वह फिल्म की स्क्रिप्ट पढ़ने के बाद ही हेरा फेरी 3 को निर्देशित करने के लिए सहमत होंगे। हालांकि, जब फिल्म के स्टार कास्ट हाल ही में एक टीजर शूट करने के लिए फिर से आए तो वह अनुपस्थित थे। इसके बजाय, यह पता चला कि फरहाद सामजी को फिल्म के निर्देशन के लिए साइन किया गया था।

जूनियर एनटीआर की अन्तर्राष्ट्रीय मंच पर खल रही कमी

- एनटीआर की अनुपस्थिति से प्रशंसक नाराज

चेन्नई (ईएमएस)। जूनियर एनटीआर की अन्तर्राष्ट्रीय मंच पर कमी उनके प्रशंसकों को खल रही है। जूनियन एनटीआर इन दिनों अपनी अनुपस्थिति से सिने दर्शकों को हैरान कर रहे हैं। आरआरआर के सितारे रामचरण सभी जगह छाए हैं। इसी बात को लेकर जूनियर एनटीआर के प्रशंसक नाराज नजर आ रहे हैं। एसएस राजामौली अभिनेता रामचरण के साथ इन दिनों वहाँ पर हैं। फिल्म संगीतकार भी हैं लेकिन नहीं हैं तो सिर्फ जूनियर एनटीआर। निर्देशक एसएस राजामौली की आरआरआर वैश्विक स्तर पर 1000 करोड़ का आंकड़ा पार करने वाली सबसे तेज पैन-इंडिया फिल्मों में से एक थी। वर्तमान में, आरआरआर अंतरराष्ट्रीय मंचों पर पुरस्कार जीतने की होड़ में है। जबकि कई हॉलीवुड प्लेटफॉर्म पर फिल्म की जीत का जश्न मना रहे हैं, जूनियर एनटीआर के प्रशंसक अभिनेता से निराश हैं।आरआरआर का नातू नातू गाना न केवल भारत में बल्कि विदेशों में भी इंटरनेट सनसनी बन गया है। 80वें गोल्डन ग्लोब अवार्ड्स में डांसिंग नंबर ने बेस्ट ओरिजिनल सॉन्ग जीता, जबकि फिल्म को क्रिटिक्स च्वाइस मूवी अवार्ड्स 2023 में बेस्ट सॉन्ग और फॉरिन लैंग्वेज फिल्म से सम्मानित किया गया। जानकारी के अनुसार, जूनियर एनटीआर के प्रशंसक सोशल मीडिया पर अभिनेता के प्रति अपना गुस्सा और निराशा व्यक्त कर रहे हैं। नाराज होने से ज्यादा, उनके प्रशंसक चिंतित हैं क्योंकि वह

अपनी अगली फिल्म एनटीआर 30 के सेट से गायब हैं, जो कोराताला शिवा द्वारा निर्देशित है। ट्रैक टॉलीवुड का कहना है कि उनके प्रशंसक हाल ही में आयोजित हॉलीवुड क्रिटिक्स अवार्ड्स एसोसिएशन के कार्यक्रम में उनकी अनुपस्थिति से भी नाराज हैं, जिसने हॉलीवुड मीडिया को राम चरण को वैश्विक स्टार कहने के लिए मजबूर कर दिया है। दूसरी ओर, राजामौली की आरआरआर को बढ़ावा देने के लिए एनटीआर जल्द ही अमेरिका रवाना होंगे। प्रशंसक एनटीआर 30 पर अपडेट की भी मांग कर रहे हैं। इस बीच, आरआरआर ने सर्वश्रेष्ठ एक्शन फिल्म, सर्वश्रेष्ठ स्टंट, सर्वश्रेष्ठ गीत (नातु नातु), स्पॉटलाइट अवार्ड और सर्वश्रेष्ठ अंतर्राष्ट्रीय फिल्म श्रेणियों में जीत हासिल की। जानकारी के अनुसार जूनियर एनटीआर की आगामी फिल्म में देरी से प्रशंसक खुश नहीं हैं, जिसके बाद फिल्म की रिलीज की तारीख निश्चित रूप से आगे बढ़ जाएगी और 2024 में भी रिलीज होने की संभावना नहीं है।खैर, ये इकलौता कारण नहीं है।

बेजान दारुवाला की भविष्यवाणी चर्चाओं में

-ऋतिक रोशन की दूसरी शादी को लेकर की थी भविष्यवाणी

मुंबई (ईएमएस)। हाल ही में मशहूर ज्योतिषी दिवंगत बेजान दारुवाला की एक भविष्यवाणी जबरदस्त चर्चाओं में आ गई है। इस भविष्यवाणी में उन्होंने ऋतिक की दूसरी शादी के बारे में बात की। बेजान दारूवाला ने यह भविष्यवाणी तब की थी जब ऋतिक रोशन अपनी पहली पत्नी सुजैन खान से अलग हो गए थे। ऋतिक-सुजैन के तलाक के बाद उन्होंने भविष्यवाणी की थी कि ऋतिक की कुंडली में दो शादियां लिखी हुई हैं। हालांकि, तब ऋतिक और सबा शायद डेट भी नहीं कर रहे थे। वहीं अब जब ऋतिक सबा को लेकर खुलकर सामने आए हैं तो माना जा रहा है कि बेजान दारूवाला की ये भविष्यवाणी सच साबित हो सकती है। गौरतलब है कि ऋतिक और सबा सोशल मीडिया पर एक-दूसरे को कमेंट करते नजर आए। इसके बाद दोनों के रिश्ते की अफवाहें उड़ने लगीं और फिर आखिरकार दोनों 25 मई 2022 को करण जौहर की बर्थडे पार्टी के दौरान सबके सामने आ गए। ऋतिक ने सबा का हाथ थामे कई रोमांटिक तस्वीरें लीं। दोनों ब्लैक आउटफिट में ट्विनिंग पार्टी में पहुंचे थे।

सुजैन खान से तलाक के बाद ऋतिक रोशन अब आगे बढ़ चुके हैं। इन दिनों वह एक्ट्रेस सबा आजाद को डेट कर रहे हैं। वहीं, सुजैन खान भी अरसलान गोनी को डेट कर रही हैं। दोनों ने तलाक के बाद अपने बच्चों की खातिर दोस्ती का रिश्ता निभाने का फैसला किया है। बता दें कि ऋतिक रोशन इन दिनों अपनी व्यक्तिगत जिन्दगी को लेकर जबरदस्त सुर्खियों में हैं। वह अभिनेत्री सबा आजाद को डेट कर रहे हैं और अक्सर उनके साथ रोमांस करते हुए देखे जाते हैं। वहीं दोनों की केमिस्ट्री को देखकर कई लोगों ने दोनों की शादी पर सवाल उठाने शुरू कर दिए हैं। हालांकि खुद ऋतिक और सबा ने इस बात पर कोई प्रतिक्रिया व्यक्त नहीं की है।

शादीशुदा लाइफ को काफी इंजॉय कर रही मौनी रॉय

छोटे परदे से अपनी पहचान बनाने वाली मौनी रॉय अपनी शादीशुदा लाइफ को काफी इंजॉय कर रही हैं। वह अक्सर अपने पति के साथ सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर करती हैं। एक्ट्रेस सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। इसी बीच मौनी की लेटेस्ट फोटोज सामने आई हैं जिनमें एक बार फिर से उनका खूबसूरत अंदाज देखने को मिल रहा है। मौनी हर बार अपने किलर लुक्स से अपने फैंस को दिलों को घायल कर देती हैं। वह चाहकर भी अपनी नजरें इनसे हटा नहीं पाते हैं। मौनी इन फोटोज में ब्राउन कलर का वन पीस कैरी किए हुए दिख रही हैं। यह एक ऑफ शोल्डर ड्रेस है। इस आउटफिट में

एक्ट्रेस का कर्वी फिगर कमाल लग रहा है। एक्ट्रेस की फोटोज पर फैंस जमकर प्यार बरसा रहे हैं। साथ ही कमेंट के जरिए अपना रिएक्शन भी शेयर कर रहे हैं।

हिरानी ने कहा, मैंने अब तक शाहरुख के साथ कोई फिल्म क्यों नहीं की

मुंबई (ईएमएस)। शाहरुख खान पठान की सफलता के बाद अपनी दो अन्य फिल्मों जवान और डंकी को पूरा करने में जुट गए हैं। जवान जहाँ 2 जून को प्रदर्शित होने वाली है, वहीं डंकी क्रिसमिस के मौके पर आएगी। जवान का निर्देशन युवा निर्देशक एटली कुमार कर रहे हैं जिन्होंने दक्षिण में कई ब्लॉकबस्टर फिल्में दी हैं। वहीं डंकी का निर्देशन सिने इतिहास के सबसे सक्सेसफुल निर्देशक राजकुमार हिरानी कर रहे हैं, जिन्होंने अपनी आखिरी फिल्म 2018 में रणबीर कपूर के साथ संजू दी थी। 5 साल के लंबे अंतराल के बाद हिरानी निर्देशन में वापसी करने जा रहे हैं। हाल ही में उन्होंने अपने एक साक्षात्कार में कहा कि उन्हें अफसोस है वे पहले शाहरुख खान के साथ काम नहीं कर पाए। हिरानी ने अपनी पहली निर्देशित फिल्म मुन्नाभाई एमबीबीएस शाहरुख खान को लेकर बनाने की योजना बनाई थी, लेकिन शाहरुख खान तब अपनी व्यस्तता के चलते इस फिल्म को स्वीकार नहीं कर पाए और यह फिल्म संजय दत्त के पास गई। मुन्नाभाई की दोनों फिल्मों ने बॉक्स ऑफिस पर

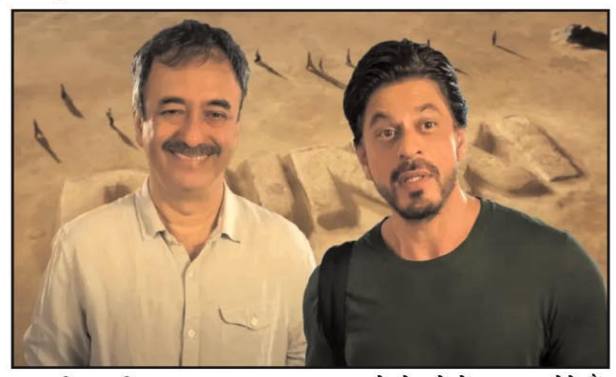

नया इतिहास लिखा था। राजकुमार हिरानी की संजू संजय दत्त की बायोपिक थी, जिसमें रणबीर कपूर ने मुख्य भूमिका अभिनीत की थी। संजू के बाद शाहरुख खान को हिरानी ने दो फिल्मों क्रिकेटर लाला अमरनाथ की बॉयोपिक और डंकी का प्रस्ताव दिया था, जिसमें से शाहरुख खान ने डंकी को चुना। शाहरुख अपने घर पर एक-एक सीन के वीडियो शूट करते हैं और मुझे भेजते हैं। वहां करीब 15 तरह से हर एक सीन कर-के बताते हैं। इससे पहले कि मैं सेट पर जाऊं, मुझे पता होता है कि वहां क्या करने वाले हैं। कभी-कभी मैंने एक शूट के लिए दो दिन रखे हैं और वह उसे दो घंटे में पूरा कर लेते हैं। उनका लैंग्वेज पर बहुत अच्छा कमांड है और उनकी पर्सनालिटी बेहद अट्रैक्टिव है। सुबह 7 बजे शूटिंग पर आकर उन्होंने मुझे पूरी तरह से सरप्राइज कर दिया। हिरानी ने बताया कि, शाहरुख खान को पता है कि मैं जल्दी सोता हूं।इसलिए, शाहरुख की मैनेजर पूजा भी उनसे कहती हैं कि वहां मुझे देर तक मत जगाना। वहां मुझे जल्दी बुला लेते हैं। शाहरुख अपनी टीम को बेहद खुश रखते हैं। सब एक साथ खाते और पार्टी करते हैं। टीम उनके लिए परिवार है। काश! मैंने पहले ही उनके साथ काम किया होता।

बैड बॉय का पहला गाना तेरा हुआ रिलीज

फिल्म बैड बॉय का पहला गाना तेरा हुआ रिलीज किया गया। यह गाना अरिजीत सिंह और ज्योतिका टांगरी द्वारा गाया गया। इसके वीडियो में नमाशी चक्रवर्ती और अमरीन हैं। नमाशी, अभिनेता मिथुन चक्रवर्ती के बेटे हैं। गाने को रूस के सेंट पीटर्सबर्ग मेंकुछ खूबसूरत इलाकों में शूट किया गया है, और इसमें रणबीर कपूर और दीपिका पादुकोण के गाने खुदा जाने जैसा ही वाइब है। तेरा हुआ में मुख्य जोड़ी की शानदार केमिस्ट्री दिखाई गई है। गीत को हिमेश रेशमिया ने धुन दिया है। इसके बोल सोनिया कपूर रेशमिया द्वारा

लिखे गए हैं। इनबॉक्स पिक्स सं के बैनर तले अंजुम कुरैशी और साजिद कुरैशी निर्मित बैड बॉय का निर्देशन राजकुमार संतोषी कर रहे हैं। फिल्म में नमाशी चक्रवर्ती और अमरीन के अलावा जॉनी लीवर, शाश्वत चटर्जी, राजपाल यादव, राजेश शर्मा और दर्शन जरीवाला भी हैं।

बिल्लियों का छोटा सा वीडियो पोस्ट कर सलमान ने दिया गाने का लिंक

बॉलीवुड सुपरस्टार सलमान खान अपनी आने वाली फिल्म किसी का भाई किसी की जान को लेकर काफी चर्चा में हैं। उन्होंने अपने इंस्टाग्राम पर बिल्लियों का एक छोटा सा वीडियो पोस्ट किया। दरअसल, सलमान ने अपने नए गाने की घोषणा वीडियो के जरिए की। नए गाने के बोल बिल्ली बिल्ली है। इस गाने में सलमान और गायक सुखविंदर सिंह सहयोग कर रहे हैं। बिल्ली बिल्ली एनर्जी से भरपूर पंजाबी डांस नंबर है। गाने को कंपोज सुखबीर ने किया है और लिरिक्स कुमार ने लिखे है। सलमान खान फिल्म्स प्रोडक्शन किसी का भाई किसी की जान फरहाद सामजी द्वारा निर्देशित है। फिल्म में सलमान खान, वेंकटेश दग्गुबाती, पूजा हेगड़े, जगपति बाबू, भूमिका चावला, विजेंदर सिंह, अभिमन्यु सिंह, राघव जुयाल, सिद्धार्थ निगम, जस्सी गिल, शहनाज गिल, पलक तिवारी और विनाली भटनागर हैं।

एक्टर अरविंद अकेला कल्लू का नया गाना 'जीजा तोहर बल्ले बल्ले' हुआ वायरल

बिहार-यूपी की होली लोकगीतों के बिना अधूरी होती है। फाल्गुन महीना हो और होली गानों की बाहर ना आए, ये कैसे हो सकता है। आज भी भोजपुरी के मशहूर सिंगर एक्टर अरविंद अकेला कल्लू का नया गाना ह्याजीजा तोहर बल्ले बल्लेह्व रिलीज हुआ और देखते ही देखते वायरल होने लगा। कल्लू का गाना ह्याजीजा तोहर बल्ले-बल्लेह्व एसआरके म्यूजिक के ऑफिशियल यूट्यूब चैनल से रिलीज हुआ है, जिसे लोग खूब पसंद भी कर रहे हैं। जीजा-साली की ठिठोली पर बेस्ड यह गाना सबके कदम थिरकने पर मजबूर कर देने वाला है। होली के इस दमदार गाने में अरविंद अकेला कल्लू की जोया खान के साथ केमिस्ट्री खूब पसंद आ रही है। दोनों के ठुमके धमाकेदार हैं।

इस गाने को कल्लू ने भोजपुरी की सबसे चर्चित आवाज शिल्पी राज के साथ मिलकर रिकार्ड किया है। इस गाने को लोग जमकर शेयर कर रहे हैं। गाने को लेकर अरविंद अकेला कल्लू ने कहा कि गाना मजेदार है और यह सबकी पसंद बन जाएगा। मुझे मेरे काम और दर्शकों पर भरोसा है। उनके लिए होली गानों की श्रृंखला में यह एक और दमदार गाना है। आप इसे देखें और इन्जॉय करें। साथ ही भर- भर कर रील्स बनाएं। यह आपका ही गाना है। आगे और भी गाने आएंगे, लेकिन यह अभी तक सबसे अलग और नया गाना है। तो देर किस बात की होली के रंगों में इस गाने के साथ डूबने के तैयारी कर लीजिए।

अक्षय ने मानी अपनी गलती

बॉलीवुड सुपरस्टार अक्षय कुमार की हालिया फिल्म सेल्फी फ्लॉप हो गई है। लगातार कई फ्लॉप फिल्में दे चुके अक्षय ने कहा कि फिल्मों का बॉक्स-ऑफिस पर न चल पाना पूरी तरह से उनकी गलती है, किसी विशेष फिल्म को पसंद नहीं करने के लिए दर्शकों को दोष नहीं देना चाहिए। अभिनेता ने कहा कि उन्होंने अपने करियर के शुरूआती दिनों में इसी तरह की समस्या का सामना किया था, जब उनकी 16 फिल्में बॉक्स-ऑफिस पर लगातार फ्लॉप हुई थीं। अभिनेता ने कहा, ऐसा मेरे साथ पहली बार नहीं हो रहा है। मेरे करियर में मैंने एक समय में लगातार 16 बार फ्लॉप फिल्में दी हैं। एक समय था जब मेरी

लगातार आठ फिल्में थीं, जो नहीं चलीं। अब, मेरे पास लगातार तीन-चार फिल्में हैं जो नहीं चलीं। फिल्म का न चलना अपनी ही गलती के कारण होता है। दर्शक बदल गए हैं, आपको बदलने की जरूरत है। अक्षय ने कहा कि यह बहुत अच्छा अलार्म है, आपकी फिल्म नहीं चल रही, तब गलती आपकी है। आपके बदलने का समय है। उन्होंने कहा, मैं कोशिश कर रहा हूं और वही कर सकता हूं।

पुष्पा 2 की पहली झलक इस तारीख को देखने मिलेगी

अल्लू अर्जुन की फिल्म पुष्पा बॉक्स ऑफिस पर हिट रही थी। फिल्म पुष्पा 2 को लेकर बड़ी अपडेट सामने आ रही है। आपको बता दें कि अल्लू अर्जुन ने पुष्पा फिल्म से अपनी अलग पहचान बनाई। अब हर कोई अल्लू अर्जुन की पुष्पा 2 को देखने के लिए उत्सुक है। सबकी निगाहें इस पर टिकी हुई हैं कि पुष्पा 2 फिल्म कब आएगी। इसका जवाब है अल्लू अर्जुन का बर्थडे। जी हां.. अल्लू अर्जुन इस साल अपना बर्थडे स्पेशल करने वाले हैं। अल्लू अर्जुन अपने जन्मदिन पर पुष्पा 2 की पहली झलक जारी करेंगे। 8 अप्रैल को अल्लू अर्जुन का जन्मदिन है। पुष्पा 2 का पहला ग्रैंड लुक 8 अप्रैल को कंफर्म किया गया है। लेकिन अगर कोई सवाल है कि पुष्पा 2 फिल्म कब रिलीज जाएगी तो इसका जवाब है, पुष्पा 2 साल 2023 के आखिर तक रिलीज हो सकती है। फिलहाल फिल्म की शूटिंग अंतिम

चरण में है। पुष्पा 2 में पुष्पा (आल्लू अर्जुन) और भंवर सिंह शेखावत (फहद फासिल) के बीच संघर्ष जारी रहेगा। रश्मिका मंदाना मुख्य भूमिका निभा रही हैं।

सूडोकु नवताल- 6358

★★★★★ कठिनतम

		4			9			
	2			8	4			
8						3		
							9	4
	3						7	
5	6							
		7						9
			2	5			8	
			6			2		

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -6357 का हल

5	9	1	2	8	4	3	6	7
6	4	2	3	5	7	9	1	8
8	3	7	9	6	1	4	2	5
4	7	5	8	2	6	1	9	3
3	6	9	7	1	5	8	4	2
1	2	8	4	3	9	7	5	6
7	5	6	1	9	8	2	3	4
9	8	3	5	4	2	6	7	1
2	1	4	6	7	3	5	8	9

शब्दजाल - 7105

जु	श	मु	म	स्ती	त	हो	प	न	र	द
र्म	क्रि	ल	ना	द	म	जा	अं	दा	ज	क
य	के	दो	हे	नि	इ	ना	न	व	टि	रू
इं	ट	स्ती	न	शा	वा	न्सा	क	ले	ज	की
प	दा	सा	भा	ने	तो	हो	न	गो	खा	त
ब	जि	त	प	ग	स	ए	व	सं	वॉ	व
द	प	न्दा	न	जी	म	ह	अ	गो	प्ला	द
क	र	क	प	क्श	प	भा	र	चो	आ	ख
र	व	त	म	रा	भी	त	ग	अ	न	अ
क	र	ल	प	र	ज	ता	रे	र	ह	द
मुं	ब	ई	से	आ	या	मे	रा	दो	स्त	न

शब्दजाल में लारा दत्ता की 10 फिल्मों के नाम ढूंढिए. शब्द ऊपर से नीचे, दाएं से बाएं एंव तिरछे हो सकते हैं

भागमभाग, जुर्म, मस्ती, अंदाज, दोस्ती, आन, इन्सान, खाकी, मुंबई से आया मेरा दोस्त, जिन्दा.

शब्दजाल - 7104 का हल

ग	दि	न	ल	बे	म	ज	ब	न	र	क
र	बा	बु	ल	आ	वा	जी	द	इ	ल	ल
म	व	दे	पू	ह	जी	स्म	न	का	क	हो
म	ची	न	श	ट	ज	प	म	पा	त	न
सा	त	ई	पा	में	व	खें	न	भा	र्क	का
ला	मे	म	सु	प	गं	र	न	ई	र	बु
श	जं	र्म	मे	ता	क	सा	या	न	ज	ल
क	क	ग	ए	सं	ज	प	र	ली	न	ए
ब्रे	बो	र्न	य	त	चि	क	री	जि	प	क्स
त	रा	जु	न	ज	बा	त्र	व	न्दा	ता	प्रे
बे	बी	लो	नि	या	ल	र	न	रा	त	स

Jagrutidaur.com, Bangalore

अष्टयोग- 6058

4			6		5	7
2	31	7	31	4	28	
	5	3		1		
5	37	6	33		29	3
	3		4			1
	29	5	32		40	
1		4	3	2	7	

प्रस्तुत खेल सुडोकू व जोड़ की पद्धति का मिश्रण है. खड़ी व आड़ी पंक्तियों में 1से 7 तक के अंक लिखने अनिवार्य हैं. गहरे काले वर्ग में लिखी संख्या चारों और के 8 वर्गों की संख्या का कुल योग होगी. सीधी अथवा आड़ी पंक्तियों में 1 से 7 तक के अंक होना अनिवार्य है.

अष्टयोग 6057 का हल

7	2	1	6	3	5	4
2	31	7	31	4	28	2
4	5	3	6	1	2	7
3	27	6	33	6	39	5
1	3	2	4	5	7	6
5	31	5	32	7	38	3
6	5	4	3	2	7	1

Jagrutidaur.com, Bangalore

लंदन ओलंपिक–पैरालंपिक स्वर्ण विजेताओं की याद दिला रहे सुनहरे पोस्ट बॉक्स, धरोहर बने

लंदन।

स्ट्रेटफोर्ड अपॉन एवन की एक-एक सड़क, गली, दीवारें और यहां तक आवो-हवा महान विलियम शेक्सपियर के रंग में रंगीं हैं। आखिर यह शहर शेक्सपियर की जन्मस्थली जो है, लेकिन शहर की ब्रिज स्ट्रीट पर सुनहरे रंग से रंगे दो पोस्ट बॉक्स, सैलानियों का ध्यान अपनी ओर खींचते हैं। भारत की तरह इंग्लैंड की रॉयल मेल पोस्ट बॉक्स का आधिकारिक रंग लाल है, लेकिन इनका रंग सुनहरा है। 2012 के लंदन पैरालंपिक में रोइंग का मिक्स कॉक्स्ड-4 का स्वर्ण पदक जीतने वाले जेम्स रो के लिए इस पोस्ट बॉक्स को सुनहरे रंग में रंगकर उन्हें इसे समर्पित किया गया है। सिर्फ रो ही नहीं लंदन ओलंपिक, पैरालंपिक में स्वर्ण जीतने वाले टेनिस स्टार एंडी मरे, साइकलिस्ट क्रिस होए, एथलीट सर मो फराह, मुक्केबाज निकोला एडम्स समेत 111 पोस्ट बॉक्स इन विजेताओं के घरेलू शहरों में सुनहरे रंगों में रंगे गए हैं। 10 साल बाद ये पोस्ट बॉक्स अब इंग्लैंड के लिए धरोहर बन गए हैं।

सुनहरे पोस्टबॉक्स ने ओलंपिक चैंपियनों को अमर किया – इस शहर में जो भी आता है वह शेक्सपियर की बातें करता है, लेकिन इस सुनहरे पोस्ट बॉक्स ने जेम्स रो को अमर कर दिया है। टूरिस्ट गाइड चार्ली बताते हैं कि यहां आने वालों को हम अगर शेक्सपियर के बारे में बताते हैं तो इस सुनहरे पोस्टबॉक्स के बारे में जरूर बताते हैं। पोस्टबाक्स पर जेम्स रो का नाम और लंदन पैरालंपिक में उनकी उपलब्धियां लिखी हुई हैं।

एंडी मरे का विंबलडन में है सुनहरा पोस्टबॉक्स – 24 जुलाई 2012 को सबसे पहला सुनहरा पोस्टबॉक्स लंदन की ऐतिहासिक चर्च वेस्टमिंस्टर एबी में स्थापित किया गया। लंदन ओलंपिक में रोजर फेडरर को विंबलडन में हराकर स्वर्ण जीतने वाले एंडी मरे ने अपने नाम का एक पोस्टबॉक्स विंबलडन में स्थापित कराया है और दूसरा अपने स्कॉटलैंड स्थित शहर डनब्लेन में स्थापित कराया है। ये पोस्टबॉक्स इतने प्रचलित हैं कि लोग इनका पेंट उखाड़कर याद के रूप में अपने पास रख लेते हैं। मरे के पोस्टबॉक्स के साथ ऐसा कई बार हुआ है, लेकिन रॉयल मेल बॉक्स इसे फिर से नए रूप में ले आती है। मरे ने लंदन में दो स्वर्ण जीते थे।

न्यूज़ ब्रीफ

बुमराह को करानी पड़ सकती है पीठ की सर्जरी: आईपीएल -2023 से भी बाहर हुए, वापसी में लग सकता है लंबा समय

बेंगलुरु। पीठ की चोट के कारण टीम इंडिया से बाहर चल रहे तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को सर्जरी करानी पड़ सकती है। वे इंडियन प्रीमियर लीग 2023 से भी बाहर हो गए हैं। मीडिया रिपोर्ट की माने तों 29 साल के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को चोट से उबरने के लिए सर्जरी करानी पड़ेगी। वे इस समय नेशनल क्रिकेट अकादमी, बेंगलुरु में रिहैब प्रक्रिया से गुजर रहे हैं। बुमराह पिछले साल सितंबर महीने में चोट के कारण टीम से बाहर हुए थे। उसके बाद उन्हें एशिया कप और टी-20 वर्ल्ड कप छोड़ना पड़ा था। जसप्रीत ने आखिरी मुकाबला 25 सितंबर को हैदराबाद में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेला था। भारत के वर्ल्ड टेस्ट चैम्पियनशिप के फाइनल में पहुंचने की स्थिति में बुमराह के खेलने पर संशय है। वर्ल्ड टेस्ट चैम्पियनशिप फाइनल इंग्लैंड में जुलाई में होना है। ऐसे में भारतीय टीम मैनेजमेंट उनकी चोट पर कोई जोखिम नहीं उठाना चाहता है। वे अक्टूबर-नवंबर में होने जा रहे वनडे वर्ल्ड कप में वापसी कर सकते हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, बुमराह अब इस साल के अंत में होने वाले वनडे वर्ल्ड कप में वापसी कर सकते हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, बीसीसीआई और टीम मैनेजमेंट ने बुमराह को इस साल होने वाले वनडे वर्ल्ड कप में वापसी कराने का लक्ष्य रखा है। वनडे वर्ल्ड कप इस साल भारत में अक्टूबर-नवंबर में होना है। एनसीए बुमराह आईपीएल में मुंबई इंडियंस की ओर से खेलते हैं। वह इस समय राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी में रिहैब की प्रक्रिया से गुजर रहे हैं। वहां पर पिछले कुछ समय गेंदबाजी का अभ्यास भी कर रहे हैं। ऐसे में उम्मीद की जा रही थी कि वह ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट सीरीज के आखिरी 2 मुकाबलों में खेलते हुए दिख सकते हैं, लेकिन चयनकर्ताओं ने उनकी फिटनेस के आधार पर किसी तरह का कोई जोखिम ना उठाते हुए उन्हें टीम में शामिल नहीं किया। उसके बाद उम्मीद की जा रही थी कि वह मार्च-अप्रैल में होने वाले आईपीएल से वापसी कर सकते हैं, लेकिन अब खबर आ रही है कि उनके फिट होने में समय लग सकता है।

विराट कोहली और एबी डिविलियर्स से सीखना चाहिए, शाहिद अफरीदी ने बाबर आजम की कर दी किरकिरी

नई दिल्ली। पाकिस्तान के पूर्व कप्तान शाहिद अफरीदी ने दावा किया है कि बाबर आजम को खुद को मैच विनर साबित करना बाकी है। जहां अफरीदी ने सहमति जताई कि बाबर आजम दुनिया के सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाजों में से एक हैं, वहीं उन्होंने कहा कि विराट कोहली और एबी डिविलियर्स से पाक कप्तान को मैच फिनिश करना सीखना चाहिए। बाबर आजम ने पिछले कुछ सालों में खुद को बेहतरीन बल्लेबाज के रूप में साबित किया, लेकिन टी20 क्रिकेट में उनके स्ट्राइक रेट पर हमेशा सवाल खड़े होते रहे हैं। दाएं हाथ के बल्लेबाज टी20 क्रिकेट में पाकिस्तान के लिए ओपनिंग करते हैं, लेकिन कुछ मौकों पर वो अच्छे गेंदबाजी आक्रमण के सामने संघर्ष करते दिखे। शाहिद अफरीदी ने एक स्थानीय टीवी चैनल से बातचीत में कहा कि बाबर आजम पाकिस्तान क्रिकेट का चेहरा हैं, लेकिन उन्हें मैच फिनिश करना सीखने की जरुरत है। अफरीदी ने कहा, कोई शक नहीं कि बाबर आजम दुनिया के नंबर-1 खिलाड़ी हैं और वो पाकिस्तान क्रिकेट टीम का अभिमान हैं। हालांकि, एबी डिविलियर्स और विराट कोहली के साथ उनका नाम लेने में एक चीज रोक रही है, वो है मैच फिनिश करना। बाबर आजम को खुद को मैच विनर साबित करने की जरुरत है। बाबर आजम ने 2022 में दो प्रमुख आईसीसी अवॉर्ड्स जीते। उन्होंने साल के सर्वश्रेष्ठ वनडे खिलाड़ी और साल के सर्वश्रेष्ठ क्रिकेटर का खिताब जीता। आईसीसी ने बाबर आजम को आईसीसी की साल की वनडे टीम का कप्तान भी बनाया। बाबर आजम ने बताया था कि निजी कीर्तिमान उनके लिए मायने नहीं रखते और वो आईसीसी वर्ल्ड कप खिताब जीतना चाहते हैं।

खेल मंत्री अनुराग पहुंचे बिलासपुर, सुनी लोगों की समस्याएं; कांग्रेस पर कसा तंज

बिलासपुर। केंद्रीय सूचना और प्रसारण एवं युवा कार्यक्रम व खेल मंत्री अनुराग ठाकुर मंगलवार को बिलासपुर जिला में पहुंचे। अनुराग ठाकुर सुबह पहले विश्राम गृह घुमारवीं रूके और यहां उन्होंने लोगों की समस्याएं सुनी व अधिकारियों को इन समस्याओं के निवारण के आदेश दिए। लंबे अंतराल के बाद घुमारवी में लोगों की समस्याएं सुनने पहुंचे अनुराग ठाकुर ने कहा कि क्षेत्र के विकास के लिए केंद्र सरकार हमेशा कार्य करती रहेगी। ठाकुर ने प्रदेश कांग्रेस सरकार द्वारा बंद किये गए कार्यालयों के बारे में कहा कि संस्थाओं में सुधार हो सकता है, लेकिन कार्यालय बंद करना गलत है।

पहले दिन ऑस्ट्रेलिया को 47 रन की बढ़त

पहली पारी में 109 रन के जवाब में 156 रन बनाए, ग्रीन–हैंड्सकम्ब नाबाद लौटे

इंदौर।

भारत-ऑस्ट्रेलिया के बीच चल रही बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी का तीसरे टेस्ट का पहला दिन कंगारुओं के नाम रहा है। इंदौर के होलकर स्टेडियम में मेहमान टीम ने स्टंप्स तक पहली पारी में 47 रन की बढ़त बना ली है। स्टंप्स के बाद ऑस्ट्रेलिया का स्कोर 156/4 है। टीम के कप्तान स्टीव स्मिथ और पीटर हैंड्सकॉम्ब नाबाद हैं, ओपनर उस्मान ख्वाजा (60 रन) ने करियर का 21वां अर्धशतक जमाया, जबकि स्टीव स्मिथ 26 रन बनाकर आउट हुए। भारत की ओर से रवींद्र जडेजा ने चार विकेट लिए। उनके इंटरनेशनल क्रिकेट में 500 विकेट हो गए हैं। वे 500+ विकेट लेने वाले 7वें भारतीय गेंदबाज बने।

अब सेशन के अनुसार देखिए पहले दिन का खेल

पहला: स्पिनर्स का दबदबा रहा, पुजारा, जडेजा और अय्यर सस्ते लौटे – पहले दिन का पहला सेशन ऑस्ट्रेलियाई स्पिनर्स के नाम रहा। इंदौर की पिच खेल की शुरुआत से ही स्पिनर्स पर मेहरबान रही। ऐसे में टीम इंडिया ने दो घंटे के खेल में 84 रन बनाने में अपने सात विकेट गंवा दिए। विराट कोहली (22 रन) और शुभमन गिल (21 रन) की कुछ देर टिक सके। शेष बल्लेबाज आते गए और जाते गए। चेतेश्वर पुजारा एक, रवींद्र जडेजा 4 और श्रेयस अय्यर शून्य पर आउट हुए।

दूसरा : कंगारुओं का दबदबा कायम – दूसरा सेशन भी कंगारुओं के नाम रहा। इसमें मेहमान गेंदबाजों ने भारत के तीन विकेट लेकर उसे 109 पर ऑलआउट कर दिया। उसके बाद एक विकेट गंवाकर 71 रन बनाने हुए अपना दबदबा बरकरार रखा।

तीसरा : जडेजा ने कराई भारत की वापसी – यह सेशन मिलाजुला रहा। इसमें ऑस्ट्रेलियाई टीम ने जहां 85 रन बनाए। वहीं, भारतीय गेंदबाज रवींद्र जडेजा ने 3 और विकेट लिए। इस सेशनल में उस्मान ख्वाजा ने करियर का 21वां अर्धशतक जमाया।

ऐसे गिरे ऑस्ट्रेलिया के विकेट

पहला : ट्रेविस हेड को रवींद्र जडेजा ने आउट कर दिया। दूसरा : रवींद्र जडेजा ने लाबुशेन को बोल्ड कर दिया। तीसरा : रवींद्र जडेजा ने उस्मान ख्वाजा को डीप मिडविकेट बाउंड्री पर गिल के हाथों कैच कराया। चौथा : रवींद्र जडेजा ने स्टीव स्मिथ को केएस भरत के हाथों कैच कराया। ख्वाजा-लाबुशेन ने दिलाई मजबूत शुरुआत 12 रन पर पहला विकेट गंवाने के बाद उस्मान ख्वाजा और मार्नस लाबुशेन ने ऑस्ट्रेलिया को मजबूत शुरुआत दिलाई। दोनों के बीच 198 बॉल पर 96 रनों की साझेदारी हुई। टीम इंडिया 109 रन पर सिमटी, कुहनेमन को 5 विकेट टॉस जीतकर पहले बैटिंग करने उतरी टीम इंडिया पहली पारी में 109 रनों पर ऑलआउट हो गई। टीम से विराट कोहली ने सबसे ज्यादा 22 रन बनाए। जबकि केएल राहुल की जगह खेल रहे ओपनर शुभमन गिल ने 21 रन बनाए। विकेटकीपर केएस भरत और उमेश यादव ने 17-17 रन बनाए। वहीं, कप्तान रोहित शर्मा और अक्षर पटेल 12-12 रन ही जोड़ सके। शेष बल्लेबाज कुछ खास नहीं कर सके। ऑस्ट्रेलिया की ओर से मैथ्यू कुहनेमन ने 5 विकेट हासिल किए। जबकि नाथन लायन को 3 सफलताएं मिलीं। एक विकेट टॉड मर्फी के हिस्से आया।

ऐसे गिरे टीम इंडिया के विकेट

पहला: छठे ओवर की आखिरी बॉल को रोहित शर्मा आगे निकलकर बड़ा शॉट खेलना चाहते थे, लेकिन मैथ्यू कुहनेमन की बॉल ऑफ स्टंप के बाहर निकली और रोहित चूक गए और उन्हें एलेक्स कैरी ने उन्हें स्टंपिंग कर दिया। दूसरा : मैथ्यू कुहनेमन की बॉल गिल के बल्ले का बाहरी किनारा छूकर कीपर के हाथ में गई। तीसरा : नौवें ओवर की दूसरी बॉल में नाथन लायन ने चेतेश्वर पुजारा को क्लीन बोल्ड कर दिया। चौथा : नाथन लायन की बॉल पर कुहनेमन ने जडेजा को शार्ट एक्स्ट्रा कवर में कैच किया। पांचवां : कुहनेमन को तीसरा विकेट मिला। धीमी पिच पर बॉल बैट का इनर एज लेकर स्टंप्स से लगी। छठा : विराट कोहली टॉड मर्फी की बॉल पर आउट हो गए। सातवां : 26वें ओवर की आखिरी बॉल पर नाथन लायन ने श्रीकर भरत को आउट कर दिया। आठवां : ऑफ स्टंप के बाहर जाती कुहनेमन की बॉल अश्विन का बैट छूकर एलेक्स कैरी के दस्तानों में चली गई। नौवां : उमेश यादव को कुहनेम ने आउट कर दिया। यह कुहनेमन का 5वां विकेट था। दसवां : मोहम्मद सिराज रन आउट हो गए।

फिर फ्लॉप रहा टॉप ऑर्डर – टीम इंडिया का टॉप ऑर्डर इंदौर में भी फ्लॉप रहा। यहां कप्तान रोहित शर्मा 12 रन बनाकर आउट हुए, जबकि केएल राहुल की जगह टीम में शामिल किए गए शुभमन गिल 21 रन बना सके। चेतेश्वर पुजारा एक रन, रवींद्र जडेजा 4 रन बनाकर आउट हुए। श्रेयस अय्यर तो अपना खाता भी नहीं खोल सके।

पिच पढ़ने में गलती कर गए रोहित शर्मा – भारतीय कप्तान रोहित शर्मा एक बार फिर पिच पढ़ने में गलती कर बैठे। उन्होंने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला लिया, जबकि पिच स्पिन फ्रेंडली बनाई गई थी, जो पहले ही सेशन से स्पिनर्स को मदद कर रही है।

फीफा अवॉर्ड्स में अपने पसंदीदा खिलाड़ी को वोट नहीं कर पाए रोनाल्डो, मेसी ने जीता खिताब

नई दिल्ली।

विश्व चैंपियन अर्जेंटीना के कप्तान लियोनल मेसी ने साल 2022 के लिए बेस्ट फीफा मेंस प्लेयर का अवॉर्ड जीता। यह कार्यक्रम पेरिस में हुआ और मेसी खुद अवॉर्ड लेने पहुंचे थे। 2016 से दिए जा रहे इस अवॉर्ड को मेसी ने दूसरी बार जीता। 35 साल के मेसी ने पेरिस सेंट जर्मेन (पीएसजी) के अपने साथी कीलियन एम्बाप्पे और रियल मैड्रिड से खेलने वाले कारिम बेंजेमा को पीछे छोड़कर पुरस्कार अपने नाम किया। इस पुरस्कार के लिए विजेता का चयन राष्ट्रीय टीम के चुनिंदा कप्तानों और कोचों द्वारा डाले गए वोटों के आधार पर किया जाता है। एक बात जो हैरान करने वाली थी वह यह थी कि डिफेंडर पेपे ने क्रिस्टियानो रोनाल्डो के स्थान पर पुर्तगाल के प्रतिनिधि के रूप में वोट डाला। रोनाल्डो ने वोट डालने से इसलिए परहेज किया क्योंकि 2022 फीफा विश्व कप के दौरान कई मैचों में उन्हें स्टार्टिंग प्लेइंग-11 में जगह नहीं मिली थी। इसलिए सीनियर प्लेयर पेपे को अपना वोट डालने का अवसर दिया गया था। पेपे ने पहली पसंद के रूप में फ्रांस के कीलियन एम्बाप्पे को वोट दिया था। उसके बाद उन्होंने क्रोएशिया के लुका मॉड्रिच और फ्रांस के करीम बेंजेमा को वोट दिया।

इस पुरस्कार के लिए राष्ट्रीय टीम के कोच और कप्तान के अलावा पत्रकार और फैंस वोट देते हैं। मेसी को यह अवॉर्ड अर्जेंटीना को पिछले साल चैंपियन बनाने और टूर्नामेंट में कुछ अद्भुत गोल करने के लिए दिया गया। मेसी की कप्तानी में अर्जेंटीना की टीम तीसरी बार चैंपियन बनी थी। मेसी ने दोहा में खेले गए फाइनल में दो गोल दागे। हालांकि, फुल टाइम तक मैच 3-3 की बराबरी पर रहा था। इसके बाद पेनल्टी शूटआउट में अर्जेंटीना ने फ्रांस को हराया था। मेसी ने अवॉर्ड लेते वक्त वर्ल्ड कप में अपनी जीत के बारे में बात की थी। उन्होंने कहा- पिछला साल मेरे लिए शानदार रहा था। अपने सपने को हासिल करने के लिए मैंने बहुत संघर्ष किया था। अंत में मुझे यह मिल गया और यह मेरे करियर की सबसे खूबसूरत चीज थी। पत्नी एंटोनेला रकुजो के साथ समारोह में पहुंचे मेसी ने कहा- यह हर फुटबॉलर के लिए एक सपना है।

बैडमिंटन खेल रहे युवक को आया हार्ट अटैक, मौतः बेहोश होकर कोर्ट पर ही गिरा और अस्पताल पहुंचने से पहले दम तोड़ दिया

हैदराबाद।

बैडमिंटन खेलने के दौरान के व्यक्ति की हार्ट अटैक से मौत हो गई। यह घटना मंगलवार शाम की है। हैदराबाद स्थित सिकंदराबाद के लालपेट में बैडमिंटन खेलने के दौरान ही एक व्यक्ति कोर्ट पर गिरते हैं और उनकी हार्ट अटैक से मौत हो जाती है। जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। जानकारी के मुताबिक 38 साल के श्याम यादव रोज की तरह ऑफिस से आने के बाद शाम साढ़े सात बजे बैडमिंटन खेलने के लिए गए थे। बैडमिंटन खेलने के दौरान ही उन्हें दिल का दौरा पड़ा और वह बेहोश हो गए। उसके बाद उसके साथी उसे इलाज के नजदीकी अस्पताल लेकर पहुंचे। जहां डॉक्टरों ने श्याम को मृत घोषित कर दिया। इस घटना से श्याम के दोस्त हैरान हैं। उनका कहना है कि श्याम काफी फिट था। हम लोग हर रोज बैडमिंटन खेलते थे।

हल्दी लगाने के कारण अचानक युवक को दिल का दौरा

अभी हाल ही में हैदराबाद के एक और चौंकाने वाला मामला सामने आया था। जहां एक युवक की हल्दी लगाने के दौरान हार्ट अटैक से मौत हो जाती है। दरअसल युवक की शादी होने वाली थी। घर में शादी का उत्सव था। हल्दी रस्म चल रही थी। हल्दी लगाने के दौरान अचानक युवक को थोड़ी परेशानी होती है। उसके बाद वह बेहोश हो जाते हैं। जब उन्हें अस्पताल ले जाता है तो डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

डांस करते-करते मौत

कुछ दिन पहले नांदेड़ में एक व्यक्ति का डांस करने के दौरान मौत हो गई। युवक तेलंगाना से शादी में शामिल होने के लिए आया हुआ था। तेलुगु गाने पर डांस कर रहा था। युवक अचानक डांस करते हुए रूक गया। फिर कुछ ही सेकेंड में वह गिर गया। लोगों ने उठाने की कोशिश की लेकिन वह नहीं उठा। बाद में डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया।

रवींद्र जडेजा और युजवेंद्र चहल बर्बाद स्पिनर्स हैं, पाक क्रिकेटर ने भारतीय स्पिनर्स को लेकर उगला जहर

नई दिल्ली।

भारत में दुनिया के कुछ महानतम स्पिनर्स ने जन्म लिया, जिसमें बिशन सिंह बेदी, अनिल कुंबले, हरभजन सिंह, रविचंद्रन अश्विन आदि का नाम शामिल हैं। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले टॉप-20 गेंदबाजों में भारत के तीन गेंदबाज शामिल हैं। इसमें 956 विकेट के साथ अनिल कुंबले भारत में शीर्ष और दुनिया में चौथे स्थान पर हैं। भारतीय टीम को 2012 के बाद से घर में हराना किसी भी टीम के लिए मुश्किल हो चुका है और इसका प्रमुख कारण हैं उसके स्पिनर्स। हालांकि, पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर ने भारतीय टीम पर बेवजह हमला करते हुए कहा कि रवींद्र जडेजा और युजवेंद्र चहल बर्बाद स्पिनर्स हैं। रवींद्र जडेजा भारतीय क्रिकेट में अपनी ऑलराउंड प्रतिभा के कारण लोकप्रिय हुए। मौजूदा बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में जडेजा ने ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाजों को खूब परेशान किया और दो टेस्ट में 18 विकेट ले चुके हैं। दोनों टेस्ट में वह मैन ऑफ द मैच बने। आईसीसी टेस्ट गेंदबाजी रैंकिंग में रवींद्र जडेजा 9वें स्थान पर हैं जबकि वह ऑलराउंडर्स की रैंकिंग में शीर्ष स्थान पर हैं। वहीं चहल सीमित ओवर क्रिकेट में भारत का अहम हिस्सा हैं। चहल ने 75 टी20 इंटरनेशनल मैचों में 91 विकेट लिए। उन्होंने 72 वनडे में 121 विकेट चटकाए। नादिर अली पोडकास्ट यूट्यूब चैनल पर अब्दुर रहमान से पूछा गया कि भारत में सबसे खराब स्पिनर कौन हैं। अब्दुर रहमान ने शुरुआत में इस सवाल से बचने का प्रयास किया और कहा, अगर कोई देश के लिए खेल रहा है तो वो खराब स्पिनर नहीं हैं। मगर नादिर अली के जोर देने पर रहमान ने कहा, जडेजा करियर की शुरुआत में निराशाजनक गेंदबाज थे। अब्दुर रहमान ने कहा कि पूर्व भारतीय कप्तान एमएस धोनी के मार्गदर्शन में जडेजा शीर्ष गेंदबाज बने। इसके बाद रहमान ने युजवेंद्र चहल को बर्बाद गेंदबाज करार दिया और कहा कि कोई भी बल्लेबाज उसकी गेंद पर आसानी से रन बना सकता है। रहमान ने कहा, जडेजा जब शुरू में आया तब वो फकीर स्पिनर था। एमएस धोनी के मार्गदर्शन में वो इस तरह तैयार हुआ कि अब नंबर-1 गेंदबाज है। चहल बर्बाद गेंदबाज है। आप आसानी से उसे मार सकते हो। उसकी गेंदबाजी में कोई जोर नहीं है और न ही वो ज्यादा गेंद को स्पिन करा पाता है। लंबी रेस के घोड़े नहीं हैं।

दार्जिलिंग में जेएसएल-एनएफआर पूर्वोत्तर हॉफ मैराथन का दूसरा संस्करण, इथियोपियाई बेलेट दौड़े सबसे तेज

गुवाहाटी।

जेएसएल-एनएफआर पूर्वोत्तर हाफ मैराथन श्रृंखला का दूसरा संस्करण रविवार को प्रतिष्ठित दार्जिलिंग हिमालयन रेलवे (डीएचआर) में सफलतापूर्वक सम्पन्न हो गया। दार्जिलिंग के सांसद राजू बिष्ट, पू. सी. रेल के महाप्रबंधक श्री अंशुल गुप्ता और जिंदल स्टेनलेस के निदेशक श्री तरुण खुल्बे की उपस्थिति में मैराथन दौड़ को झंडी दिखाकर रवाना किया गया। जैमलिंग नोर्गे (महान तेनजिंग नोर्गे के सुपुत्र), मीरा राय, नेशनल ज्योग्राफिक एडवेंचरर ऑफ द ईयर की विजेता, उदय कुमार, जय बालाजी ग्रुप के सीईओ गौरव जाजोदिया और कई अन्य गणमान्य व्यक्ति भी उपस्थित थे।

इस बारे में जानकारी देते हुए एनएफआर के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी सब्यसाची डे ने बताया कि उत्तर बंगाल और सिक्किम क्षेत्रों में खेलों को सशक्त बनाने और प्रतिष्ठित डीएचआर - एक यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल को बढ़ावा देने के मुख्य उद्देश्य के साथ, इस लोकप्रिय जेएसएल-एनएफआर पूर्वोत्तर हॉफ मैराथन का आयोजन पू. सी. रेल द्वारा अपने विभिन्न हितधारकों के साथ संयुक्त रूप से प्रकृति मनोहर दार्जिलिंग में किया गया है। सहायक समूह यथा, दार्जिलिंग एनफील्डर्स, दार्जिलिंग माउंटेन बाइकर्स, दार्जिलिंग पुलिस और प्रशासन, युमा हॉस्पिटल्स, विकरन फाउंडेशन और जय बालाजी ग्रुप ने इस आयोजन को भव्य बनाने के लिए साथ आए। यह आयोजन इस क्षेत्र को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय खेल प्लेटफार्मों पर सुर्खियों में लाने में सफल रहा है, क्योंकि भारत के विभिन्न हिस्सों और विदेशों से बड़ी संख्या में धावकों ने दौड़ में भाग लिया।

तीन अलग-अलग श्रेणियों में दौड़े धावक

धावकों ने तीन अलग-अलग दौड़ श्रेणियां बनाई गई थीं। इसमें पुरुषों और महिलाओं दोनों के लिए 21 कि.मी, 10 कि.मी. और 5 कि.मी. दौड़ रखा गया था। 21 किलोमीटर लंबे हॉफ मैराथन पुरुष धावकों में इथियोपिया के बेलेट मेकोनेन ने 01: 09.4 समय पर प्रथम स्थान हासिल किया, जबकि नेपाल के गजिंद्र राय ने 01: 11.5 समय पर दूसरा स्थान हासिल किया और केन्या के जेम्स किपलेटिंग 01: 11.6 समय के साथ तीसरे स्थान पर रहे। महिला वर्ग में इथोपिया की जलीना कोरे ने 01: 09.5 समय के साथ प्रथम स्थान हासिल किया, जबकि उत्तर प्रदेश (भारत) की तमसी सिंह ने 01: 18.6 समय के साथ दूसरा स्थान हासिल किया और कार्सियांग (पश्चिम बंगाल) की प्रीति राय ने 01: 24.4 समय के साथ तीसरा स्थान हासिल किया। दोनों श्रेणियों के लिए 21 कि.मी., 10 कि.मी. और 5 कि.मी. दौड़ के विजेताओं को पुरस्कार स्वरूप नगद राशि, पदक और प्रमाण पत्र से सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर सांसद राजू बिष्ट ने खुशी व्यक्त करते हुए दार्जिलिंग में इस महत्वपूर्ण कार्यक्रम आयोजन के लिए रेलवे को धन्यवाद दिया। महाप्रबंधक अंशुल गुप्ता ने कहा, खेल गतिविधियों में नए युग की शुरुआत के लिए इस जोन द्वारा इस तरह के और अधिक आयोजन किए जाएंगे और दार्जिलिंग में एनई हॉफ मैराथन से क्षेत्र में पर्यटन को बढ़ावा देने में मदद मिलेगी। जिंदल स्टेनलेस के सीओओ और निदेशक, तरुण खुल्बे ने कहा कि भारत के माननीय प्रधानमंत्री ने भारत के बाकी हिस्सों के साथ पूर्वोत्तर के एकीकरण और भारत के पूर्वोत्तर क्षेत्र में बुनियादी ढांचे के विकास को प्राथमिकता दी है। माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के विकासशील पूर्वोत्तर और राष्ट्र निर्माण के विजन के अनुरूप पू. सी. रेल इनोवेशंस इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के सहयोग से पूर्वोत्तर क्षेत्र में जेएसएल-एनएफआर नॉर्थईस्ट हाफ मैराथन की एक श्रृंखला का आयोजन कर रहा है। पू. सी. रेल की यह शानदार पहल न केवल पूर्वोत्तर भारत के खिलाड़ियों को सशक्त बनाएगी, बल्कि उनके समग्र विकास के लिए तालमेल का सृजन करेगी।

मेटाबॉलिज्म की सुस्ती भगाएं, चुस्ती पाए

योग

मन को शांत करे पद्मासन, शारीरिक विकारों से आराम भी मिलता है

पद्मासन या कमल आसन बैठकर की जाने वाली योग मुद्रा है, इसमें घुटने विपरीत दिशा में रहते हैं। इस मुद्रा को करने से मन शांत और ध्यान गहरा होता है। कई शारीरिक विकारों से आराम भी मिलता है। इस मुद्रा में नियमित अभ्यास से साधक कमल की तरह पूरी तरह से खिल उठता है, इसलिए इस मुद्रा का नाम पद्मासन है। चीनी और तिब्बती बौद्ध मान्यता में कमल आसन को वज्रासन भी कहा जाता है।

कैसे करें?

1. फैरों को सामने की ओर फैलाकर जमीन पर बैठ जाएं, रीढ़ की ह सीधी रहे।
2. दाहिने घुटने को मोड़ें और बांई जांघ पर रख दें, ध्यान रहे कि एड उदर के पास हो और पांव का तलवा ऊपर की ओर हो।
3. अब यही प्रक्रिया दूसरे पैर के साथ दोहराए
4. दोनों पैरों को मोड़े, पांव विपरीत जांघों पर रखे
5. हथेली सीधी और हाथ का अंगूठे को पोर प्रथमा... पहली अंगुली क पोर को छू रहा हो। दोनों हाथ घुटनों पर हो।
6. सिर सीधा और रीढ़ की हड्डी सीधी रहे।
7. इसी स्थिति में बने रहकर गहरी सांस लेते रहें।

यदि आपको दोनों पैरों को मोड़कर पद्मासन में बैठने में परेशानी हो तो आप अर्ध पद्मासन में भी बैठ सकते हैं। किसी भी पैर को विपरीत जांघ पर रखकर आप यह आसन कर सकते हैं। जब तक आपका शरीर पद्मासन लगाने के लिए पर्याप्त लचीला न हो जाए, तब तक आप अर्ध पद्मासन से भी काम चला सकते हैं

पद्मासन के लाभ

1. पाचन क्रिया में सहायक होता ह
2. मांसपेशियों के तनाव को कम करता है और रक्तचाप को नियंत्रि करता है।
3. मन को शांति प्रदान करता ह
4. गर्भवती महिलाओं को प्रसव पीड़ा कम करने में मदद करता ह
5. मासिक चक्र की परेशानी को कम करता ह

पद्मासन एक सरल और आसानी से किया जा सकने वाला आसन है। फिर भी यदि आप पद्मासन में नहीं बैठ सकते हैं तो अर्ध पद्मासन को

बातें जो मेटाबॉलिज्म पर डालती हैं असर

बढ़ते वजन पर काबू पाने में असफल होने पर हम कई बार शरीर के धीमे मेटाबॉलिज्म को दोष देने लगते हैं। यह सच है कि हमारे वजन और मेटाबॉलिज्म में संबंध है, पर मोटापे का कारण मेटाबॉलिज्म नहीं है। हमारी अस्वस्थ और अनियमित दिनचर्या के कारण शरीर का मेटाबॉलिज्म धीमा हो जाता है, जिसके लक्षण मोटापे के तौर पर दिखते हैं। यही बात सर्दियों पर भी लागू होती है। सर्दियों में शरीर को ज्यादा गर्मी की जरूरत पड़ती है। भूख तेज लगती है, डाइट बढ़ जाती है, लेकिन शरीर की सक्रियता घट जाती है। मेटाबॉलिज्म खुद से सुस्त नहीं हो जाता। हमारी दिनचर्या के सुस्त होने से मेटाबॉलिज्म की दर धीमी हो जाती है।

क्या है मेटाबॉलिज्म

हम जो खाते-पीते हैं, उसको पचाकर ऊर्जा में बदलने की प्रक्रिया मेटाबॉलिज्म है। सामान्य शब्दों में यह वह प्रक्रिया है, जो कैलरी को ऊर्जा में बदल देती है। हमारे शरीर को हर समय ऊर्जा की जरूरत होती है। शरीर में मेटाबॉलिज्म की प्रक्रिया 24 घंटे चलती रहती है। उस वक्त भी, जब हम आराम की मुद्रा में होते हैं। सोते समय शरीर की आंतरिक क्रियाओं जैसे रक्त संचार, सांस लेने, कोशिकाओं की मरम्मत आदि के लिए ऊर्जा की जरूरत होती है।

मेटाबॉलिज्म दो तरह का होता है। बीएमआर (बेसल मेटाबॉलिक रेट) और आरएमआर (रेस्टिंग मेटाबॉलिक रेट)। आराम की मुद्रा में भी हमारा शरीर ऊर्जा की खपत कर रहा होता है। हम दिनभर में जितनी कैलरी का सेवन करते हैं, उसके 75 फीसदी की खपत आरएमआर करता है। शेष कैलरी पाचन एवं अन्य शारीरिक गतिविधियों के लिए होती है। अब सवाल आता है कि कितनी कैलरी की जरूरत होती है? सामान्य तौर पर आरएमआर के लिए एक वयस्क महिला को दिनभर में 1200 कैलरी की जरूरत होती है। वहीं 200-400 अतिरिक्त कैलरी रोजाना की शारीरिक गतिविधियों के लिए जरूरी होती है।

उधर पुरुषों के लिए 1300 कैलरी आरएमआर के लिए जरूरी होती हैं। शारीरिक गतिविधियों के लिए उन्हें अतिरिक्त 1400-1600 कैलरी की जरूरत होती है। हालांकि, शारीरिक गतिविधियों को देखते हुए सबकी यह जरूरत अलग-अलग भी हो सकती है। जितनी कैलरी की खपत हमारा शरीर नहीं कर पाता, वह वसा के रूप में शरीर के विभिन्न हिस्सों पर जमा होने लगती है, जिसे मोटापा कहा जाता है।

मेटाबॉलिज्म अगर ज्यादा या कम होता है तो उसका असर शरीर के वजन पर दिखता है। मेटाबॉलिज्म कम होने पर शरीर का वजन एक जगह पर आकर ठहर सकता है। मेटाबॉलिज्म के साथ-साथ एक चीज और है कैटाबॉलिक रेट। कैटाबॉलिक दर बढ़ने पर वजन कम होने लगता है।

उम्र का भी होता है असर

उम्र ब?ने के साथ भी मेटाबॉलिज्म धीमा हो जाता है। 25 साल की उम्र के बाद हर एक दशक में बीएमआर और आरएमआर में कुछ गिरावट होती है, पर व्यायाम करके आप इसके असर को काबू में रख सकते हैं। यह भी देखने को मिलता है कि 40 के बाद , इस डर से कि हड्डी और मांसपेशियां चोटिल ना हों, हम हल्का व्यायाम करने लगते हैं, लेकिन यह धारणा गलत है।

कुछ लोग उम्र ब?ने के साथ डाइट भी कम कर देते हैं। जबकि शरीर स्वस्थ है और पूरी तरह सक्रिय रहते हैं तो खाने की मात्रा कम करना मेटाबॉलिज्म को धीमा कर देता है। हर उम्र में शरीर को डाइट व व्यायाम में एक संतुलन बनाए रखना होता है।

बातें जो मेटाबॉलिज्म पर डालती हैं असर

0 सुबह मेटाबॉलिज्म तेज होता है। दिनचर्या व्यस्त होने के कारण ऊर्जा की जरूरत व खपत तेजी से होते हैं। तभी सुबह पौष्टिक नाश्ता जरूरी बताया जाता है। शाम में हमारी गतिविधियां घट जाती हैं, इसलिए मेटाबॉलिज्म धीमा हो जाता है। तभी शाम को हल्का खाने को कहा जाता है।

0 सुबह का नाश्ता ना करना भी सेहत के लिए अच्छा नहीं है। सीधे दोपहर में भोजन करना मेटाबॉलिज्म पर बुरा असर डालता है। सुबह उठने के डेढ़ से दो घंटे के भीतर हमारे लिए कुछ पौष्टिक खाना जरूरी होता है। सुबह सही समय पर नाश्ता करने के बाद दोपहर व शाम के समय का भोजन भी सही समय पर हो जाता है। खान-पान में नियमितता मेटाबॉलिज्म पर अच्छा असर डालती है।

0 महिलाओं का मेटाबॉलिज्म पुरुषों के मुकाबले कम होता है। माहवारी के चार-पांच दिनों में अमूमन महिलाएं ठीक से आहार नहीं लेतीं। कई बार शारीरिक सक्रियता घट जाती है। चार-पांच दिन के अंतराल पर हुई खान-पान की अनियमितता मेटाबॉलिज्म को धीमा कर देती है। इसके अलावा सुबह के नाश्ते में लापरवाही के मामले भी महिलाओं में अधिक देखने को मिलते हैं।

0 मेटाबॉलिज्म सिर्फ पौष्टिक खान-पान से नहीं बढ़ाया जा सकता। नियमित व्यायाम अतिरिक्त ऊर्जा की खपत व मेटाबॉलिज्म को सही रखने में मदद करता है।

0 भोजन को छोटे कणों व उसके बाद ऊर्जा में बदलने के लिए पानी की जरूरत होती है। अगर बॉडी थोड़ी भी डिहाइड्रेट होगी तो मेटाबॉलिज्म धीमा हो जाएगा। इसके लिए ताजे फल और सब्जियों को खाने में शामिल करें। मधुमेह या हृदय रोग से पीड़ितों को इस संबंध में डॉक्टर से बात करनी चाहिए।

थाइरॉएड और विटामिन-डी की कराएं जांच

हार्मोन्स में होने वाले बदलाव भी मेटाबॉलिज्म को धीमा कर सकते हैं। इसके लिए जरूरी है कि डॉक्टरी जांच से जाना जाए कि थाइरॉएड हार्मोन्स ठीक से काम कर रहे हैं या नहीं। थाइरॉएड ग्रंथि के असक्रिय या धीमी गति से काम करने के कारण भी शारीरिक सक्रियता घटती है, जो मेटाबॉलिज्म को सुस्त कर देती है। विटामिन डी की कमी होने से भी वजन धीमी रफ्तार से कम होता है। अन्य हार्मोन्स में भी गड़बड़ी आ जाती है। विटामिन डी की जांच कराएं।

क्रैश डाइट

कई बार हम वजन कम करने के लिए लो-कैलरी डाइट लेने लगते हैं। ऐसे में अनजाने ही उस कैलरी इनटेक में भी कटौती कर देते हैं, जो शरीर को रोजाना चाहिए होती है। कई बार वसा तो शरीर से कम नहीं होती, पर मांसपेशियों पर बुरा असर होने लगता है। लंबे समय बाद सेहत पर इसके बुरे असर दिखाई देने लगते हैं। मेटाबॉलिज्म धीमा हो जाता है, वह अलग। आप जरूरी कैलरी में कटौती किए बिना भी मेटाबॉलिज्म की दर को सही बनाए रख सकते हैं। सेहतमंद तरीके से वजन को कम करें। अगर एक महिला दिनभर में 1200 से कम और पुरुष 1800 से कम कैलरी का सेवन कर रहे हैं तो वह मेटाबॉलिज्म के सुधरने की उम्मीद न करें। अस्थाई तौर पर बेशक इससे वजन कम होगा, लेकिन मेटाबॉलिज्म की भी हानि होगी। शरीर पर बुरा असर दिखाई देने लगेगा। इससे मांसपेशियों के द्रव्यमान में कमी आएगी, वसा में नहीं। आगे चलकर आपका शरीर कम कैलरी की खपत करेगा और मोटापा घेरने लगेगा।

कैसे बेहतर बनाएं मेटाबॉलिज्म

0 दिनचर्या को नियमित करें। सुबह उठने का एक समय रखें। उठने के डेढ़ से दो घंटे के भीतर पौष्टिक नाश्ता करें। चाय-कॉफी से दिन की शुरुआत कतई न करें। गुनगुने पानी या नीबू पानी व शहद लें।

0 नियमित 30 से 45 मिनट शारीरिक व्यायाम करें। 'अधिक तले-भुने, चिकनाई व मसालेदार खाने से परहेज रखें। सलाद, दाल, अखरोट, मौसमी सब्जियां व डेयरी प्रोडक्ट लें। बादाम भी फायदा पहुंचाते हैं।

0 दिनभर में पांच से छह बार कम मात्रा में खाएं। बहुत मीठे से परहेज करें।

0 खाने में पर्याप्त फाइबर लें। एक वयस्क को दिन में 35-40 ग्राम फाइबर रोजाना लेना चाहिए।

0 दालचीनी, सेब, दलिया,दाल, दही एवं अन्य डेयरी फूड का नियमित सेवन पाचन-तंत्र दुरुस्त रखता है।

न करें ये गलतियां

प्रोटीन की कमी: विशेषज्ञ कहते हैं कि प्रोटीन की सही मात्रा बहुत जरूरी है। प्रोटीन की कमी मेटाबॉलिज्म को धीमा कर सकती है। दरअसल प्रोटीन को पचने के लिए ज्यादा ऊर्जा की आवश्यकता होती है। अन्य श्रेणी के खानपान के मुकाबले प्रोटीनयुक्त खाने को पचाने में शरीर को दोहरी मेहनत करनी पड़ती है। मेटाबॉलिज्म बढ़ाना चाहते हैं तो प्रोटीन इनटेक बढ़ाएं। इसके लिए टोफू, नट्स, अंडा, मछली, दाल और डेयरी प्रोडक्ट अच्छा विकल्प हैं।

व्यायाम : शारीरिक गतिविधियों की कमी न करें। अनियमित व्यायाम भी मेटाबॉलिज्म को धीमा कर सकता है। मेटाबॉलिज्म को बेहतर बनाने के लिए शारीरिक रूप से सक्रिय रहना सबसे प्रभावी है। इससे नई कोशिकाओं का निर्माण होता है, मांसपेशियां बनती हैं, जो आपके आरएमआर को हाई करता है।

तनाव : तनाव मेटाबॉलिज्म को तो धीमा करता ही है, सेहत को और भी कई तरह से नुकसान पहुंचाता है।

नींद की कमी: अधूरी नींद मेटाबॉलिज्म के लिए नुकसानदेह है। सात घंटे से कम की नींद शरीर और मेटाबॉलिज्म दोनों के लिए अच्छी नहीं है। हमारा शरीर दिनभर में जितनी कैलरी की खपत करता है, कम नींद उस संख्या को घटा सकती है। द अमेरिकन जरनल ऑफ क्लिनिकल न्यूट्रिशन में आए 2011 के एक अध्ययन के अनुसार, नींद की कमी वजन बढ़ने का कारण बन सकती है। इससे जंक फूड या रात में देर तक खाने की प्रवृति बढ़ती है। साथ ही कैलरी की खपत दर भी कम होती है।

नाश्ता न करना: सुबह नाश्ता न करने की आदत मेटाबॉलिज्म के लिए सबसे ब?ा खतरा है। दिनभर लिए जाने वाले किसी भी भोजन के बीच लंबा अंतराल नहीं होना चाहिए। हर दो-तीन घंटे के बाद छोटे-छोटे मील लेने चाहिए। खाने के बीच में लंबा अंतराल आपके शरीर को स्टार्वेशन यानी सुप्तावस्था में पहुंचा देता है। यह आदत मेटाबॉलिज्म को धीमा करती है। हृदय व पाचन-तंत्र पर भी बुरा असर पड़ता है।

अहमदाबाद में बहुत कुछ है घूमने के लिए

पर्यटन

अहमदाबाद गुजरात प्रदेश का सबसे बड़ा शहर है। भारतवर्ष में यह नगर का सातवें स्थान पर है। इक्यावन लाख की जनसंख्या वाला ये शहर, साबरमती नदी के किनारे बसा हुआ है। 1970 में गांधीनगर में राजधानी स्थानांतरित होने से पहले अहमदाबाद ही गुजरात की राजधानी हुआ करता था। अहमदाबाद को कर्णावती के नाम से भी जाना जाता है।

अक्षरधाम मंदिर

अक्षरधाम मंदिर गुजरात की राजधानी गांधीनगर स्थित विशाल मंदिर है। यह मंदिर स्वामीनारायण सम्प्रदाय द्वारा निर्मित है। अक्षरधाम मंदिर गुजरात के प्रमुख सांस्कृतिक केंद्रों में से एक माना जाता है। इस मंदिर की स्थापना 1992 में हुई थी। भगवान स्वामीनारायण को समर्पित इस मंदिर में उनकी सोने की करीब 7 फीट ऊंची मूर्ति रखी है। इस मंदिर की जटिल नक्काशीदार दीवारों पर गुलाबी पत्थर लगा है जो दिन में सूरज की रोशनी में चमकता रहता है।

हठीसिंह जैन मंदिर

सजावट के साथ जटिल नक्काशी इस मंदिर की प्रमुख विशेषता है। इस मंदिर का निर्माण सफेद संगमरमर पर किया गया है। हाथीसिंह जैन मंदिर अहमदाबाद के प्रमुख जैन मंदिरों में से एक है। इस मंदिर का निर्माण 19वीं शताब्दी में रिचजन मर्चेंट ने किया था। इस मंदिर को उन्होंने जैनों के 15वें गुरु धर्मनाथ को समर्पित किया था।

केलिको संग्रहालय

इस संग्रहालय में पुराने और आधुनिक ढंग की बुनाई की कारीगरी प्रदर्शित की गई है। इसके अलावा यहां कुछ पुरानी बुनाई मशीन भी रखी गई हैं। इस संग्रहालय में संग्रहित सामान 17वीं शताब्दी से भी पहले के हैं। इसके अतिरिक्त यहां बुनाई से सम्बन्धित एक पुस्तकालय भी मौजूद है।

चंदोला झील

चंदोला झील भी यहां के ऐतिहासिक स्थलों में ही गिनती जाती है। यह झील देखने में बेहद खूबसूरत लगती है। इसका निर्माण मुगल सुल्तान अहमदाबाद ताज खान नारी अली की पत्नी ने कराया था। यह उस समय एक जलाशय के रूप में बनाया गया था, जबकि आज यह एक झील में परिवर्तित हो गया। चंदोला झील की यात्रा करने वालों के लिए इसके आस-पास ठहरने की विशेष व्यवस्था की गई है।

अहमद शाह मस्जिद

अहमदाबाद में बनी यह अहमद शाह मस्जिद भी आकर्षण का केंद्र है। इस प्राचीन मस्जिद का नाम अहमदाबाद के संस्थापक सुल्तान अहमद शाह के नाम पर रखा गया है। शहर में सबसे पुरानी मस्जिदों में से गिनी जाने वाली यह मस्जिद अपनी शानदार वास्तुकला के लिए प्रसिद्ध है। 1414 ई.पू. में स्थापित इस मस्जिद को काले और सफेद संगमरमर से खूबसूरत बनाया गया है।

दादा हरीर वाव

दादा हरीर वाव अहमदाबाद का एक कुंआ है। इसकी बनावट जबरदस्त है। 1501 में महमूद बेगडा के शासनकाल के दौरान बनाया गया यह स्थल दादा हरि की कब्र के पीछे है। इस संरचना को देखकर लगता है कि इसका निर्माण कितना जटिल रहा होगा। यहां पत्थरों पर बनी सीढ़ियां पयर्टकों को अपनी ओर आकर्षित करती हैं। दिन की रोशनी में इस कुएं की सैर करने में काफी मजा आता है।

साबरमती आश्रम

गांधीनगर में साबरमती नदी के तट पर स्थित, साबरमती आश्रम भी घूमने की जगह है। इसकी स्थापना महात्मा गांधी जी ने 1915 में की थी। गांधी जी इस आश्रम में करीब 12 साल तक रहे थे। गांधी जी ने इस आश्रम से अपने सत्याग्रह आंदोलन की शुरुआत की थी। आज यह आश्रम एक संग्रहालय, पुस्तकालय, ऐतिहासिक सभागार के रूप में देखा जाता है। यहां बड़ी संख्या में पयर्टक आते हैं।

टीन दरवाजा

अहमदाबाद में ही एक टीन दरवाजा यानी कि किशोर दरवाजा बना है। यह दरवाजा यहां के ऐतिहासिक स्थलों में गिना जाता है। यह अहमदाबाद का सबसे पुराना और सबसे लंबा प्रवेश द्वार है। यह 141 ईस्वीं में अहमदाबाद शहर के संस्थापक सुल्तान अहमद शाह द्वारा बनवाया गया था। इस किशोर दरवाजे की प्राचीन दीवारों और खंभों पर बनी नक्काशी उस दौर की कठिन कला को प्रदर्शित करती है।

कमला नेहरू प्राणी उद्यान

अहमदाबाद का कमला नेहरू प्राणी उद्यान भी यहां घूमने की खास जगहों में है। इसे कांकरिया चिड़ियाघर के रूप में भी जाना जाता है। 31 एकड़ क्षेत्र में फैले इस उद्यान में बाघ, हाथियों, नीलगाई, एनाकोंडा, स्पॉट डियर, इंडियन स्टार कछुए, बीयर, सिल्वर पियिएन्ट्स, निकोबार कबूतर, व्हाइट पीकॉक्स की दुर्लभ प्रजातियां देखने को मिलती हैं। यहां खिलौना ट्रेन भी चलती हैं।

मानेक चौक

अहमदाबाद में जाने के बाद अगर यहां के फेमस बाजार मानेक चौक न घूमा जाए तो फिर यात्रा का मजा अधूरा रह जाएगा। यह चमकदार गहने और वस्त्रों के लिए शहर का सबसे बड़ा बाजार है। इस बाजार की दिन में तीन बार तस्वीर बदलती है। सुबह यह बाजार वनस्पति बाजार के रूप में दिखता है। दोपहर में गहनों और कपड़ों के बाजार के रूप में और शाम को भोजन बाजार के रूप दिखाई देता है।

खुशहाली और समृद्धि के लिए घर लाएं ये पौधे

जी हां..हम बात कर रहे हैं उन लकी प्लांट्स की जो हमारे घरों में पॉजिटिव एनर्जी, खुशियां, उन्नति और बेहतर भाग्य लेकर आते हैं। नए साल का मौका है और सभी लोग चाहते हैं कि आने वाला साल उनके जीवन में ढेर सारी खुशियां लेकर आए। लिहाजा आप भी इनमें से कोई पौधा घर लाएं और नए साल में खुशियां पाएं...

ताड़ का पेड़

ताड़ के पेड़ की यह प्रवृत्ति है कि अगर किसी कमरे में कोई फेंगशुई एलिमेंट मिसिंग है तो यह पेड़ उसे सक्रिय कर देता है।

मनी प्लांट

मनी प्लांट को गुड लक और फॉर्च्युन का सूचक माना जाता है।

ऑर्किड्स

यह खूबसूरत फूलों का पौधा, दोस्ती और प्यार का प्रतीक माना जाता है। आप चाहें तो किसी नवविवाहित जोड़े को भी यह पौधा गिफ्ट में दे सकते हैं क्योंकि यह उर्वरता और संतानोत्पत्ति से जुड़ा हुआ है।

मॉर्निंग ग्लोरी

ऐसा कहा जाता है कि इस फूल को लगाने से घर में शांति और खुशियां आती हैं। नींद नहीं आने की समस्या से ग्रसित हैं तो इस फूल के बीज को तकिए के नीचे रखकर सो सकते हैं।

पीस लिलि

गहरे रंग का यह पौधा जिसमें सफेद फूल होते हैं यह घर के अंदर की हवा की क्वालिटी को बेहतर कर आपको उन्नति करने में मदद करता है।

कैकटस

जिस कैकटस के पौधे में फूल खिला हो वह खुशहाली और गुड लक का प्रतीक होता है और पौधे के मालिक को तुरंत कोई खुशखबरी मिल सकती है।

मोगरा

ऐसी मान्यता है कि यह मोगरे का पौधा प्यार, पैसा और भविष्यसूचक सपनों को आकर्षित करता है।

मधुचूस

घर में हनीसकल यानी मधुचूस का पौधा लगाने से घर की आर्थिक स्थिति बेहतर हो जाती है। ऐसी मान्यता है कि इसकी खुशबू से इंसान की अंतर्दृष्टि बेहतर होती है।

कान के दर्द से छुटकारा दिलाएंगे ये असरदार नुस्खे

शरीर के बाकी हिस्सों की तरह कानों की देखभाल करनी भी बहुत जरूरी है। सर्दी में ठंड़ी हवाएं के चलने से कानों में दर्द होना शुरू हो जाता है। वैसे इससे अलावा कान दर्द के और भी बहुत से कारण हो सकते हैं जैसे कान में गंदगी का जमा हो जाना,खुश्की,बलगम का कान में इकट्ठा होना,कान में पानी चला जाना, किसी नुकिली चीज से कान साफ करना और जख्म हो जाना आदि। इसके साथ कि कई लापरवाही से बहुत नुकसान भी हो सकता है। कान से संबंधित कोई परेशानी हो तो डॉक्टर से सलाह लेना बहुत जरूरी है लेकिन मामूली दर्द में कुछ असरदार घरेलू नुस्खें भी अपनाए जा सकते हैं।

कान दर्द के घरेलू उपाय

1. बादाम का तेल : कई बार कानों में लगातार सांय-सांय की आवाज आती है। जिससे सुनने में बहुत परेशानी होती है। बादाम का तेल इसके लिए बहुत लाभकारी है। कान में बादाम के तेल की कुछ बूंदें डाल लें। इससे आराम मिलेगी।

2. तुलसी की रस : कान में दर्द होने पर तुलसी के पत्तों का रस निकाल कर हल्का गर्म करके कान में डाल लें। इससे दर्द बहुत कम हो जाएगा।

3. नमक : नमक दर्द को कम करने का काम करता है। नमक को अच्छी तरह से गर्म करके कपड़े में बांधकर हल्के-हल्के से कान के आसपास लगाएं। इससे दर्द से बहुत आराम मिलेगा।

4. सरसों का तेल : कान में दर्द होने पर सरसों के तेल को हल्का सा गर्म करके कान में डाल लें। इससे दर्द से राहत मिलेगी।

5. प्याज का रस : प्याज भी संक्रमण से छुटकारा पाने और दर्द से आराम दिलाने में बेहद कारगर है। प्याज को पीस कर इसका रस निकाल लें और हल्का सा गर्म करके 1-2 बूंद कान में डाल लें।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए पी.जी. इंडिया लिमिटेड एमआईई, कालापहाड़, गुवाहाटी-16 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**